वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in

Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express tv

● वर्ष 8 ● अंक 184 ● हिन्दी दैनिक ● नई दिल्ली बुधवार 16 सितंबर 2020 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य 1 रूपया ● डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

पाक की नापाक हरकत पर भड़के डोभाल, छोड़ी मीटिंग

SCO बैठक में पाकिस्तान ने दिखाया गलत नक्शा, कड़ी आपत्ति

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । रूस में हो रही 'शंघाई कोऑपरेशन आर्गेनाइजेशन' की मीटिंग में भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आया है। पाकिस्तान ने मीटिंग के दौरान ऐसा गलत नक्शा लगाया, जिस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने मीटिंग बीच में ही छोड़ दी है। भारत ने इसे काल्पनिक नक्शा करार दिया है। रूस में हो रही इस मीटिंग में कई देश हिस्सा ले रहे हैं। यहाँ तक कि रूस भी पाकिस्तान की इस हरकत से सहमत नहीं था। रूस से पाकिस्तान को ऐसा करने से पहले ही इनकार किया था, लेकिन पाकिस्तान नहीं माना। मीटिंग में गलत नक्शा लगाया, जिसमें भारतीय इलाकों से भी छेड़छाड़ की गई थी। ये हरकत पाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार द्वारा की गई थी।

बता दें कि पाकिस्तान ने अगस्त के पहले सप्ताह में एक काल्पनिक नक्शा जारी किया। इस काल्पनिक नक्शे में कश्मीर सहित भारतीय इलाकों को शामिल किया गया है। मीडिया ब्रीफिंग की जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि पाकिस्तानी पक्ष से डॉक्टर मोईद युसूफ ने अपने देश का नया काल्पनिक नक्शा पेश किया जिसके बाद एनएसए अजीत डोवाल वर्चुअल बैठक को छोड़कर चले गए। इस काल्पनिक नक्शे में पाकिस्तान ने जम्मूकश्मीर को विवादित क्षेत्र और सर क्रीक एवं जूनागढ़ को अपना हिस्सा बताया है। जिसे पाकिस्तान हाल ही में प्रचारित कर रहा है। उन्होंने कहा, यह मेजबान

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने कहा, रूस की मेजबानी में **SCO** सदस्य देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक में पाकिस्तानी एनएसए ने जानबूझकर एक काल्पनिक नक्शा पेश किया, की ओर से जारी सलाहों की उपेक्षा और बैठक के नियमों का उल्लंघन है। मेजबान से परामर्श के बाद भारतीय पक्ष ने विरोध जताते हुए बैठक को छोड़ दिया। श्रीवास्तव ने कहा, जैसा की उम्मीद की जा सकती थी, फिर पाकिस्तान ने इस बैठक को लेकर भ्रामक विचार रखे। पाकिस्तान ने 4 अगस्त को नया नक्शा जारी किया था जिसमें पूरे जम्मूकश्मीर, लद्दाख और गुजरात के कुछ हिस्सों को शामिल किया गया है। पाकिस्तान ने इसे भारत की ओर से जम्मूकश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी किए जाने की पहली वर्षगांठ से एक दिन पहले जारी किया था। पाकिस्तान का अभी कोई आधिकारिक रूप से नियुक्त राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नहीं है। मोइद यूसुफ इस तरह की बैठकों में देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के बयान से पहले यूसुफ ने ट्वीट किया, विचित्र ढंग से, मेरे भारतीय समकक्ष ने पाकिस्तान और रूस के भाषण से वॉकआउट किया। इसने मंच पर खराब अनुभव छोड़ा, जिसकी पूरी भावना सहयोग है। यूसुफ ने यह भी ट्वीट किया कि उन्होंने हाइलाइट किया कि अंतरराष्ट्रीय रूप से मान्यताप्राप्त विवादित क्षेत्र में एकतरफा और अवैध कार्रवाई क्षेत्रीय शांति और समृद्धि के लिए खतरा है।

सप्तह में शामिल हैं ये देश

आपको बता दें कि शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) स्थायी अंतरसरकारी अंतर्राष्ट्रीय संगठन है, जिसका उद्देश्य संबंधित क्षेत्र में शांति, सुरक्षा व स्थिरता बनाए रखना है। कज़ाकिस्तान, चीन, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान, उज़्बेकिस्तान, भारत और पाकिस्तान इसके सदस्य देश हैं।

जम्मू-कश्मीर के सांबा सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश नाकाम, घुसपैठिया ढेर

(विशेष संवाददाता)

सांबा । भारत पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सांबा सेक्टर के मंगूचक्क में सोमवार देर रात सीमा पार से आतंकियों की घुसपैठ की बड़ी साजिश को बीएसएफ के जवानों ने नाकाम बना दिया। इसके बाद आतंकी जान बचाते हुए वापस भाग गए। इस बीच, बीएसएफ ने उड़ी में एक घुसपैठिए को मार गिराया है।मंगूचक्क में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर मुस्तैद बीएसएफ के जवानों ने रात के अंधेरे में पाकिस्तान की तरफ बीओपी हैदर पीर के पास कुछ संदिग्ध हरकत देखी। दो से तीन आतंकी घुसपैठ करने की फिराक में थे। बिना समय गंवाए बीएसएफ के जवानों ने उन्हें ललकारते हुए फायरिंग की। यह देख पाकिस्तानी रेंजरों ने आतंकियों को बचाने के लिए उन्हें कवर फायर दिया। कुछ देर झाड़ियों में छिपने के बाद आतंकी जान बचाने के लिए वापस भाग गए।कश्मीर में जिस तरह से आतंकियों का सफाया हो रहा है, उससे पाकिस्तान बौखलाहट में है। इसलिए पाकिस्तान अब जम्मू संभाग के सांबा सेक्टर से आतंकियों की घुसपैठ करवाने की साजिश रच रहा है। पिछले दिनों सीमा पर पाकिस्तान की ओर से घुसपैठ करवाने के लिए खोदी गई सुरंग का पर्दाफाश हुआ था। पाकिस्तान की ओर से आए दिन हो रही नापाक हरकतों को देखते हुए सुरक्षाबलों ने सतर्कता और बढ़ा दी है। इधर, दक्षिण कश्मीर के पुलवामा में मंगलवार को आतंकियों के साथ एक मुठभेड़ में दो सैन्यकर्मी घायल हो गए। इस बीच, आतंकी जान बचाने के लिए घेराबंदी तोड़कर भाग निकले। आतंकियों की तलाश में सुरक्षाबलों ने अभियान तेज कर दिया है। पुलिस को तड़के पता चला कि आतंकियों का एक दल पुलवामा के मारवल, काकपोरा इलाके में छिपा हुआ है।

सांसदों की 30 फीसदी वेतन कटौती वाला बिल लोकसभा से पास

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 15 सितम्बर। लोकसभा में मंगलवार को संसद सदस्य वेतन, भत्ता और पेंशन (संसोधन) विधेयक, 2020 गया। इस विधेयक के तहत एक साल तक सांसदों को सैलरी 30 फीसदी कटकर मिलेगी। लोकसभा में ज्यादातर सांसदों ने इस बिल का समर्थन किया, लेकिन उनकी यह मांग थी कि सरकार सांसद निधि में कटौती ना करे। निचले सदन में संक्षिप्त चर्चा के बाद संसद सदस्य वेतन, भत्ता एवं पेशन संशोधन विधेयक 2020 को धवनिमत से मंजूरी दे दी गई।

यह विधेयक इससे संबंधित संसद सदस्य वेतन, भत्ता एवं पेशन अध्यादेश 2020 के स्थान पर लाया गया है। इसके माध्यम से संसद सदस्यों के वेतन, भत्ता एवं पेशन अधिनियम 1954 में संशोधन किया गया है। कोरोना वायरस महामारी के बीच इस अध्यादेश को 6 अप्रैल को मंत्रिमंडल की मंजूरी मिली थी और यह 7 अप्रैल को लागू हुआ था। चर्चा में भाग लेते हुए अधिकतर विपक्षी सदस्यों ने कहा कि सांसदों के वेतन

में कटौती से उन्हें कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन सरकार को सांसद निधि के निलंबन पर पुनर्विचार करना चाहिए। लोकसभा में इस बिल पर चर्चा के दौरान अमरावती सांसद समेत कई संसद सदस्यों ने कहा कि केन्द्र सरकार चाहे तो हमारी पूरी सैलरी ले ले, लेकिन एमपी लैड्स फंड पूरा मिलना चाहिए।

तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि सरकार हमारा पूरा वेतन ले ले, कोई भी सांसद इसका विरोध नहीं करेगा। लेकिन एमपी लैड्स फंड पूरा मिलना चाहिए। जिससे कि हम लोगों के फायदे के लिए काम कर सकें। उधर, टीएमसी के सांसद सौगत रॉय ने कहा कि जितना पैसा हो आप सांसदों से ले सकते हैं। आप हमारा पूरा वेतन ले सकते हैं लेकिन एमपी लैड्स फंड दे देजिए। हम इसी के सहारे अपने क्षेत्रों में काम करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के पास 303 सांसद हैं तो इसका मतलब ये है क्या कि बाकी सांसदों का कोई महत्व नहीं है।

संसदीय मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने निचले सदन में हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि कोविड19 के कारण उत्पन्न अभूतपूर्व स्थिति को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं। यह कदम उनमें से एक है। उन्होंने कहा कि परोपकार की शुरूआत घर से होती है, ऐसे में संसद के सदस्य यह योगदान दे रहे हैं और यह छोटी या बड़ी राशि का सवाल नहीं है बल्कि भावना का है। जोशी ने कहा कि प्राकृतिक आपदा आती है तब एक विशिष्ट क्षेत्र को प्रभावित करती है, युद्ध दो देशों की सीमाओं को प्रभावित करता है।

भारत में क्लिनिकल ट्रायल में 3 वैक्सीन

SII जल्द शुरू करेगी तीसरे चरण का ट्रायल

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली,15 सितम्बर। कोरोना वैक्सीन का बेताबी से इंतजार किया जा रहा है। लेकिन, इसको लेकर आ रहे अलगअलग बयानों और दावों के चलते लोगों में कंफ्यूजन बढ़ता जा रहा है।

इस बीच, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) ने मंगलवार को कहा कि भारत में कोरोना के खिलाफ तीन वैक्सीन का ट्रायल किया जा रहा है और इसमें से एक को जल्द ही मंजूरी मिलने के बाद तीसरे चरण का ट्रायल शुरू हो जाएगा। स्वास्थ्य मंत्रालय की ब्रीफिंग के दौरान आईसीएमआर के महानिदेशक बलराम भार्गव ने कहा कैडिला हेल्थकेयर और भारत बोयोटेक की तरफ से तैयार की जा रही कोविड19 ने ट्रायल का पहला चरण पूरा कर लिया है जबकि मंजूरी मिलने के बाद सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) तीसरे चरण का ट्रायल शुरू करेगी। भार्गव ने आगे

कहा कि पुणे की दवा निर्माता कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट की तरफ से 14 जगहों पर फेज3 के दौरान 1500 वालेंटियर्स पर दवा का ट्रायल किया जाएगा।

आईसीएमआर की तरफ से यह बयान ऐसे वक्त पर आया है जब एक दिन पहले सीरम इंस्टीट्यूट की तरफ से यह कहा गया कि हर किसी के लिए 2024 से पहले वैक्सीन उपलब्ध नहीं हो पाएगी। फाइनेंशियल टाइम्स से सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला ने कहा था इस धरती पर हर किसी को वैक्सीन मिलने में चार से पांच साल लग जाएंगे।

इससे पहले, दिन में स्वास्थ्य राज्य मंत्री अश्विनी चौबे ने लोकसभा में बताया था किया बायोटेक और कैडिला हेल्थकेयर का दूसरे चरण का ट्रायल जारी है। उन्होंने यह भी बताया कि रूस की तरफ से तैयार की गई वैक्सीन पर भी सहयोग को लेकर चर्चा जारी है।हालांकि, औपचारिक स्टडीज की शुरुआत नहीं की गई है। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और आईसीएमआर की कोरोना वैक्सीन को तैयार करने में साझेदारी पर बोलते हुए चौबे ने कहा पहली वैक्सीन **ChAdO&v-S** ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और एस्ट्राजेनेका की तरफ से विकसित गैरप्रतिकृति वायरल वेक्टर वैक्सीन है। आईसीएमआर की तरफ से 2/3 चरण का ट्रायल 14 क्लिनिकल ट्रायल साइट पर चल रहा है। आईसीएमआर नेशनल इंस्टीट्यट ऑफ रिसर्च इन ट्यूबरक्यूलोसिस, चेन्नई इसकी अगुवाई कर रहा है।

देश में कोरोना का कहर जारी, कोविड संक्रमण के मामले 50 लाख के पार

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । भारत में मंगलवार की रात कोविड19 संक्रमण के कुल मामले 50 लाख के पार पहुंच गए। 40 लाख की संख्या पार करने के महज 11 दिन बाद भारत में संक्रमितों की कुल संख्या 50 लाख के पार पहुंच गई है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के आंकड़ों के मुताबिक देश में अब तक 39,26,096 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। मंगलवार सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक बीते 24 घंटों में 83,809 नए मरीजों के मिलने के साथ ही कुल संक्रमितों की संख्या 49,30,236 हो गई थी जबकि एक दिन में 1054 और मरीजों की मौत के साथ मृतकों की संख्या बढ़कर 80,776 हो गई थी। हालांकि रात तक तालिका के मुताबिक भारत में कोविड19 के कुल

मामलों की संख्या 50,05,963 हो चुकी थी जबकि मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 81,989 पहुंच गया था। इस महामारी से ठीक होने वालों का आंकड़ा भी बढ़कर 39,26,096 हो गया है। यह तालिका राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के आधार पर तैयार की गई है। दुनिया भर से कोविड19 के आंकड़ों का संग्रह करने वाले अमेरिका के जॉन हॉपकिंस विश्वविद्यालय के मुताबिक इस महामारी से ठीक होने वाले लोगों के संदर्भ में भारत सबसे आगे है, उसके बाद ब्राजील और फिर अमेरिका का स्थान आता है। विश्वविद्यालय के आंकड़ों के मुताबिक संक्रमण से प्रभावित लोगों के मामले में अमेरिका के बाद भारत दूसरे स्थान पर है जबकि मृतकों के आंकड़ों के लिहाज से अमेरिका और ब्राजील के बाद वह तीसरे स्थान पर है।

दिल्ली BJP दफ्तर तक पहुंचा कोरोना, 17 लोग संक्रमित

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । दिल्ली बीजेपी दफ्तर में रहने वाले कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों में 17 लोग मंगलवार को कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। यह जानकारी दिल्ली बीजेपी मीडिया सेल के प्रमुख अशोक गोयल ने दी। उन्होंने बताया कि कोरोना के मामले मिलने की वजह से बुधवार को परिसर में सैनिटाइजेशन का काम होगा, जिसकी वजह से दफ्तर बंद रहेगा। अशोक गोयल ने बताया, दिल्ली बीजेपी दफ्तर के परिसर में रहने वाले सभी स्टाफ सदस्यों और उनके परिवारों की रैपिड एंटीजन टेस्ट के माध्यम से कोरोना की जांच करवाई गई थी। इसमें 17 कोविड19 पॉजिटिव निकले। उन्होंने बताया कि 17 लोगों में से गार्ड, ड्राइवर और दो चपरासी शामिल हैं। इन सभी को कोविड सेंटर भेज दिया गया है। पार्टी के नेताओं ने बताया कि दिल्ली बीजेपी संगठन सचिव सिद्धार्थन के ड्राइवर पहले कोविड पॉजिटिव

मिले, लेकिन बाद में वे निगेटिव पाए गए। चार दिन पहले ही दफ्तर के चपरासी की कोरोना जांच करवाई गई थी, जिसकी रिपोर्ट सोमवार को आई। इसके बाद पार्टी ने दफ्तर में रहने वाले सभी स्टाफ और उनके परिवार के सदस्यों की कोरोना जांच करवाने का फैसला लिया।

21 सितंबर से रेलवे चलाएगा 20 जोड़ी क्लोन ट्रेनें

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । भारतीय सरकार द्वारा लॉकडाउन के बाद अनलॉक की चौथे चरण तक की प्रक्रिया खत्म होने से पहले 21 सितंबर से 20 जोड़ी क्लोन ट्रेन चलाने का फैसला किया है।

यह क्लोन ट्रेन 21 सितंबर से शुरू की जाएगी। बताया गया है कि ट्रेन की बढ़ती मांग के चलते रेलवे ने ट्रेन चलाने क फैसला लिया है। मिली जानकारी के मुताबिक क्लोन ट्रेन के स्टापेज कम होंगे. जबकि साधारण ट्रेनों के मुकाबले इनकी रफ्तार भी ज्यादा होगी। 20 जोड़ी क्लोन ट्रेनों में जनशताब्दी, हमसफर जैसी ट्रेनें भी शामिल होंगी। दस दिन पहले से

रिजर्वेशन शुरू होगा। रेलवे ने कहा कि इन ट्रेनों में से 19 जोड़ी ट्रेनों के लिए हमसफर एक्सप्रेस का किराया लिया जाएगा, लखनऊ से दिल्ली के बीच 'क्लोन ट्रेन के लिए यह जनशताब्दी एक्सप्रेस के किराये के बराबर होगा। इन ट्रेनों की अग्रिम आरक्षण अवधि 10 दिनों की होगी। रेलवे के अनुसार ये ट्रेनें उन मार्ग पर चलेंगी जहां टिकटों की प्रतिक्षा सूची लंबी है या मांग अधिक है। रेलवे ने कहा कि ये ट्रेनें पहले से मौजूद 310 विशेष रेलगाड़ियों के अलावा होंगी और इनका ठहराव मार्ग पर 'संचालात्मक हाल्ट या मंडल मुख्यालय (यदि कोई है तो) तक सीमित रहेगा। रेलवे ने कहा कि ठहराव को सीमित करते समय राज्य सरकारों के सुझावों को ध्यान में रखा जा सकता है।

चीन द्वारा यथास्थिति में एकतरफा बदलाव का कोई भी प्रयास अस्वीकार्य होगा: राजनाथ

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 15 सितंबर। लद्दाख के पूर्वी क्षेत्र में चीन की सेना के साथ गतिरोध के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि भारत शांतिपूर्ण तरीके से सीमा मुद्दे के हल के लिए प्रतिबद्ध है लेकिन पड़ोसी देश द्वारा यथास्थिति में एकतरफा ढंग से बदलाव का कोई भी प्रयास अस्वीकार्य होगा।

उन्होंने कहा कि हम पूर्वी लद्दाख में चुनौती का सामना कर रहे हैं, हम मुद्दे का शांतिपूर्ण ढंग से हल करना चाहते हैं और हमारे सशस्त्र बल देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए डटकर खड़े हैं।

रक्षा मंत्री के जवाब के बाद कांग्रेस के सदस्य भी इस मुद्दे पर अपनी बात रखना चाहते थे लेकिन अध्यक्ष ओम बिरला ने नियमों का उल्लेख करते हुए उन्हें अनुमति नहीं दी। कांग्रेस के अधीर रंजन चैधरी और गौरव गोगोई ने कहा कि उन्हें भी

बोलने का अधिकार है। हालांकि आसन से अनुमति नहीं मिलने के बाद कांग्रेस सदस्यों ने विरोध स्वरूप सदन से वाकआउट किया। लोकसभा में पूर्वी लद्दाख की स्थिति पर दिये गये एक बयान में रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि इस सदन को प्रस्ताव पारित करना चाहिए कि यह सदन और सारा देश सशस्त्र बलों के साथ है। उन्होंने कहा, '' मैं इस सदन से यह आग्रह करना चाहता हूँ कि हमें एक प्रस्ताव पारित करना चाहिए कि हम अपने वीर जवानों के साथ कदम सेकदम मिलाकर खड़े हैं, जो कि अपनी जान की परवाह किए हुए बगैर देश की चोटियों की उचाइयों पर विषम परिस्थितियों के बावजूद भारत माता की रक्षा कर रहे हैं।'' सिंह ने हाल ही में चीन के रक्षा मंत्री वेई फेंगहे से मॉस्को में अपनी बातचीत का जिक्र करते हुए कहा, ''मैंने यह भी स्पष्ट किया कि हम इस मुद्दे को शांतिपूर्ण ढंग से हल करना चाहते हैं और हम चाहते हैं कि चीनी पक्ष हमारे साथ मिलकर काम करे। हमने यह भी स्पष्ट कर दिया कि हम भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।''

उन्होंने कहा, '' मैं इस बात पर बल देना चाहूंगा कि भारत शातिपूर्ण बातचीत और परामर्श से सीमा मुद्दों को सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से मैंने चार सितंबर को चीनी रक्षा मंत्री से बातचीत की।'' रक्षा मंत्री ने कहा कि इस वर्ष की स्थिति पहले से बहुत अलग है।

चीन के करीब जाकर गर्त में गई नेपाल की अर्थव्यवस्था

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली/महराजगंज। पर्यटन व्यवसाय पर आधारित नेपाल का आर्थिक ढांचा कोरोना के चलते चरमरा गया है। बीते मार्च माह से ही वहां के होटल सूने पड़े हैं। पेइंग गेस्ट रखकर जीविका चलाने वाले नेपाल के बहुसंख्यक लोगों के आय का श्रोत भी बंद है।

इसका असर नेपाल की डीजीपी पर भी पड़ रहा है। एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) की रिपोर्ट के मुताबिक यही स्थिति रही तो देश की जीडीपी 7.10 फीसद से गिर कर 6.3 फीसद आ सकती है। महराजगंज की सीमा से सटे नेपाल के बेलहियां, भैरहवां, लुंबिनी, बुटवल, नवलपरासी आदि नगरों में इसका साफ असर देखा जा रहा है। नेपाल में बेरोजगारी बढ़ने से नौकरी के नाम पर मानव तस्करी तेज हो गई है। सीमा सील होने के बाद तस्कर महिलाओं , युवतियों व बच्चों को पगडंडी रास्ते भारत भेज रहे हैं। दिल्ली से काठमांडू तक इनका नेटवर्क फैला है। माह भर के अंदर जिले में 10 से अधिक मामले सामने आने पर सुरक्षा एजेंसियां सर्तक हो गईं हैं। नेपाल की युवतियों को भारत के विभिन्न शहरों में नौकरी दिलाने के नाम पर लाया जा रहा है। पगडंडी रास्ते उन्हें भारत में प्रवेश करा कर दिल्ली, मुंबई आदि शहरों में पहुंचाया जा रहा है। जो युवतियां महानगरों तक नहीं पहुंच पा रहीं हैं, उन्हें एजेंट सीमावर्ती क्षेत्र के आर्केस्ट्रा संचालकों को बेंच रहें हैं। इसका खुलासा 31 अगस्त को जिले के बलूवही धूस स्थित एक आर्केस्ट्रा संचालक के घर से मुक्त कराई गई दो नेपाली युवतियों ने किया। एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग के प्रभारी सगीर अहमद ने बताया कि किशोरी को नेपाल से लाकर भारत में बेचा गया था। उसे मुक्त करा कर नेपाल पहुंचा दिया गया है।

लॉकडाउन में कितने मजदूर मरे सरकार को पता नहीं: राहुल

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 15 सितंबर। केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार ने खुद इस बात को स्वीकार किया। मार्च में लगाए गए लॉकडाउन के बाद सोमवार से संसद का मॉनसून सत्र शुरू हुआ जिसमें विपक्ष ने लिखित रूप में श्रम मंत्रालय से पाँच सवाल पूछे थे। उनमें एक सवाल था, लॉकडाउन के दौरान क्या हज़ारों मज़दूरों की मौत हुई थी। अगर ऐसा है तो इसकी विस्तृत जानकारी दी जाए। इस सवाल के जवाब में केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार ने कहा कि सरकार के पास ऐसा कोई डेटा मौजूद नहीं है। सरकार से जब ये पूछा गया कि कितने मज़दूरों को मुआवज़ा दिया गया है,तो मंत्री का कहना था कि जब लॉकडाउन के दौरान मरने वाले मजदूरों के बारे में कोई डेटा ही मौजूद नहीं है तो फिर मुआवज़ा देने का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता। राहुल गांधी ने ट्वीट किया, तुमने ना गिना तो क्या मौत ना हुई? हाँ मगर दुख है सरकार पे असर ना हुई, उनका मरना देखा ज़माने ने, एक मोदी सरकार है जिसे खबर ना हुई। राहुल गांधी शुरू से ही कोरोना के मामले में मोदी सरकार पर सवाल उठाते रहे हैं।

राहुल गांधी ने फ़रवरी में ट्वीट कर सरकार को कोरोना के ख़तरों से आगाह किया था लेकिन सरकार ने उस समय कोई कार्रवाई नहीं की। जब 2425 मार्च को देश भर में लॉकडाउन लागू किया गया, तब भी राहुल गांधी लॉकडाउन के तौरतरीक़ों पर सवाल उठाते रहे हैं। आर्टिकल 14 नाम की एक वेबसाइट ने कहा कि उनके ज़रिए जमा किए गए आंकड़ों के अनुसार केवल चार जुलाई तक 971 लोगों की मौत हुई थी। उनके अनुसार 216 लोग भूख से, 219 लोग अपने घरों को जाते हुए रास्ते में दुर्घटना से मौत हुई थी और 133 लोगों ने आत्महत्या की थी।

एक नजर

दरभंगा में एम्स की स्थापना पर लगी मंत्रिमंडल की मुहर

नई दिल्ली। बिहार के दरभंगा में नया अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एम्स) की स्थापना को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को मंजूरी दे दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाले केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत दरभंगा में नया एम्स खोलने को मंजूरी दे दी है। मंत्रिमंडल ने साथ ही 2,25,000 रुपये के बेसिक वेतन पर दरभंगा एम्स के लिए निदेशक पद के सृजन का भी अनुमोदन किया है। दरभंगा एम्स को 1,264 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जायेगा और सरकार से अनुमति मिलने के 48 माह की अवधि में इसके निर्माण कार्य के पूरा होने की संभावना है। नये एम्स से एमबीबीएस की 100 सीट और 60 नर्सिंग सीट बढ़ेगी। इसमें 15 से 20 सुपर स्पेशलिटी विभाग होंगे तथा यह 750 बेड क्षमता वाला होगा।

कैम्स, केमकॉन स्पेशियल्टी का आईपीओ अगले सप्ताह

नई दिल्ली। एनएसई समर्थित कंप्यूटर एज मैनेजमेंट सर्विसेज तथा फार्मास्युटिकल्स रसायन विनिर्माता केमकॉन स्पेशियल्टी केमिकल्स का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम 21 सितंबर को आने की उम्मीद है। मर्चेंट बैंकिंग सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इससे पहले पिछले सप्ताह हैप्पिएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज और रूट मोबाइल के आईपीओ को संस्थागत के साथ खुदरा निवेशकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। मर्चेंट बैंकिंग सूत्रों ने बताया कि कैम्स और केमकॉन स्पेशियल्टी का आईपीओ 21 सितंबर को खुलकर 23 सितंबर को बंद होगा। कैम्स का आईपीओ 1,500 से 1,600 करोड़ रुपये और केमकॉन स्पेशियल्टी केमिकल्स का 350 करोड़ रुपये का है। कैम्स के आईपीओ के तहत 1.22 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश की जाएगी। चेन्नई मुख्यालय वाली कैम्स का सहस्वामित्व एनएसई इन्वेस्टमेंट्स, वारबर्ग पिन्कस, फेरिंग कैपिटल, एसीएसवाईएस इन्वेस्टमेंट्स तथा एचडीएफसी ग्रुप के पास है। कंपनी के आईपीओ का प्रबंधन कोटक महिंद्रा कैपिटल, एचडीएफसी बैंक लि., आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज और नोमुरा फाइनेंशियल एडवाइजरी एंड सिक्योरिटीज प्राइवेट लि. कर रही है। वहीं केमकॉन स्पेशियल्टी केमिकल्स के आईपीओ के तहत 175 करोड़ रुपये के नए शेयर और प्रवर्तकों द्वारा 43 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश की जाएगी। इंटेन्सिव फिस्कल सर्विसेज और एंबिट कैपिटल आईपीओ की प्रबंधक हैं।

मिंडा इंडस्ट्रीज ने राइट्स इश्यू से 242 करोड़ रुपये जुटाए

नई दिल्ली, 15 सितंबर (वेबवार्ता)। वाहन कलपुर्जा कंपनी मिंडा इंडस्ट्रीज ने मौजूदा निवेशकों को राइट्स इश्यू से 242 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

मिंडा इंडस्ट्रीज के निदेशक मंडल ने 29 जून को पात्र शेयरधारकों को राइट्स इश्यू के रूप में इक्विटी शेयर जारी कर 250 करोड़ रुपये तक जुटाने की मंजूरी दी थी। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में मिंडा इंडस्ट्रीज ने कहा, ''कंपनी के निदेशक मंडल की राइट्स इश्यू समिति ने पात्र आवदेकों को राइट्स इश्यू में दो रुपये अंकित मूल्य के 97,11,739 इक्विटी शेयर 250 रुपये प्रति शेयर के मूल्य पर आवंटित करने की मंजूरी दे दी है।'' इस तरह कंपनी ने 250 रुपये प्रति शेयर के मूल्य पर 97,11,739 इक्विटी शेयर जारी कर 242.79 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन बनेगा विश्वस्तरीय ट्रांजिट हब

रेलवे ने बढ़ाए कदम, तैयारी शुरू, 20 कंपनियों ने दिखाई रूचि

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 15 सितम्बर। नई दिल्ली स्टेशन को ऐतिहासिक, विश्वस्तरीय, अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस पुनर्विकसित करने के लिए भारतीय रेलवे ने आज एक कदम बढ़ा दिए। करीब साढ़े छह हजार करोड़ रुपए के निवेश वाली महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए आज हुई निविदा पूर्व बैठक में देशविदेश की जानी मानी 20 कंपनियों ने हिस्सा लिया।

रेलवे भूमि विकास प्राधिकरण ने द्वारा आयोजित इस बैठक में फ्रांस की राष्ट्रीय रेल कंपनी एसएनसीएफ, अरबियन कंस्ट्रक्शन कंपनी, एंकोरेज इंफ्रास्ट्रक्चर, अडानी, जीएमआर, जेकेबी इन्फ्रा समेत 20 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का उद्देश्य नई दिल्ली रेलवे स्टेशन को मल्टीमॉडल हब के रूप में विकसित करना है जो बुनियादी एवं अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस हो। इसमें एलिवेटेड कॉन्कोर्स, मल्टी लेवल कार पार्किंग समेत यात्रियों के लिए और कई सुविधाएं शामिल हैं। इस परियोजना को 60 वर्षों की रियायत अवधि के लिए डिजाइन बिल्ड फाइनेंस ऑपरेट ट्रांसफर मॉडल पर विकसित किया जाएगा। परियोजना के लिए अनुमानित लागत लगभग साढ़े छह हजार करोड़ रुपए है और इसके लगभग चार वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य है। आरएलडीए के उपाध्यक्ष वेद प्रकाश डुडेजा के

मुताबिक नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए प्रमुख ग्लोबल फर्मों ने रुचि दिखाई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के न्यू इंडिया के दृष्टिकोण के अनुरूप इस परियोजना का उद्देश्य नई दिल्ली रेलवे स्टेशन को विश्वस्तरीय ट्रांजिट हब के रूप में परिवर्तित करना है।

कैसा होगा नई दिल्ली रेलवे स्टैशन

यह स्टेशन रिटेल, कमर्शियल, और हॉस्पिटैलिटी बिजनेस के लिए एक वर्ल्ड क्लास वनस्टॉप डेस्टिनेशन होगा। स्टेशन का पुनर्विकास, पर्यटन को तो बढ़ावा देगा ही साथ ही साथ नई दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं को भी बढ़ाएगा। परियोजना में ठेका पाने वाली कंपनी टिकट बिक्री के माध्यम से यात्रियों से एकत्रित पैसेंजर हैंडलिंग फीस, स्टेशन के भीतर यात्री सुविधाओं जैसे रिटेल एरिया, लाउंज, पार्किंग, एडवरटाइजिंग स्पेस, एफएंडबी इत्यादि एवं कमर्शियल प्रोपर्टी के डेवलपमेंट और लीज आदि कई घटकों से राजस्व अर्जित करेगी।

रेलवे के कार्यालयों एवं आवासीय परिसर का नवीनीकरण

कई चरणों में चलने वाली इस परियोजना में केवल रेलवे स्टेशन ही नहीं बल्कि स्टेशन से जुड़े ढांचों, रेलवे के कार्यालयों एवं आवासीय परिसर का नवीनीकरण भी शामिल है। स्टेशन के नियोजित पुनर्विकास की मुख्य विशेषताओं में आगमन और प्रस्थान करने वाले यात्रियों के लिए अलगअलग जगह, प्लेटफार्मों का नवीनीकरण, यात्रियों की सुविधाओं के लिए लाउंज, फूड कोर्ट और टॉयलेट, मल्टीपल एंट्री और एग्जिट प्वाइंट के साथ एलिवेटेड रोड नेटवर्क, मल्टीलेवल कार पार्किंग सुविधा और नेचुरल वेंटिलेशन एवं लाइटिंग जैसे ग्रीन बिल्डिंग प्रावधान शामिल हैं।

62 स्टेशनों पर काम कर रहा है आरएलडीए

आरएलडीए वर्तमान में 62 स्टेशनों पर चरणबद्ध तरीके से काम कर रहा है, जबकि इसकी सहायक आईआरएसडीसी ने अन्य 61 स्टेशनों को पुनर्विकसित करने हेतु चयनित किया है। पहले चरण में, आरएलडीए ने पुनर्विकास के लिए नई दिल्ली, तिरुपति, देहरादून, नेल्लोर और पुडुचेरी जैसे प्रमुख स्टेशनों को प्राथमिकता दी है। सरकार द्वारा शुरू की गई स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के एक हिस्से के रूप में देशभर के रेलवे स्टेशनों को पीपीपी मॉडल पर पुनर्विकास किया जाएगा। आरएलडीए वर्तमान में 84 रेलवे कॉलोनी के पुनर्विकास परियोजनाओं पर भी काम कर रहा है और हाल ही में पुनर्विकास के लिए गुवाहाटी में एक रेलवे कॉलोनी को लीज पर दिया है।

भारत में कोरोना के करीब 92 प्रतिशत मामले हल्के लक्षण वालेः हर्षवर्धन

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 15 सितंबर । देश में कोविड19 के बढ़ते मामलों के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि भारत में करीब 92 प्रतिशत मामले हल्के लक्षण वाले हैं और केवल 5.8 प्रतिशत मामलों में ऑक्सीजन थैरेपी की जरूरत पड़ी। हर्षवर्धन ने कोरोना वायरस संकट से निपटने के लिए सरकार द्वारा उठाये गये कदमों के बारे में राज्यसभा में एक बयान देते हुए यह टिप्पणी की।

उन्होंने कहा कि महामारी से निपटने के लिए देशभर में लॉकडाउन लगाने सहित सरकार द्वारा समय पर लिये गये फैसलों से संक्रमण के करीब 1429 लाख मामलों को रोकने में और 37,000 38,000 लोगों को मौत से बचाने में मदद मिली। उन्होंने कहा कि भारत में करीब 92 प्रतिशत मामले हल्के लक्षण वाले हैं और 5.8 प्रतिशत मामलों में ऑक्सीजन थैरेपी की जरूरत पड़ी वहीं 1.7 प्रतिशत मामले आईसीयू वाले रहे। उन्होंने कहा कि भारत में 11 सितंबर तक नोवेल कोरोना वायरस के कुल 45,62,414 मामले आए और 76,271 लोगों की संक्रमण से मृत्यु हो चुकी थी। उन्होंने बताया कि संक्रमण से मृत्यु दर 1.67 प्रतिशत है। उन्होंने कहा, ''अनुमान है कि सरकार के लिये गये फैसलों से संक्रमण के करीब 1429 लाख मामलों को रोकने में और 37,000 38,000 लोगों को मौत से बचाने में मदद मिली।'' हर्षवर्धन ने कहा कि अब तक 35,42,663 लोग संक्रमण से उबर चुके हैं और यह संख्या कुल मामलों का 77.65 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि सरकार देश में कोविड19 के प्रकोप की रोकथाम के लिए सभी जरूरी कदम उठा रही है।'' उन्होंने कहा कि संक्रमण और उससे मौत के सर्वाधिक मामले मुख्यतः महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, ओडिशा, असम, केरल और गुजरात से आये हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि पूरी सरकार और संपूर्ण समाज के सहयोग से कोरोना वायरस से निपटने के प्रयासों के कारण भारत संक्रमण के मामलों और उससे जान गंवाने वाले रोगियों की संख्या को प्रति दस लाख आबादी पर 3,328 मामले और 55 लोगों की मौत तक सीमित रखने में सफल रहा है।

नॉर्थ एमसीडी में तेज हुई वेतन की मांग, महत्वपूर्ण बैठकें स्थगित

नई दिल्ली। नॉर्थ एमसीडी के कर्मचारियों ने वेतन की मांग को लेकर सिविक सेंटर में 14 वें दिन प्रदर्शन किया. कर्मचारियों का कहना है कि उनको पिछले 5 महीने से वेतन नहीं मिला है. इससे घर का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है. वेतन न मिलने की वजह से निगम कर्मचारियों ने सभी बैठकों का बहिष्कार कर दिया है. उनका कहना है कि पूरा वेतन न मिलने तक ये बहिष्कार जारी रहेगा. नॉर्थ एमसीडी में कार्यरत सभी ग्रुप के कर्मचारियों का मंगलवार को लगातार 14 वें दिन भी सिविक सेंटर के प्रांगण में अपने वेतन की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन जारी रहा. निगम के नेताओं द्वारा कर्मचारियों की समस्याओं का संज्ञान नहीं लिए जाने को देखते हुए मंगलवार को कर्मचारियों ने अपने विरोध प्रदर्शन को और तेज कर दिया ह। अब से रोजाना निगम कर्मचारी 4 घंटे विरोध प्रदर्शन करेंगे. साथ ही साथ सभी निगम कर्मचारियों ने एकजुट होकर सिविक सेंटर के अंदर होने वाली सभी महत्वपूर्ण बैठकों का बहिष्कार करने का ऐलान भी कर दिया है।

उडय्यन क्षेत्र के नियामकों को और प्रभावशाली बनायेगी सरकारः पुरी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 15 सितंबर। नागरिक उडय्यन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि सरकार नागरिक उडय्यन क्षेत्र के तीन नियामकों नागरिक उड्डयन महानिदेशालय, नागरिक उड्डयन सुरक्षा कार्यालय और विमान दुर्घटना जांच कार्यालय को बदलती जरूरतों के मद्देनजर ज्यादा प्रभावशाली बना रही है तथा नियमों के उल्लंघन पर सख्त जुर्माने का प्रावधान किया जा रहा है।

पुरी ने आज राज्यसभा में वायुयान संशोधन विधेयक 2020 पेश करते हुए कहा कि विधेयक में इन तीनों नियामकों के लिए केन्द्र सरकार द्वारा एक महानिदेशक की नियुक्ति का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत का उडय्यन क्षेत्र बहुत तेजी से बढ रहा है और वर्ष 2022 तक भारत अमेरिका और चीन के बाद इस क्षेत्र का तीसरा सबसे बड़ा देश बन जायेगा। विधेयक में किये जा रहे प्रावधानों से बदलते समय की आवश्यकताएं पूरी की जा सकेंगी और देश में विमान संचालन की सुरक्षा का स्तर बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी से पहले देश का उडय्यन क्षेत्र 34 करोड़ यात्रियों को संभाल रहा था और अब पिछले दिनों शुरू की गयी सीमित विमान सेवा के बाद यह संख्या निरंतर बढ रही है तथा दीवाली के बाद इसमें तेजी से बढोतरी होगी। इसे देखते हुए देश में हवाई अड्डों की क्षमता बढाने के लिए भी निरंतर कदम उठाये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विधेयक में विमानन क्षेत्र में नियमों के उल्लंघन के लिए लगाये जाने वाले जुर्माने की राशि को भी बढाने का प्रावधान किया गया है।

अभी इन नियमों के उल्लंघन के लिए दो वर्ष की सजा या 10 लाख रूपये के जुर्माने या दोनों का प्रावधान है। संशोधित विधेयक में सजा की अवधि को नहीं बदला गया है लेकिन जुर्माने की राशि बढाकर एक करोड़ रूपये तक की जा रही है। विधेयक पर चर्चा की शुरूआत करते हुए कांग्रेस के के सी वेणुगोपाल ने कहा कि सरकार सुरक्षा के नाम पर हवाई अड्डों का निजीकरण करने में लगी है और इसमें अपनी पसंद के उद्योगपतियों को फायदा पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि अडाणी उद्योग समूह को छह हवाई अड्डों में काम दिया जा रहा है ।

लोकतंत्र रूपी धागा हमें एक साथ रखता हैः नायडू

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 15 सितंबर । राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू ने मंगलवार को कहा कि लोकतंत्र के सिद्धांतों को बढ़ावा देने तथा उन्हें कायम रखने के मकसद से 15 सितंबर को दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि लोकतंत्र वह धागा है जो हमें एक साथ रखता है। नायडू ने सुबह उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर आज 15 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस होने का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एक सार्वभौमिक मूल्य के रूप में लोकतंत्र, लोगों की अपनी राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और

सांस्कृतिक प्रणालियों तथा जीवन के सभी पहलुओं में अपनी पूर्ण भागीदारी निर्धारित करने की स्वतंत्र रूप से व्यक्त की गयी इच्छा पर आधारित है। नायडू ने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के नाते भारत में इस दिन का विशेष महत्व है। सभापति ने कहा ''लोकतंत्र वह धागा है जो हमें एक साथ रखता है। यह विविधता में हमारी एकता का आधार है। इस बल से अपने देश को प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाने में मदद मिली है।'' उन्होंने कहा, ''मेरे लिए, लोकतंत्र हमारे संविधान का पर्याय बन गया है... नागरिकों को उनके समग्र विकास के लिए पर्याप्त रास्ते मुहैया कराते हुए हमारा संविधान यह भी सुनिश्चित करता है कि वे इस देश के विकास में सार्थक योगदान देने में सक्षम हों।''

गुरुद्वारा कमेटी को बादल मुक्त और भ्रष्टाचार मुक्त कराने की मुहिम में सभी का स्वागत

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 15 सितंबर,। शिरोमणि अकाली दल (दिल्ली) के अध्यक्ष सरदार परमजीत सिंह सरना ने कहा कि हमारी पार्टी का मुख्य उद्देश्य दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी को बादल मुक्त और भ्रष्टाचार मुक्त के मार्ग को प्रशस्त करना है और जो कोई भी हमारे इस अभियान से साथ देंगे हम उसका स्वागत और समर्थन करने के लिए हमेशा तैयार हैं।

शिरोमणि अकाली दल से इस्तीफा देने वाले गुरमीत सिंह शंटी के एक बयान के बाद सरना की उपरोक्त प्रतिक्रिया आई है, जिसमें शंटी ने बादल दल की दिल्ली समिति में व्याप्त भ्रष्टाचार के लिए अपने इस्तीफे को जिम्मेदार ठहराया है। शंटी ने इसके खिलाफ लड़ने की भी घोषणा की है। सरना ने कहा कि दिल्ली कमिटी में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने के लिए हम सरदार शंटी द्वारा की गई

घोषणा का स्वागत करते हैं और साथ ही यह आश्वासन देते हैं कि यदि कोई व्यक्ति या नेता वर्तमान में दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के प्रबंधन में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ रहा है, तो हमारी पार्टी उनको हर संभव सहयोग देने को तैयार है। सरना ने कहा, हमने हमेशा साफ मन से गुरु घर की सेवा की है। और हमेशा भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाई है। सरदार सरना ने कहा कि बादल दल से संबद्ध समिति प्रबंधन ने सभी मामलों में दिल्ली समिति को भारी नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि हमने 123 करोड़ रुपये छोड़ कर गए थे, लेकिन बादल दल द्वारा धन के बड़े पैमाने पर दुरुपयोग के बाद, अब स्थिति ऐसी है कि शिक्षकों और कर्मचारियों के वेतन का भुगतान करने के लिए पैसे नहीं है। पूर्व प्रधान ने कहा की सिख कौम अपने सबसे बुरे वक्त से गुजर रहा है। आर्थिक हालात के साथ साथ पंथक मर्यादाओ का घोर उल्लंघन और मजाक उड़ाया जा रहा है।

बादल परिवार के इशारे पर हुई निर्दोष सिखों पर हमला

नई दिल्ली 15 सितंबर। शिरोमणि अकाली दल दिल्ली के महासचिव हरविंदर सिंह सरना ने गुरु ग्रंथ साहिब के 328 गायब हुए पावन स्वरूपों का हिसाब शिरोमणी कमेटी से श्री दरबार साहिब परिसर में माँग रहीं संगतों के साथ शिरोमणी कमेटी की टास्क फोर्स के द्वारा आज की गई मारपीट की निंदा की है। साथ ही एसजीपीसी प्रधान गोविन्द सिंह लोंगोवाल, अकाली दल बादल प्रधान सुखबीर बादल और बादल परिवार पर हमला बोला है। हरविंदर सिंह सरना ने कहा कि इस बर्बरता का बादल परिवार को आने वाले समय में सिख समुदाय के कड़े विरोध का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा।

अल्पसंख्यक आयोग ने अफगानिस्तान से आए सिखों से की मुलाकात

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली 15 सितम्बर। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन मंजीत सिंह राय ने आज अफगानिस्तान छोड़कर भारत आए सिक्ख परिवारों से मुलाकात की और उनका हालचाल पूछा।

पिछले दिनों भारत सरकार की पहल पर 450 सिख परिवार दिल्ली आए थे और उनमें से कुछ परिवारों को बंगला साहिब गुरुद्वारे की सराय में ठहराया गया है। इस मौके पर भाजपा सिख प्रकोष्ठ दिल्ली प्रदेश के सह संयोजक जसप्रीत सिंह माटा भी मौजूद रहे। उन्हीं की पहल पर आयोग के चेयरमैन पहुंचे थे। अफगान सिख

जत्थे में इकबाल सिंह भी शामिल है जो हाल ही में अफगानिस्तान स्थित गुरुद्वारे में हुए जानलेवा ब्लास्ट में बुरी तरह घायल हुए थे। इकबाल सिंह ने बताया कि पहले की सरकारों में उन्हें भारत आने के लिए सिर्फ 6 माह का ही वीजा मिलता था पर मोदी सरकार ने आते ही इसे पहले 1 साल व बाद में 3 साल अब लंबे समय के लिए बड़ा दिया है, उन्होंने इस पर सरकार का धन्यवाद किया। इस मौके पर आयोग के चेयरमैन सरदार मंजीत राय ने आश्वासन दिया कि किसी भी तरह की समस्या हो तो सिख परिवार संपर्क कर सकता है।

अल्पसंख्यक आयोग हर संभव मदद करने को तैयार है। उन्होंने कहा कि वह गृहमंत्री अमित शाह और अल्पसंख्यक मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी से सभी की बेहतरी के लिए बात भी करेंगे। सरदार मंजीत राय ने दिल्ली कमेटी व अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा का भी धन्यवाद किया जिन्होंने सिख भाइयों की रहने व लंगर की बहुत अच्छी व्यवस्था की है।

गुरु गोविंद सिंह हॉस्पिटल में 25 बेड का आइसोलेशन वार्ड शुरु

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 15 सितंबर। राजधानी में एक बार फिर से कोरोना की रफ्तार तेज हुई है और इसके बाद से राजधानी में सरकार के निर्देश पर टेस्टिंग भी तेज कर दी गई है. साथ ही अलगअलग अस्पतालों में कोविड 19 के लिए तैयारियां चल रही हैं. गुरु गोविंद सिंह अस्पताल में भी 25 बेड का आइसोलेशन वार्ड शुरू हो चुका है।

कोरोना की संख्या में एक बार फिर से तेजी के बाद लगातार सरकार भी सतर्क दिख रही है. भीड़भाड़ वाली जगहों पर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराने के लिए भी कोशिश की जा रही है. गुरु गोविंद सिंह अस्पताल में 25 बेड का आइसोलेशन वार्ड भी शुरू हो

गया. साथ ही यहां आने वाले मरीजों को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराने के साथसाथ मास्क के इस्तेमाल को लेकर भी असपताल प्रशासन पूरी तरह सतर्क है. पिछले कुछ दिनों में यह भी देखा गया है कि लोग सोशल डिस्टेंसिंग और मास्क को लेकर लापरवाही कर रहे हैं. इस लिहाज से अस्पताल के अंदर जहां ओपीडी में मरीज काफी संख्या में आते हैं. वहां पर डिजिटल स्क्रीन लगाया गया है, जहां कोविड19 की सारी जानकारी दिखाई जाती है. साथ ही अस्पताल के एक हिस्से में बनाए गए आइसोलेशन वार्ड में भी सिविल डिफेंस कर्मियों की तैनाती की जा रही है, ताकि वहां भर्ती मरीजों को किसी तरह की परेशानी न हो, साथ ही पूरे अस्पताल में सोशल डिस्टेंसिंग का अच्छे से पालन हो सके।

महिला हेल्पलाईन न.

डीएमआरसी–155370
सीआईएसएफ–22185555
दिल्ली पुलिस–1091
दिल्ली सरकार–181
कहीं भी–कभी भी–1090

समाचार एजेंसी
वेब वार्ता
पल-पल की खबर हर पल
समाचार एजेंसी का सदस्य बनने के लिए संपर्क करें
9650061234

एक नजर

कोविड के 'असामान्य समय' के कारण आरोपी को जमानत

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मादक पदार्थ से जुड़े एक मामले में आरोपी को यह कहते हुए जमानत दे दी कि कोविड19 महामारी का 'असामान्य समय' है। न्यायमूर्ति एस के कौल, न्यायमूर्ति अनिरूध बोस और न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी की तीन सदस्यीय पीठ ने कहा कि शीर्ष अदालत ने जेलों में से भीड़ को कम करने के लिए व्यक्तियों को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है जो सात साल तक की सजा के मामलों पर लागू होता है। शीर्ष अदालत ने कहा, 'हमने असामान्य समय का सामना किया है जहां कोविड की चुनौती व्याप्त है।' न्यायालय ने कहा, 'मामले के उक्त तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए, हम निचली अदालत की संतुष्टि के लिए शर्तों पर अपीलकर्ता को जमानत पर रिहा करना उचित मानते हैं।' याचिकाकर्ता शेरू की ओर से पेश हुए वकील ने दलील दी थी की आरोपी करीब आठ साल से हिरासत में है और मामले को प्राथमिकता देने के इस अदालत के निर्देशों के बावजूद मामला अबतक सुनवाई के चरण में नहीं पहुंचा है। एनडीपीएस अधिनियम की धारा 37 के कड़े प्रावधानों को देखते हुए अपील लंबित होने के दौरान ही अधिकांश अवधि गुजार लेने का सामान्य सिद्धांत सजा निलंबित करने ओर जमानत देने का आधार नहीं हो सकता।

चालू वित्त वर्ष में भारत के जीडीपी में 9 फीसदी की आयेगी गिरावट

नई दिल्ली । एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने चालू वित्त वर्ष में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में नौ फीसदी की गिरावट आने का अनुमान जताते हुये आज कहा कि कोरोना वायरस महामारी का भारतीय आर्थिक गतिविधियों ओर उपभोक्ताधारणा पर बहुत गंभीर प्रभाव पड़ा है। एडीबी ने एशियाई विकास परिदृष्य 2020 के आज जारी नई रिपोर्ट के हालांकि कहा है कि वर्ष 2021 में मोबिलिटी और कारोबारी गतिविधियों में तेजी आने से अर्थव्यवस्था में तीव्र सुधार होगा और भारतीय अर्थव्यवस्था आठ फीसदी की दर से बढ़ेगी। एडीबी के मुख्य अर्थशास्त्री यासुयुकी सवादा ने रिपोर्ट जारी करते हुये कहा कि भारत ने कोरोना से निपटने के लिए कठोर लॉकडाउन लागू किया और इसका अर्थव्यवस्था पर बहुत ही विपरीत प्रभाव हुआ। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी को नियंत्रित करने के लिए जांच में तेजी, कोरोना पीड़ितों की पहचान और उपचार की क्षमता बढ़ाने जैसे उपाय किये जाने की जरूरत है ताकि अगले वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था में सुधार हो सके। उन्होंने कहा कि भारत में अभी वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक कोरोना मरीज है। उन्होंने कहा कि सरकारी और निजी ऋण के स्तर को भी कम करने की जरूरत है क्योंकि इससे प्रौद्योगिकी और इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश प्रभावित हो रहा है और इससे आगे वित्तीय क्षेत्र कमजोर हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2020 में महंगाई में गिरावट आ सकती है। अगले वित्त वर्ष में महंगाई चार फीसदी पर आ सकती है।

प्रधानमंत्री मोदी के जीवन को जानना है तो देखिए प्रदर्शनी

भाजपा मुख्यालय में लगी पीएम के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 15 सितम्बर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जीवन काल पर आधारित एक प्रदर्शनी आज यहां भाजपा के राष्ट्रीय कार्यालय में शुरू हुई। इसका शुभारंभ भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने किया। इस प्रदर्शनी में पीएम मोदी के बचपन से लेकर अब तक के सफर को चित्र के जरिये दिखाया गया है। इसी तरह की 70 स्लाइड्स वाली प्रदर्शनी पार्टी के हर प्रदेश कार्यालयों में भी आयोजित की जा रही है। साथ ही जिला स्तर पर भी कई जगह प्रधानमंत्री की जीवनी पर इस तरह की प्रदर्शनी आयोजित की जायेगी। 17 सितम्बर को प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन है। वह 70 वर्ष के हो जाएंगे। भारतीय जनता पार्टी हर वर्ष 14 से 20 सितंबर तक %सेवा सप्ताह' मनाती है। इस अवसर पर वृक्षारोपण, ब्लड डोनेशन और स्वच्छता अभियान जैसे कई सेवा कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। प्रदर्शनी उद्घाटन करने के बाद बीजेपी अध्यक्ष जेपी नडडा ने कहा कि सेवा सप्ताह' के दौरान पार्टी की बूथ और मंडल इकाई से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक व्यापक सेवा कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इस के तहत अस्पताओं में फल वितरण, बच्चों को शिक्षा की दृष्टि से पुस्तकों का वितरण, बस्तियों में स्वच्छता अभियान, ब्लड डोनेशन, वृक्षारोपण,

बच्चों में फल वितरण, प्लाज्मा डोनेशन जैसे कार्य हाथ में लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी इस वर्ष 17 सितंबर को अपने जीवन के 70 वर्ष पूरे करने जा रहे हैं, इसलिए हर जिले में भारतीय जनता पार्टी 70 स्थानों पर सेवा सप्ताह मना रही है। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के जीवन का उद्देश्य ही रहा है चलो जीतें हैं और के लिए, मतलब समाज के लिए। उनके जीवन का एकएक पल और एकएक क्षण समाज के उत्थान के लिए ही समर्पित रहा है। साथ ही, उन्होंने समाज को एक नई दृष्टि और दिशा भी दी है। समाज के लिए जीने का उनका संकल्प मुख्यमंत्री अथवा प्रधानमंत्री बनने के बाद नहीं आया है, बल्कि यह बाल्यकाल से ही उनके जीवन का अभिन्न अंग रहा है और उनके वे विचार हमें प्रेरित करते आ रहे हैं।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के जीवन से हमारे करोड़ों कार्यकर्ता निरंतर प्रेरणा ले सकते हैं कि राजनीतिक क्षेत्र में काम करते हुए भी सामाजिक क्षेत्र में किस तरह काम किया जा सकता है और उसे प्रेरित किया जा सकता है। उनके नेतृत्व में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी की हर योजना का उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को विकास की मुख्यधारा में शामिल करना है चाहे वह आयुष्मान भारत योजना हो, उज्ज्वला योजना हो, किसान सम्मान निधि हो, जनधन योजना हो, गरीब कल्याण योजना हो या फिर आत्मनिर्भर भारत अभियान। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर, पार्टी उपाध्यक्ष श्याम जाजू, अरुण सिंह, महेंद्र पांडेय सरदार आर. पी. सिंह सहित कई वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारी उपस्थित थे।

यूजीसी नेट की परीक्षा अब 24 सितंबर से होगी

नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने यूजीसी नेट परीक्षा 2020 की तारीख आगे बढ़ाकर 24 सितंबर कर दी है। यह परीक्षा पहले 16 सितंबर से आयोजित की जानी थी। एनटीए ने नोटिस जारी कर कहा कि 16, 17, 22 और 23 सितंबर को दूसरी परीक्षाएं होने के कारण यूजीसी नेट की परीक्षा टाल दी गयी है। उन्होंने कहा कि यूजीसी नेट परीक्षा की तारीखें आईसीएआर परीक्षाओं एआईईईईयूजी/पीजी और एआईसीई जेआरएफ/एसआरएफ (पीएचडी) 202021 से टकरा रही थीं। ऐसे में यूजीसी नेट को रीशेड्यूल किया गया है। कुछ परीक्षार्थी आईसीएआर और यूजीसी नेट दोनों परीक्षाओं में बैठ रहे हैं। अब यूजीसी नेट 2020 परीक्षा 24 सितंबर से शुरू होंगी। उन्होंने कहा कि यूजीसी नेट का विषय और पाली के आधार पर शेड्यूल बाद में जारी कर दिया जाएगा।

ऑनलाइन रमी खेल पर रास में जताई चिंता, प्रतिबंध की मांग

(लोकेश निरवाल)

नई दिल्ली, 15 सितंबर। ऑनलाइन रमी खेल पर चिंता जाहिर करते हुए राज्यसभा में मंगलवार को सदस्यों ने मांग की कि इस पर तत्काल रोक लगाई जानी चाहिए क्योंकि ''आसानी से धन कमाने का यह तरीका'' बडी संख्या में युवाओं को अपने जाल में फंसा रहा है। उच्च सदन के सभापति एम वेंकैया नायडू ने इसे गंभीर चिंता का विषय बताते हुए कहा कि कानून मंत्री को इस ओर ध्यान देना चाहिए। भाजपा सदस्य के सी राममूर्ति ने विशेष उल्लेख के जरिये यह मुद्दा उठाते हुए कहा ''ऑनलाइन रमी का चलन बढ रहा है और बडी संख्या में युवा इसके शिकार हो रहे हैं।

इसके बेहद लुभावने विज्ञापन दिए जाते हैं और लोगों को जाल में फंसाया जाता है।'' उन्होंने कहा ''अपराधी गिरोह ऑनलाइन रमी से जुडे हैं और एक अनुमान के अनुसार, 200 करोड रुपये से अधिक का धंधा चल रहा है। आसानी से धन कमाने का सपना दिखा कर लोगों की खून पसीने की कमाई छीन ली जाती है।''

राममूर्ति ने कहा ''इन दिनों कोविड19 महामारी के कारण उत्पन्न हालात में यह खतरा भी अपना आकार बढा रहा है।

युवाओं के भविष्य को देखते हुए इस पर रोक लगाना जरूरी है।'' सभापति नायडू ने इसे गंभीर चिंता का विषय बताते हुए कहा ''वैसे तो यह राज्य सरकार का विषय है लेकिन इसकी गंभीरता को देखते हुए कानून मंत्री को इस ओर ध्यान देना चाहिए।''

उच्च सदन में बीजद के प्रसन्न आचार्य ने सिकलसेल बीमारी का मुद्दा विशेष उल्लेख के जरिए उठाया। उन्होंने कहा कि यह वंशानुगत बीमारी पूरे परिवार को तबाह कर देती है और सरकार को इस संबंध में उचित कदम उठाना चाहिए।

इसी पार्टी के सस्मित पात्रा ने विशेष उल्लेख के जरिये राष्ट्रीय राजधानी में ओडिया संस्कृति के प्रचार प्रसार के उद्देश्य से ग्रंथालय स्थापित करने के लिए केंद्र सरकार से जमीन दिए जाने की मांग की। शिवेसना के अनिल देसाई ने प्लेटफार्म टिकट के दाम बढाए जाने का मुद्दा विशेष उल्लेख के जरिये उठाया।

गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए कई योजनाएं शुरू

राजेन्द्र गौतम ने सेहत एवं पोषण साथी हेल्पलाइन नंबर का उद्घाटन किया

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 15 सितम्बर । दिल्ली के महिला एवं बाल विकास मंत्री राजेन्द्र पाल गौतम ने आज दिल्ली सचिवालय में हुए एक कार्यक्रम में दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग की स्वास्थ्य और पोषण के विषय में सूचना प्रदान करने वाली 'सेहत एवं पोषण साथी' नामक हेल्पलाइन नंबर का फोन करके उद्घाटन किया। इस हेल्पलाइन का मुख्य उद्देश्य यह बात सुनिश्चित करना है कि छह वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों को पोषण वाला आहार मिलें और नियमित टीकाकरण हो। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) के तहत सभी गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के खाते में सीधे पांच हजार रूपए की नकद राशि प्रोत्साहन स्वरूप प्रदान की जाती है। जबकि समेकित बाल विकास योजना (आईसीडीएस) के तहत पर्याप्त पोषण आहार देने के साथ उचित देखभाल की जाती है। गौतम ने हेल्पलाइन नंबर की शुरुआत करने के बाद कहा कि सरकार ने गर्भवती महिलाओं और छह वर्ष तक की आयु वाले बच्चों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं चलाई हुई हैं। ऐसे में, वास्तविक

चुनौती सही समय पर इन योजनाओं का लाभ लाभार्थियों तक पहुंचाने की है। अगर हम इन बाधाओं को पार करके वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंचने में सफल हो जाएं तो समाज की असंख्य महिलाओं और बच्चों के जीवन को सदा के लिए रोगमुक्त करके स्वस्थ बनाया जा सकता है। उन्होंने दिल्ली में महिलाओं और बच्चों में व्याप्त कुपोषण को घटाने और वर्ष 2022 तक कुपोषण की मौजूदा दर को आधे से भी कम करने के लक्ष्य को तय करने की बात कही।

इस अवसर पर दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष अनुराग कुंडू ने अपने आंगनवाड़ी क्षेत्र के अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि कैसे बचपन से ही आंगनवाड़ियां परिवर्तनकारी हो सकती है। उन्होंने अफसोस जताया कि शिक्षा प्रणाली में स्कूल स्तर पर आने वाली समस्याएं जैसे बच्चों के सीखने समझने की धीमी और बीच में पढ़ाई छोड़ने का असली कारण आरंभिक वर्षों में मस्तिष्क के विकास, जो कि पोषणकारी आहार और सुखद अनुभवों से जुड़ा हुआ है, से संबंधित है। उन्होंने इस हेल्पलाइन के काम करने के बारे में बताया कि सेवा का लाभ लेने वाले को 011 41193903 टेलीफोन नंबर पर एक मिस कॉल देनी होगी। उस मिस काल के बाद सलाहकार (काउंसलर) फोन करने वाले के नंबर पर दोबारा फोन करके उसके और घर के विवरण को सत्यापित करने के उपरांत समस्या का समाधान के विषय में जानकारी देगा। यह हेल्पलाइन (01141193903) इंडस एक्शन नामक एक गैर सरकारी संगठन के सहयोग से चौबीस घंटे उपलब्ध होगी। इस हेल्पलाइन नंबर पर एक बार मिस नंबर आने के दो दिनों के भीतर दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग की टोली फोन करने वाले व्यक्ति से संपर्क करके शिकायत को दर्ज करने के बाद उसको सुलझाएंगी।

प्याज के निर्यात पर लगी रोक कीमतों में नरमी की उम्मीद

नई दिल्ली, 15 सितंबर (वेबवार्ता)। प्याज के दाम में हो रही वृद्धि को देखते हुए केंद्र सरकार ने प्याज की सभी वेरायटी के निर्यात पर रोक लगा दी है। प्याज के निर्यात पर रोक लगने से आगे कीमतों में नरमी की उम्मीद की जा सकती है। बताया जाता है कि कोरोना काल में देश से प्याज का निर्यात काफी बढ़ गया था जिससे घरेलू आपूर्ति में कमी के चलते कीमतों में इजाफा हुआ है। देश की राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में इस समय खुदरा प्याज 40 रुपये प्रति किलो के ऊपर बिक रहा है। वहीं आजादपुर थोक मंडी में सोमवार को प्याज का भाव 13.75 रुपये से लेकर 27.50 रुपये प्रति किलो था। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत आने वाले विदेश व्यापार महानिदेशालय की ओर से सोमवार को जारी एक अधिसूचना के मुताबिक, प्याज की सभी वेरायटी के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। अधिसूचना में कहा गया है कि ट्रांजिशनल एग्रीमेंट के प्रावधान इस अधिसूचना के तहत लागू नहीं होगा। जानकार बताते हैं कि कोरोना काल में अप्रैल से जुलाई के दौरान प्याज का निर्यात पिछले साल के मुकाबले करीब 30 फीसदी ज्यादा हुआ जिससे देश में प्याज की आपूर्ति में आगे कमी की आशंका से दाम में इजाफा हुआ है क्योंकि दक्षिण भारत में भारी बारिश के कारण प्याज की फसल खराब हो गई है। आजादपुर मंडी पोटैटो ऑनियन मर्चेंट एसोसिएशन यानी पोमा के जनरल सेक्रेटरी राजेंद्र शर्मा ने कहा कि निर्यात प्रतिबंध अच्छा फैसला है इससे प्याज के दाम में वृद्धि पर विराम लगेगा। शर्मा ने कहा कि दक्षिण भारत में प्याज की फसल खराब होने से आपूर्ति में कमी का संकट बना हुआ है ।

'आप' संसद में खेती ऑर्डिनेंस बिल का करेगी विरोध

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 15 सितंबर। आम आदमी पार्टी (आप) ने खेती ऑर्डिनेंस बिल के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कल आप बिल का संसद में विरोध करेगी। आप की पंजाब इकाई के अध्यक्ष व सांसद भगवंत मान ने यह बात कही। सांसद भगवंत मान और तिलक नगर से विधायक जरनैल सिंह ने मंगलवार को पत्रकार वार्ता में केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार में शामिल शिरोमणि अकाली दल के कृषि अध्यादेशों को लेकर जमकर हमला बोला। इसके साथ ही कांग्रेस पर मिलीभगत का आरोप लगाया। जरनैल सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा किसानों की जिंदगी मुश्किल करने के लिए जो खेती ऑर्डिनेंस लाया गया है, वो बहुत ही निराशाजनक है। उन्होंने कहा कि पंजाब में किसानों ने कई बार शिरोमणि अकाली दल को वोट दिया लेकिन जब किसानों के हितों की रक्षा की बात आई तो उनके हक में शिरोमणि दल ने 4 वोट नहीं डाले।

सांसद भगवंत मान ने बताया कि कल संसद में खेती ऑर्डिनेंस बिल पेश किया गया। ये बिल एग्रीकल्चर को प्राइवेट सेक्टर के हाथों में देने के लिए लाया गया है, जिससे गेंहू और धान की एमएसपी खत्म हो जाएगी। उन्होंने बताया कि जीडीपी इस बार 23.9 प्रतिशत गिरी है। सारे सेक्टर में बस खेती सेक्टर ऐसा है जो पॉजिटिव है। उन्होंने आरोप लगाते हुए सवालिया लहजे में कहा कि आप उसे भी बेच रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब कैबिनेट में बिल पेश किया गया तो कुर्सी बचाने के लिए केन्द्रीय मंत्री हरसिमरत बादल द्वारा विरोध नहीं किया गया। पंजाब के मुख्यमंत्री भी इस बिल को लाने वाली कमिटी में शामिल थे। अकाली दलकांग्रेस दोनों किसानों को गुमराह कर रही हैं। कल आम आदमी पार्टी इस बिल का संसद में जबरदस्त विरोध करेगी। मान ने कहा कि पार्टी की कोर कमेटी की बैठक में यह तथ्य भी उजागर हुआ है कि 'कुर्सी बनाम किसानी' में से एक चुनने की कशमकश में उलझे शिअद के अन्य नेताओं की बेचैनी खुल कर बाहर आ गई है।

सर्दियों में दिल्ली में उच्च प्रदूषण से निपटने के लिए कार्ययोजना सौंपे: गोपाल राय

नई दिल्ली, 15 सितंबर । दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने मंगलवार को अपने विभाग और दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण कमेटी के वरिष्ठ अधिकारियों से कहा कि वे सर्दियों में उच्च वायु प्रदूषण स्तर से निपटने के लिए 21 सितंबर तक एक कार्य योजना प्रस्तुत करें। अधिकारियों ने कहा कि मंत्री ने उनसे कहा कि वे कार्य योजना तैयार करते हुए सर्दियों में खराब वायु गुणवत्ता के कारण भी उल्लेखित करें। एक अधिकारी ने कहा, ''सर्दियों में दिल्ली की खराब वायु गुणवत्ता के लिए पराली जलाये जाने, सड़क पर धूल, निर्माण गतिविधियों, अपशिष्ट जलने, औद्योगिक एवं वाहनों के उत्सर्जन को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। मंत्री ने कहा कि प्रत्येक समस्या के लिए एक विशिष्ट योजना होनी चाहिए। कार्य योजना 21 सितंबर तक प्रस्तुत की जानी है।'' राय ने जैवचिकित्सा अपशिष्ट निस्तारण और प्रदूषण से संबंधित शिकायतों के निवारण के तरीकों पर अधिकारियों के साथ चर्चा की।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, पंजाब और हरियाणा में किसानों द्वारा पराली जलाया जाना पिछले साल दिल्ली में वायु प्रदूषण के लिए काफी हद तक जिम्मेदार था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार पिछले साल, पंजाब में लगभग दो करोड़ टन धान की पराली में से किसानों ने 98 लाख टन जला दी थी। इसी तरह, हरियाणा में पिछले साल 70 लाख टन पराली में से 12.3 लाख टन पराली जलायी गई थी।

दिल्ली: शांति व सद्भाव समिति के सामने पेश नहीं हुए फेसबुक इंडिया के उपाध्यक्ष

नई दिल्ली, 15 सितंबर (वेबवार्ता)। फेसबुक इंडिया के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक अजीत मोहन मंगलवार को दिल्ली विधानसभा की शांति एवं सद्भाव समिति के सामने नहीं पेश हुए। समिति ने दिल्ली दंगों में फेसबुक की भूमिका पर सवाल खड़ा करते हुए उन्हें 15 सितम्बर को समिति के सामने पेश होने के लिए नोटिस भेजा था। जोकि आज समिति के सामने पेश नहीं हुए, जिस पर फेसबुक ने अपना जवाब पत्र के माध्यम से भेजा है। कमेटी के चेयरमैन राघव चड्ढा के मंगलवार को बैठक में बताया कि मोटे तौर पर फेसबुक ने पत्र के माध्यम से कहा कि यह मामला संसद की एक समिति के आगे विचाराधीन है वहां फेसबुक के आला अधिकारी उपस्थित हुए हैं, इसलिए इस मामले पर दिल्ली विधानसभा की शांति व सद्भाव समिति को नहीं आना चाहिए। फेसबुक ने अपने जवाब यह भी कहा है कि यह मामला कानून व्यवस्था का है और संसद द्वारा पारित आईटी एक्ट का मामला है इसलिए समिति को इस मामले में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। राघव चड्ढा ने कहा कि इस तरह से फेसबुक द्वारा समिति के सामने पेश न होना यह समिति के साथसाथ दिल्ली विधानसभा की तौहीन है। इसलिए समिति एक और मौका देती है और फेसबुक को समिति के सामने उपस्थित होने के लिए नोटिस भेजेगी। उन्होंने कहा कि समिति के सामने पेश न होना बताता है कि चोर की दाढ़ी में तिनका है। अगर फिर भी वह उपस्थित नहीं होंगे तो समिति अपनी शक्तियों का प्रयोग करेगी। उल्लेखनीय है कि दिल्ली विधानसभा की शांति व सद्भाव समिति ने दिल्ली दंगों में फेसबुक की भूमिका पर सवाल खड़ा किया है। समिति ने 15 सितम्बर को होने वाली कार्यवाही में फेसबुक इंडिया के उपाध्यक्ष व प्रबंध निदेशक अजीत मोहन को उपस्थित रहने के लिए नोटिस भेजा था। कमेटी के चेयरमैन राघव चड्ढा की अध्यक्षता वाली शांति व सद्भाव समिति ने फरवरी में हुए दिल्ली दंगों के लिए फेसबुक को भी जिम्मेदार ठहराया है। समिति का कहना है कि फेसबुक ने सत्तापक्ष से जुड़े लोगों के तीखे व समाज में वैमनस्य फैलाने वाले बयानों एवं लिखित टिप्पणियों को नजरअंदाज किया है। समिति ने 15 सितम्बर को होने वाली पूरी कार्यवाही का सीधा प्रसारण करने का फैसला किया है ताकि इसकी पारदर्शिता को सुनिश्चित किया जा सके।

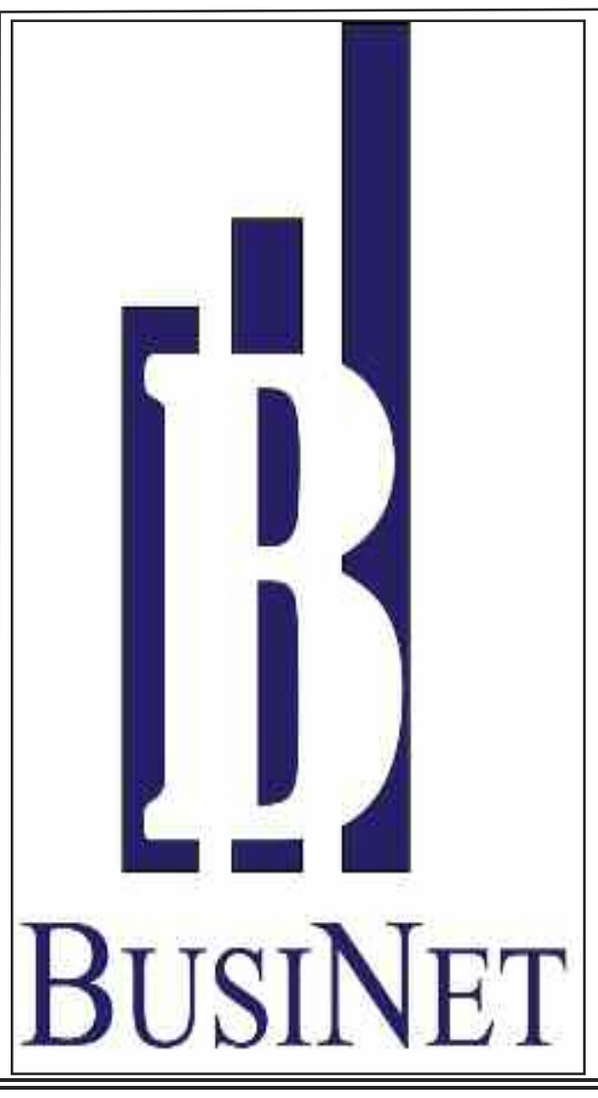

संपादकीय

राफेल विमान में लड़ने के साथ-साथ क्षेत्र में शांति कायम रखने की क्षमता भी है

पिछले दिनों फ्रांस से भारत आए पांचों राफेल आखिरकार 10 सितम्बर को औपचारिक रूप से वायुसेना की 17वीं स्क्वाड्रन 'गोल्डन ऐरो' में शामिल होकर भारतीय वायुसेना का अहम हिस्सा बन गए हैं और अब किसी भी मोर्चे पर तैनात होने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस समय भारत पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ गंभीर सीमा विवाद में उलझा है और ऐसे में दुनिया के बेहतरीन लड़ाकू विमानों राफेल के वायुसेना में शामिल होने से भारत की वायुशक्ति की क्षमता को बेमिसाल मजबूती मिली है। फ्लाईपास्ट के दौरान भारतीय वायुसेना के बाहुबली राफेल ने दुश्मनों को अपनी ताकत का अहसास कराते हुए दिखाया कि वह न केवल तेज गति से उड़ान भरकर दुश्मनों पर टूट सकता है बल्कि कम स्पीड में भी उड़ान भर सकता है। पूर्व वायुसेना प्रमुख बीएस धनोआ के अनुसार राफेल ने वायुसेना को हमारे विरोधियों पर जबरदस्त बढ़त दी है।

अम्बाला एयरबेस पर राफेल के राजतिलक समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के अलावा फ्रांसीसी रक्षा मंत्री फ्लोरेंस पार्ले, सीडीएस बिपिन रावत, एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया सहित कई बड़े अधिकारी शामिल थे। इस अवसर पर राफेल की विशेषताओं के बारे में फ्रांसीसी रक्षामंत्री फ्लोरेंस पार्ले का कहना था कि राफेल को 'हवा का झोंका' कह सकते हैं लेकिन युद्ध के मैदान में इसका मतलब आग बरसाने वाला है। समारोह में राजनाथ सिंह ने चीन से तनाव के दौर में चेतावनी भरे दो टूक शब्दों में कहा कि वायुसेना में राफेल का शामिल होना पूरी दुनिया को एक बड़ा और कड़ा संदेश है, खासकर उनके लिए, जो हमारी सम्प्रभुता पर नजर रखते हैं। उनके मुताबिक चीन से तनाव को देखते हुए राफेल लड़ाकू विमानों को सूचना मिलने पर बेहद कम समय में ही वहां तैनात किया जा सकता है। रक्षा मंत्री के अनुसार भारत की जिम्मेदारी उसकी क्षेत्रीय सीमा तक ही सीमित नहीं है बल्कि वह हिंदप्रशांत और हिंद महासागर क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा के लिए भी प्रतिबद्ध है। ये दोनों क्षेत्र वही हैं, जहां चीन अपनी सैन्य आक्रामकता बढ़ा रहा है।

राफेल को भारतीय वायुसेना के लिए इसलिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि यह क्षेत्र में शक्ति संतुलन को बदलने की अद्भुत ताकत रखने वाला लड़ाकू विमान है। दरअसल रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक ऐसी दक्षता और बेजोड़ इलैक्ट्रॉनिक युद्धक प्रणाली वाले विमान किसी भी पड़ोसी देश के पास नहीं हैं। राफेल चीन के बहुचर्चित लड़ाकू विमान जे20 से भी कई कदम आगे है। पाकिस्तान का एफ16 भी राफेल के सामने कहीं नहीं ठहरता। रक्षा विशेषज्ञ कहते हैं कि इनकी तुलना राफेल से नहीं की जा सकती क्योंकि राफेल विमान इन लड़ाकू विमानों की तुलना में ज्यादा दक्ष हैं। चीनी जे20 का मुख्य कार्य स्टील्थ फाइटर का है जबकि राफेल को कई कार्यों में लगाया जा सकता है। हैमर मिसाइलों से लैस राफेल ओमनीरोल विमान है अर्थात् यह एक बार में कम से कम चार मिशन कर सकता है। जे20 की बेसिक रेंज 1200 किलोमीटर है, जिसे 2700 किलोमीटर तक बढ़ाया जा सकता है। करीब 35 हजार वजनी जे20 की लंबाई 20.5 मीटर, ऊंचाई 4.45 मीटर और विंगस्पैन 12.8813.50 मीटर के बीच है अर्थात् यह राफेल से बड़ा और भारी है। राफेल की लम्बाई 15.3 मीटर और ऊंचाई 5.3 मीटर है जबकि इसके विंग्स की लम्बाई 10.9 मीटर है। राफेल की मारक क्षमता 3700 किलोमीटर तक है। पाकिस्तान के पास मौजूद जेएफ17 में चीन ने पीएफ15 मिसाइलें जोड़ी हैं लेकिन फिर भी यह राफेल के मुकाबले में कमजोर है। राफेल का सबसे खतरनाक हथियार है स्कैल्प पीएल15 एमराम मिसाइल, जो 300 किलोमीटर तक हमला कर सकती है। हालांकि पाकिस्तान के एफ16 में एमराम मिसाइलें लगी हैं लेकिन वे केवल 100 किलोमीटर तक ही हमला कर सकती हैं।

महिला हेल्पाइन

डीएमआरसी	155370
सीआईएसएफ	22185555
दिल्ली पुलिस	1091
दिल्ली सरकार	181
कहीं भी कभी भी	1090

हिंदी दैनिक वूमेन एक्सप्रेस

खबर एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
चेम्बर नंबर-302, वधवा बिजनेस सेंटर, डी-288-89/10,
नियर लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टैशन गेट नंबर -1,
विकास मार्ग, नई दिल्ली - 110092
मोबाइल : 07042999974/ 09013518518
प्रधान संपादक : खुशबू पाण्डेय
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा
राजनीतिक संपादक : नीता बुधौलिया
विज्ञापन प्रबंधक : रिजवाना नसीम
कानूनी सलाहकार : लख़मी चन्द
www.womenexpress.in
Email : thewomenexpress@gmail.com

इंदौर कार्यालय

102 , राजानी भवन , हाई कोर्ट के सामने,एम् ,जी रोड , इंदौर (मध्यप्रदेश)
रजनी खेतान (ब्यूरो चीफ)
मोबाइल : 08770587699, 09826024018

इलाहाबाद कार्यालय

17/33, महात्मा गांधी मार्ग
(माया बाजार) सिविल लाइनस।
फोन : 05322560285
09415215390
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा

चीन को लेकर सतर्क रहने की जरूरत

चीन अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। वो लगातार ऐसे प्रयास कर रहा है जिससे एलएसी पर तनाव बरकरार रहे। भारतीय सैनिक भी चीन की सेना को उसी की भाषा में जवाब दे रहे हैं। लेकिन जिस तरह से चीन पिछले कुछ महीनों से व्यवहार कर रहा है, वो वाकया ही चिंता बढ़ाने वाला है। पाकिस्तान तो पिछले काफी सालों से हमारे देश में अस्थिरता फैलाने की कोशिशों में लगा हुआ है। अब चीन भी पाकिस्तान के तरह सिरदर्द बनता जा रहा है। हाल फिलहाल दोनों ओर से बातचीत का रास्ता खुला है। बातचीत के दौर जारी हैं। बहरहाल दोनों पक्षों के विदेश मंत्री कमोबेश इस निष्कर्ष पर तो पहुंचे कि साझा बयान देना चाहिए और समझौता ऐसा होना चाहिए, ताकि एलएसी पर दोनों सेनाएं पीछे हटना शुरू करें। मंत्री स्तर के संवाद का ही निष्कर्ष हैपांच सूत्रीय करार। लेकिन अभी यह सवालिया है। हालांकि ऐसे समझौते उम्मीद जगाते हैं कि हालात शांत होंगे और लगातार संवाद के आधार पर सहमतियां बनेंगी। क्या इस समझौते से कोई बर्फ पिघलेगी और सर्दियां शुरू होने से पहले ही सेनाएं पीछे हटना शुरू करेंगी? इसमें कोई दो राय नहीं है कि चीन विश्व की बड़ी शक्ति है, लेकिन हाल के वर्षों में भारत भी हर क्षेत्र में आगे आया है। इसलिए आज वह चीनी सेना से टकराने का साहस दिखाता है और आर्थिक मोर्चे पर उसके बहिष्कार की हिम्मत जुटा पाता है। इसीलिये चीन चाहे जितनी धमकी और धौंस देता रहे किन्तु उसकी समझ में ये बात आ चुकी है कि भारत के साथ टकराव से उसे भी बड़ा नुकसान होगा और इसीलिये वह सीमा पर शरारत करते रहने के बावजूद वार्ता के लिए लालायित है। 1962 में चीन ने दोस्ती की आड़ में धोखा देकर हमला किया और हमारी हजारों वर्गमील जमीन पर कब्जा ली। बाद में उसने पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर का अक्साई चिन इलाका भी बतौर उपहार ले लिया। उसके बाद भी भारत और चीन के बीच सीमा विवाद के बावजूद सामान्य सम्बन्ध बने रहे। और फिर वैश्विक अर्थव्यवस्था विकसित होने के बाद आर्थिक सम्बन्ध इस तेजी से विकसित होते गये कि सीमा विवाद मानो भुला सा दिया गया। हालांकि बीचबीच में चीन अपने स्वभाव के मुताबिक शरारतें जारी रही।

भारतीय अर्थव्यवस्था पर चीन की छाया इतनी व्यापक हो गई कि पूरा बाजार मेड इन चायना से भर गया। इसका दुष्प्रभाव घरेलू उद्योगों पर पड़ने के बावजूद भारत ने चीन से आयात पर किसी तरह की रोक नहीं लगाई। यहां तक कि नरेंद्र मोदी तक चीन के साथ इकतरफा व्यापार को रोकने की हिम्मत नहीं जुटा पाए। चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग से उनकी दोस्ती बड़ी राजनायिक कामयाबी मानी गई। लेकिन चीन कश्मीर और आतंकवाद के मसले पर सदैव पाकिस्तान की तरफदारी करता रहा। और फिर आ गया कोरोना जिसके बाद पूरी दुनिया उसे खलनायक मान बैठी। भारत में भी ये मानने वाले कम नहीं हैं कि दुनिया को इस महामारी के चंगुल में फंसाने वाला चीन ही है फिर भी उसके साथ व्यापारिक रिश्ते बरकरार रखते हुए कोरोना संबंधी अनेक उपकरण और बचाव के साधन वहां से मंगाए गये। लेकिन वैश्विक महामारी के इस दौर का लाभ लेकर उसने लद्दाख क्षेत्र में घुसपैठ कर दशकों से शांत पड़ी वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैन्य हलचल बढ़ा दी। परन्तु इस बार उसे भारत से जो जवाब मिला उसके कारण वह न सिर्फ चैंका बल्कि शर्मिन्दगी का शिकार भी हुआ।

दो देशों के बीच मित्रता और शत्रुता दोनों के समय यदि कोई बात कायम रहती है तो वह कूटनीति ही है। अनेक उदाहरण हैं जब सेनाओं के बीच घमासान चलता रहता है वहीं सरकार के स्तर पर राजनयिक वार्ताओं के जरिये शान्ति की कोशिश भी जारी रहती हैं। वास्तव में धोखा चीन के खून में शामिल है। बीते दिनों मास्को में एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के हाशिए पर भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच करीब 2.30 घंटे तक बातचीत हुई। ऐसे संवाद सुखद और सकारात्मक होते हैं, क्योंकि युद्ध के बाद भी बातचीत की मेज पर आना पड़ता है। मौजूदा तनाव तब है, जब भारत के प्रधानमंत्री मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग बीते 6 साल के दौरान 18 बार मुलाकातें कर चुके हैं। जाहिर है कि सीमा विवाद और सेना के आक्रामक अतिक्रमण पर बातचीत जरूर हुई होगी! भारत और चीन के बीच पहली बार समझौता नहीं हुआ है या किसी प्रस्ताव पर शीर्ष स्तरीय सहमति नहीं हुई है। बीते तीन दशकों के दौरान कमोबेश आधा दर्जन समझौते प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के स्तर पर किए गए हैं। भारत के प्रधानमंत्री रहे पीवी नरसिंह राव, देवगौड़ा, अटलबिहारी वाजपेयी और डा. मनमोहन सिंह ने चीन के तत्कालीन राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री के साथ समझौते किए, ताकि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति और स्थिरता कायम रखी जा सके। किसी भी स्थिति में युद्ध की नौबत न आ सके। उन समझौतों के बावजूद पूर्वी लद्दाख वाली एलएसी पर युद्ध सरीखा माहौल और तनाव है।

अब यह देखना अहम होगा कि यह पांचसूत्रीय समझौता जमीन पर कब और कैसे लागू होगा। अभी तो दोनों ओर की सेनाएं मुस्तैदी से मोर्चे पर डटी हैं। पैंगोंग और गोगरा तथा फिंगर इलाकों से चीनी सेना हटने से इंकार कर रही है। चीन के लड़ाकू विमान लगातार युद्धाभ्यास कर रहे हैं। कैलाश मानसरोवर के पुराने रास्ते पर हमारा कब्जा हो गया है, जबकि 1962 के युद्ध के बाद से चीन का लगातार कब्जा रहा है, लिहाजा चीन क्षुब्ध है। सेटेलाइट तस्वीरों से साफ हो रहा है कि ब्लैक टॉप, हेलमेट टॉप, गुरंग हिल, मगर हिल आदि चोटियों पर भारतीय सेना का ही कब्जा नहीं रहा है, बल्कि एक हिस्से पर चीन भी काबिज हो गया है। दोनों पक्षों में कमांडर स्तर की बातचीत भी होनी है, ताकि पांचसूत्रीय करार को लागू करने की शुरुआत की जा सके।

पिछले दिनों चीनी सैनिकों ने पूर्वी लद्दाख में नये सिरे से घुसपैठ की, जिसका मुंहतोड़ जवाब भारतीय सैनिकों ने चीनी सैनिकों को खदेड़ कर दिया था। भारतीय सैनिकों ने सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण दक्षिणी पैंगोंग झील के निकट के ठिकानों पर कब्जा करके चीन के मंसूबे ध्वस्त कर दिये थे। बहरहाल, वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन का बड़ा सैन्य जमावड़ा आक्रामक मुद्राएं सशस्त्र संघर्ष की स्थितियां पैदा कर सकती हैं। भारतीय सैनिकों का मनोबल ऊंचा है। लेकिन ऐसे वक्त में जब देश बड़े कोरोना संकट से जूझ रहा है, सैन्य संघर्ष देशहित में नहीं होगा। समझौतों और सहमतियों से पीछे हटना चीन का स्वभाव है।

असल में चीन इस मुगालते में है कि भारत के पास कोई विकल्प नहीं है, बल्कि उसे जमीन पर नए तथ्यों को स्वीकार करना पड़ेगा। भारत इसके लिए तैयार नहीं है। भारत यथास्थिति की लगातार मांग करता रहा है। पड़ोसी होने के नाते चीन समझे कि द्विपक्षीय वार्ता से ही सीमा के मुद्दे सुलझाये जा सकते हैं। वहीं भारत में चीनी निवेशकों के लिये पैदा हुई प्रतिकूल परिस्थितियां चीन के आर्थिक हितों के लिये एक बड़ी चुनौती है, जिसे चीन बखूबी महसूस कर रहा है। बहरहाल हमें कुछ दिन सब्र से इंतजार करना चाहिए कि चीनी सेना अपने विदेश मंत्री के वचनों को कितना आदर करती है। वैसे अब तक चीन को जो व्यवहार हमारे प्रति रहा है, उसके हर कदम और समझौते पर फूंकफूंककर कदम रखना ही समझदारी होगा, भले ही चीन अपने व्यापारिक हितों को बचाने के लिये वार्ता या सहमति के किसी स्तर पर उतर आए, लेकिन उससे पर पूरा विश्वास करना स्वयं को धोखा देना ही माना जाएगा।

राजेश माहेश्वरी
लखनऊ (उत्तर प्रदेश)।
www.womenexpress.in

सभ्य समाज में ऐसी राजनीति स्वीकार्य नहीं

महाराष्ट्र की राजनीति में इस वक्त भूचाल आया हुआ है। जिस प्रकार से बीएमसी ने अवैध बताते हुए नोटिस देने के 24 घंटो के भीतर ही एक अभिनेत्री के दफ्तर पर बुलडोजर चलाया और अपने इस कारनामे के लिए कोर्ट में मुंह की भी खाई उससे राज्य सरकार के लिए भी एक असहज स्थिति उत्पन्न हो गई है। इससे बचने के लिए भले ही शिवसेना कहे कि यह बीएमसी का कार्यक्षेत्र है और सरकार का उससे कोई लेना देना नहीं है लेकिन उस दफ्तर को तोड़ने की टाइमिंग इस बयान में फिट नहीं बैठ रही। क्योंकि बीएमसी द्वारा इस कृत्य को ऐसे समय में अंजाम दिया गया है जब कुछ समय से उस अभिनेत्री और शिवसेना के एक नेता के बीच जुबानी जंग चल रही थी। लेकिन उससे भी महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि पूरी मुंबई अवैध निर्माण अतिक्रमण और जर्जर इमारतों से त्रस्त है। अतिक्रमण की बात करें तो चाहे मुंबई के फुटपाथ हों चाहे पार्क कहाँ अतिक्रमण नहीं है? और जर्जर इमारतों की बात करें तो अभी लगभग दो महीने पहले ही मुंबई में दो जर्जर इमारतों के गिरने से कई लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा और कितने ही घायल हो गए। बरसात के मौसम में मुंबई का डूबना तो अब खबर भी नहीं बनती लोग इसके आदि हो चुके हैं। फिर भी कोरोना काल और मानसून के इस मौसम में एक विशेष बिल्डिंग के निर्माण में कानून के पालन को निश्चित करने में बीएमसी की तत्परता ने पूरे देश को आकर्षित कर दिया।

दरअसल यहाँ बात एक अभिनेत्री की नहीं बल्कि बात इस देश के किसी भी नागरिक के संवैधानिक अधिकारों की है। बात किसी तथाकथित अवैध निर्माण को गिरा देने की नहीं है बल्कि बात तो सरकार की अपने देशवासियों के प्रति दायित्वों की है। हमारे यहाँ कहा जाता है, प्रजासुखे सुखं राज्ञः प्रजानां तु हिते हितं। अर्थात प्रजा के सुख में राजा का सुख है प्रजा के हित में राजा का हित है।

भारत एक ऐसा देश है जो सदियों गुलामी की जंजीरों में जकड़ा रहा और जिसकी पीढ़ियों ने इस आज़ादी के लिए संघर्ष किया। आज जब उस आज़ाद देश में एक ऐसा अपराधी जो मोस्ट वांटेड है उसकी प्रॉपर्टी सीना ताने खड़ी रहती है लेकिन एक टैक्सपेयर की बिल्डिंग तोड़ दी जाती है। जब कोर्ट द्वारा उस अपराधी की 80 साल पुरानी जर्जर एवं अवैध बिल्डिंग को नेस्तनाबूद करने के एक साल पुराने आदेश के बावजूद मानसून का हवाला देकर उसे हाथ तक नहीं लगाया जाता। जब 30 सितंबर तक कोरोना के चलते किसी भी तोड़ फोड़ पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोक लगाई जाने के बावजूद एक

महिला की बिल्डिंग पर बुलडोजर चला दिया जाता है। जब सरकार विरोधी रिपोर्टिंग करने के कारण कुछ पत्रकारों को जेल में डाल दिया जाता है।जब सोशल मीडिया पर सरकार विरोधी कुछ सामग्री पोस्ट करने के कारण किसी दल विशेष के कार्यकर्ता एक पुर्व नौसेना अधिकारी पर हिंसक आक्रमण करते हैं। तो एक आम आदमी की नज़र में अभिव्यक्ति की आज़ादी, लोकतांत्रिक मूल्यों, संविधान के प्रति आस्था, न्यायालय के आदेशों का सम्मान जैसे शब्दों की नींव ही हिल जाती है। आज जब उस देश में एक महिला के लिए सत्तारूढ़ दल के एक नेता द्वारा आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया जाता है तो जिन महिला अधिकारों महिला सशक्तिकरण महिला अस्मिता जैसे शब्दों का प्रयोग तथाकथित लिबरलस द्वारा किया जाता है उन शब्दों का खोखलापन उभर कर सामने आ जाता है। राजनैतिक दृष्टि से भी महाराष्ट्र सरकार द्वारा उठाए जा रहे यह कदम अपरिपक्वता ही दर्शाते हैं। क्योंकि कंगना को भी पूरी तरह सही नहीं कहा जा सकता। जिस प्रकार की भाषा और जिन तेवरों का प्रयोग वो महाराष्ट्र और वहाँ की सरकार के लिए लगातार कर रही थीं वो निश्चित ही अपमानजनक थे। हो सकता है वो जानबूझकर किसी मकसद से ऐसा कर रही हों। लेकिन सत्ता में रहते हुए गुंडागर्दी करना किसी भी परिस्थिति में जायज नहीं ठहराए जा सकते।महाराष्ट्र सरकार की गलती यही रही कि वो कंगना की चाल में फंस गई और कंगना ने पब्लिक की सहानुभूति हासिल कर ली। जबकि महाराष्ट्र सरकार अगर राजनैतिक दूरदृष्टि और समझ रखती तो कंगना की इस राजनीति का जवाब राजनीति से देती अपशब्दों और हिंसा से नहीं। इस प्रकार की हरकतों से शिवसेना ने अपना कितना नुकसान किया है उसे शायद अंदाज़ा भी नहीं है। कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बनाना, सुशांत केस में महाराष्ट्र पुलिस की कार्यशैली, और अब कंगना के बयानों पर हिंसक प्रतिक्रिया। कहते हैं लोकतंत्र में जनभावनाओं को समझना ही जीत की कुंजी होती है लेकिन शिवसेना लगातार अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार रही है। 1966 में बनी एक पार्टी जिसकी पहचान आजतक केवल एक क्षेत्रीय दल के रूप में है। वो पार्टी जो अपने ही गढ़ महाराष्ट्र में भी एक अल्पमत की सरकार चला रही है। ऐसी पार्टी जो आजतक महाराष्ट्र से बाहर अपनी जमीन नहीं खड़ी कर पाई। एक ऐसी पार्टी जिसकी लोकसभा में उपस्थित मात्र 3.3त्न है, अपनी इन हरकतों से कहीं महाराष्ट्र में भी अपनी बची कुची जमीन ना गंवा बैठे।

डॉ नीलम महेंद्र
लेखिका वरिष्ठ स्तंभकार हैं।
www.womenexpress.in

जाग उठो इन्सान!

एक दिन मेरे मित्र ने पूछा;
मित्र, कहो क्या कहते हो,
छोटी सी नौकरी तुम्हारी,
फिर भी, खुश रहते हो?
मैं रहता हूं एक बंगले में,
लम्बा चौड़ा है व्यवसाय,
सौ मनुष्य को पाल सकूं मैं,
हो जाती है, इतनी आय !
जीना मेरा कठिन हो रहा,
मेरे नाम दर्ज अपराध,
तुम स्वच्छंद विचरण करते हो,
गली मोहल्लों में निर्बाध!
मैंने कहा मित्र, दो ध्यान!
किया करो सबका सम्मान!
मानव होकर मानवता की,
कभी न करना तुम अपमान!
सबको लेकर साथ चलो अब,
समय सदा होता बलवान,
मैत्री भाव से, सबको देखो,
जाग उठो इन्सान!

पद्म मुख पंडा
रायगढ़, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

कितने दूध के धुले हैं उमर खालिद

दिल्ली में इसी साल फरवरी में भड़काए गए दंगों के सिलसिले में दिल्ली पुलिस ने जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू)के पूर्व छात्र नेता उमर खालिद को अन्ततः गिरफ्तार कर ही लिया है। यह गिरफ्तारी गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) कानून के तहत की गई है। खालिद को 11 घंटे लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया । उमर खालिद पर आरोप है कि वे एक खास वर्ग के लोगों को सड़कों को गैरकानूनी जाम करने का उस दिन आहवान कर रहे थे, जिस दिन अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दिल्ली में थे। यह बात 24 फरवरी की है।

दरअसल, संशोधित नागरिकता कानून (सीएए)के विरोधी और समर्थकों के बीच हिंसा के बाद उत्तर पूर्वी दिल्ली में सांप्रदायिक दंगे भड़क गए थे या सुनियोजित ढंग से भड़का दिए गये थे । उसके बाद जो कुछ भी हुआ उससे सारा देशदुनिया तो वाकिफ ही है। उन दंगों में कम से कम 53 लोगों की मौत हुई थी जबकि 200 के करीब घायल हुए थे। याद रखा जाए कि उमर खालिद 2016 में जेएनयू में हुई कथित देश विरोधी नारेबाजी के मामले में भी सुर्खियों में आए थे। उस मामले में भी उन्हें गिरफ्तार किया गया था। वे जेएनयू के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष कन्हैया कुमार के साथ देशद्रोह मामले के मुख्य आरोपियों में भी शामिल रहे । हालांकि उन पर लगे आरोप अभी तक सिद्ध नहीं हुए है। खालिद पर बारबार इसी तरह के गंभीर आरोप लगते रहे हैं। थोड़ा और पीछे की ओर चलें तो उन पर 9 फरवरी 2016 को देश विरोधी और आतंकी अफजल गुरु के समर्थन में नारे लगाने के आरोप लगे और देशद्रोह का मुकदमा दायर किया गया था। इन तीनों को गिरफ्तार भी किया गया था ढ्ढ लेकिन, बाद में इन्हें कोर्ट से जमानत मिल गई थी। खालिद पर जेएनयू कैंपस में हिन्दू देवी देवताओं की आपत्तिजनक तस्वीरें लगाकर नफरत फैलाने के आरोप भी लगे थे । यह भी आरोप है कि साल 2010 में छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में सीआरपीएफ जवानों की हत्या के बाद जश्न मनाने वालों में उमर खालिद भी शामिल था, ऐसा आरोप है ।

बचें न कोई दंगाई

दिल्ली ने सच में 1984 के बाद भीषण दंगों को 2020 में ही देखा । दंगों में जानमाल का भारी नुकसान हुआ। जिस किसी ने भी दिल्ली में दंगें भड़काये या उनमें भाग लिया, उनकी जगह तो जेल है। देश की जनता चाहती है कि उनकी सही पहचान करके उन्हें कठोर दंड मिले। दंगों के कारण देश की तेजी से उभरती छवि पर अकारण दाग लगा । दिल्ली दंगों के लिए दोषी चाहे किसी समुदाय या किसी भी पार्टी से जुड़े शख्स क्यों न हों, बख्शे तो नहीं ही जाएंगे। पुलिस को इस मामले में हिन्दू या मुसलमान को नहीं देखना चाहिए । दंगाई तो दंगाई ही हैं ढ्ढ सबको पता है कि दिल्ली को आग के हवाले किया गया था एक सुनियोजित साजिश के तहत। दंगे अचानक से तो नहीं ही भड़के थे। पर अचानक से यह क्या हुआ कि सौहार्दता के वातावरण को नजर लग गई। जाहिर है, खालिद पर यदि दिल्ली में दंगे भड़काने के आरोप साबित नहीं हुए तो वह रिहा हो जाएगा। पर इससे पहले ही छद्म सेक्युलरवादी मैदान में आ गए है। वे तो खुलकर उसके पक्ष में ही प्रचार कर रहे है। वे कह रहे हैं कि खालिद उमर के साथ तो अन्याय हुआ। लेकिन, ये ही सेक्युलर बिरादरी तब भी सक्रिय हो गई थी, जब दिल्ली

दंगों को भड़काने के आरोप में जामिया समन्वय समिति (जेसीसी) की सदस्य सफूरा जरगर की जमानत अर्जी को कोर्ट ने खारिज कर दिया था। जामिया मिल्लिया इस्लामिया में एम फिल की छात्रा सफूरा गर्भवती थीं । सफूरा पर आरोप है कि वह दिल्ली में भड़के दंगों की साजिश से जुड़ी हुई थी। क्या सांप्रदायिक दंगे भड़काने जैसे गंभीर आरोपों को झेल रही महिला को जेल न भेजा जाए? क्या कोई गर्भवती महिला किसी की हत्या या अन्य अपराध करने के बाद के बाद सिर्फ इसी आधार पर जेल से बाहर रह सकती है कि वह गर्भवती है? यह सवाल जरूरी और समीचिन हैं। हालांकि, सफूरा को अब जमानत तो मिल चुकी है, पर यह सब सवाल अपनी जगह पर बने ही हुए हैं। एक बात तो शीशे की तरह से साफ है कि यदि एक बार इंसान कोई गलत कदम उठा लेता है और उसके बाद जब वह कानून के फंदे में फंसता है तो उसे दिन में तारे तो नजर आने ही लगते हैं। फिर वह गिड़गिड़ाकर माफी मांगता है। पर तब तक तो बहुत देर हो चुकी होती है। फिर तो उसे देश का सबसे शक्तिशाली इंसान भी बचा नहीं सकता है। जैसे सफूरा की गिरफ्तारी का विरोध चालू हो गया था, वैसे ही उमर खलिद की गिरफ्तारी का विरोध भी शुरू हो गया है। तमाम सेक्युलरवादी सोशल मीडिया पर आ गए हैं। ये कह यह रहे हैं कि उमर खालिद की गिरफ्तारी गलत है। ये सफूरा के मामले में कह रहे थे कि सफूरा को जमानत दो, क्योंकि वह गर्भवती है। हालांकि सफूरा के लिए आंसू बहाने वालों ने कभी इस तरह के तर्क किसी अन्य महिला के हक में तो नहीं दिये। पर हमारे देश में तो अभिव्यक्ति की आजादी है, इसलिए आप चाहें जो बोलें और सरकार को जैसे कोसें। दिल्ली की एक अदालत ने सफूरा की जमानत की एक अर्जी को खारिज करते हुए कहा था कि जब आप अंगारे के साथ खेलते हैं, तो चिंगारी से आग भड़कने के लिए हवा को दोष नहीं दे सकते। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश धर्मेंद्र राणा ने आगे यह भी जोड़ा कि भले ही आरोपी सफूरा ने हिंसा का कोई प्रत्यक्ष कार्य नहीं किया, लेकिन वह गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम)अधिनियम के प्रावधानों के तहत अपने गैरजिम्मेदार दायित्वों से बच नहीं सकतीं हैं। ÷सह षड्यंत्रकारियों के कृत्य और भड़काऊ भाषण भारतीय साक्ष्य अधिनियम के तहत आरोपी के खिलाफ भी स्वीकार्य हैं। जैसा कि पहले बताया जा चुका है कि सफूरा को जमानत मिल गई है। उमर खालिद केस पर कोर्ट का रवैया किस तरह का रहता है, यह देखना होगा। यह मत भूला जाए कि उमर खालिद और सफूरा के कथित भड़काने वाले भाषणों के कारण ही भयानक दंगे हुए थे। इन दोनों को ही यह साबित करना ही होगा कि इन्होंने उकसाने वाले भाषण नहीं दिए थे और ये दंगों को किसी भी तरह से भड़काने में संलिप्त नहीं थे। देखिए अब तो यह मामला कोर्ट में है। अब किसी भी सेक्यलुरवादी के सामने आकर हायतौबा करने से बात नहीं बनेगी। कोर्ट तो साक्ष्यों के आधार पर ही फैसला देगा।

आर.के. सिन्हा
पूर्व सांसद, नई दिल्ली ।
www.womenexpress.in

धर्मांधता कहाँ जाकर खत्म होगी

धर्म जितना इंसान को जानवर बनाता है उतना तो शायद दारू भी नहीं बनाती।धर्म का नशा पाक होना चाहिए नहीं की वहसियत भरा। जेहाद छेड़ो तो अपनेपन की,भाईचारे की। नफ़रत के बीज से नफ़रत ही पैदा होगी। स्वामी विवेकानंद के अनुसार धर्म लोगों को संगठित करने का कार्य करता है और भाईचारे की भावना के साथ समाज को समग्र विकास के पथ पर अग्रेसर करता है। सामाजिक एकता को बढ़ाना विश्व के सभी धर्मों की स्थापना का मूल उद्देश्य है। महात्मा बुद्ध ने भी धर्मम शरणं गच्छामि, संघम शरणं गच्छामि का संदेश दिया। अर्थात् उन्होंने धर्म के शरण में और इस प्रकार संघ के शरण में अर्थात संगठित होने का आह्वान किया जो कि ये संदेश आपसी एकता एवं भाईचारे को परिभाषित करता है।

चलो मान लिया आपको आपके आराध्य प्यारे है पर किसके सपने में आकर कहा की कत्लेआम करो, लड़कीयों का जबरदस्ती धर्म परिवर्तन करवा कर शादी करो, गाय की हत्या करो , धार्मिक त्यौहार पर एक जीव की हत्या करके उसे पकाकर आरोगना ये कहाँ का धर्म कहलाता है। धर्मांधता की हद है इंसान इंसान ना रह कर क्या बन जाता है.!

दारु पी कर इंसान सच बोलता है, भावुक होता है, शांति से सो जाता है पर धर्म का नशा खूंखार है।।उस नशे ने इंसान को कट्टरवादी बना दिया है इंसान में इंसान नहीं लोग मज़हब ढूँढने लगे है।

गाते तो है सब ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सन्मति दे भगवान। अरे जब ईश्वर अल्लाह एक है तो उनके नाम पर इतनी बवाल क्यूँ।

क्यूँ एक दूसरे को जानने समझने की बजाय दुश्मन बने बैठे है। बहुत से हिन्दुओं को श्रद्धा पूर्वक दरगाह पर जाते है, तो बहुत से मुस्लिमों को सादर मंदिर में सर झुकाते हुए भी देखा है। ये धर्म के नाम पर अपना उल्लू सीधा करने वालों का एक समूह होता है जिनकी मानसिकता सिर्फ़ देश में अशांति फैलाने वाली होती है। बिना सोचे समझे धर्म को कूद पड़ते है हाथ में दिखावे की मशाल लेकर की हम रक्षक है धर्म के। कौन से ग्रंथ में ये सब लिखा है जो धर्म के नाम पर आज हो रहा है। हकिकत में इस धर्म के चौले के पिछे भक्षक छुपे है इंसानियत के।

ईश्वरीय धर्म को हटाकर उसकी जगह पर विराजमान हो जाने वाले 'नए क्रांतिकारी धर्म' (सेक्युलरिज़्म) के मांधाता बैठ गए है इसके बड़े घोर दुष्परिणाम मानव जाति को झेलने पड़ रहे है। उपद्रव, हिंसा, रक्तपात, शोषण, अन्याय, अत्याचार, व्यभिचार, नशाख़ोरी, शराबनोशी, अपराध, युद्ध, बलात्कार, नरसंहार, अभद्रता, अश्लीलता, यौन अपराध, हत्या आदि का एक सैलाब बहता है धर्म के नाम पर। जिस पर बाँधा जाने वाला हर बाँध टूट जाता है। इसे मरम्मत करने की जितनी कोशिशें की जाती हैं उन्हें असफल बनाकर यह सैलाब पहले से भी ज़्यादा तबाही मचाता, फैलता आगे बढ़ता चला जा रहा है। देखते है ये धर्मांधता की आँधी ओर कितनी बर्बादी को न्यौता देती है।

भावना ठाकर
भावु, बेंगुलूरु ।
www.womenexpress.in

दर्द...

जब दिल
धड़का था पहली बार
जन्मी थीं
बहुत सी अभिलाषायें
किसी की सूनी बगिया
महकाऊँगी
अपनी किलकारियों से
भुला दूंगी उनके सारे गम
किसी की कलाई पर
रक्षासूत्र बांध कर
आशीषों से लद जाऊँगी ,
उसकी लाडली बहन बन
जाऊँगी

किसी की प्रेयसी बन,
समर्पित कर दूंगी तन मन,
समेट लूंगी अंक में
उसका बिखरता जीवन,
दुख सुख की सहभागी बन
जीवन का धर्म निभाऊँगी ,

मैं भी माँ बनने का
असीम सुख उठाऊँगी,
अपने आँचल में
एक नन्ही कली खिलाऊँगी
उसकी बालसुलभ चेष्टाओं पर
बलिहारी हो जाऊँगी,

मगरआहकुछ चुभा आकर
मैं तंद्रा में विलीन होने लगी
मेरे अस्तित्व को
जानकर सबके चेहरे उतर गये
मेरी मासूम सी अभिलाषायें
निर्ममता से कुचल गये
और दुनिया में आने से पहले
मुझे निष्प्राण कर गये ।

ज्योति चंद्रा ज्योत्सना
नई दिल्ली ।
www.womenexpress.in

आते हैं पल, बिखर जाते हैं पल

आते हैं पल, बिखर जाते हैं पल,
कुछ यादें, कुछ एहसास दे
जाते हैं यह पल।
कभी आंसू तो कभी मुस्कान दे
जाते हैं यह पल।
ना कभी सोचा, ना कभी चाहा,
फिर भी वो हंसी एहसास दिला
जाते हैं यह पल।
क्या है प्यार, क्या है नफ़रत,
बस समझ का धोखा, ये
समझा जाते हैं यह पल।
क्यूँ है कोई उदास, क्यूँ है कोई
नाराज,
लम्हों की जुस्तजू सुना जाते हैं
यह पल।
क्यूँ मिला दिल को सुकून, क्यूँ
हुआ मन शीतल,
किसी के प्यार से अपनेपन का
एहसास दिला जाते हैं यह पल।
मन है चंचल, ना रुके
किसी पल,
हमारी शरारतो का किस्सा सुना
जाते हैं यह पल।
क्या है गलत, क्या है सही,
फलसफा जिंदगी का सुना
जाते हैं यह पल।
क्यूँ जन्म से शुरू,क्यूँ मृत्यु
पर ख़तम,
राजऐजिंदगी समझा जाते हैं
यह पल।
ये पल ही तो हैं, जो कुछ लम्हों
में जिंदगी जीना सीखा जाते हैं।

योगेश्वरी कुंवर
सिसोदियां राठौड़,
ददोडियां, डूंगरपुर, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

एक प्रेम कहानी

(भाग-3)

नया प्रभात नयी उमंग,उत्साह
पूरी प्रकृति हरित श्रृंगार से भरी
शहनाइयों की गूँज से भरा सदन
निरंतर प्रतीक्षारत दोनों के मन
अंततः वो पल आ ही गया
इंतज़ार जिसका था अनवरत
अनुमति लेकर वो लड़की चल पड़ी
श्वेत वस्त्र पहने गंगा की तरह
चेहरे पर गेसुओं की लड़ी थी
छेड़ रही उसके गालों का
स्पर्श लेकर
पहुँच गई उस शख़्स के द्वार पर
आँखों में हया लिए हुए....
लालिमा युक्त संध्या उसके
स्वागत में तत्पर
सुरभि उसके तन मन को
महका रही थी
उसी पल रूबरू हुए एक दूसरे से
वक़्त थम सा गया था...
आँखों में नमी....
लफ्ज़ों में बुदबुदाहट..
नज़रें मिली.. झुकीं....
अशृक ढुलक गए...
दोनों पलटकर अलग हो गए
किसी मौके की प्रतीक्षा में
जब दोनों बेहद करीब से
मन के रहस्य को प्रकट
कर सकें

शिवानी त्रिपाठी
प्रयागराज, (उत्तर प्रदेश)।
www.womenexpress.in

दर्द की किताब

हाल ए दिल बयान करने के
लिए मैं जब भी कुछ लिखती हूँ
क़लम और स्याही साथ रखती हूँ
हुनर नहीं है इतना की दुनिया
को दिखा पाऊं
मैं तो बस अपने दर्द की
किताब लिखती हूँ
ना जुस्तजू है कुछ पाने की ना
खोने का डर है
उम्मीदों से ही सजा मेरा एक
घर है
ना कुर्बत है किसी से ना
बेरुखी ही रखती हूँ
मैं तो बस अपने दर्द की
किताब लिखती हूँ
ना सफ़र है मेरा ना मंजिल का
है पता
भूल करू कोई या कर दू कोई खता
मैं कहां किसी को समझा पाती हूँ
मैं तो बस अपने दर्द की
किताब लिखती हूँ
शौक़ नहीं रुपयों का ना चाह है
दौलत की
ताउम्र लिखूं बस यही एक
हसरत है
मेरे लिए तो कोरा कागज़ ही
काफ़ी है
क़लम और स्याही ही मेरे साथी हैं
पूछे कोई वज़ह अगर मैं कहां
बता पाती हूँ
मैं तो बस अपने दर्द की
किताब लिखती हूँ

अनुराधा रानी
श्रीरामपुर, पश्चिम बंगाल ।
www.womenexpress.in

दोस्ती

साथ खाना साथ उठना बैठना
साथ कॉलेज जाना साथ पढना
अपनी खुशी में खुश रहना
खुब मस्ती करना
मेरी गलतियों को छुपाने में
साथ देना
मेरी हाजरी भी बोलना
मुझे आँल राऊण्डर बनाना
मुझे क्रिकेट खेलने की हिम्मत देना
हँसी खुशी के वो दिन
बहुत याद करती होगी तुम भी
जब बिछडे थे हम तो तुम भी
खुब रोयी थी
याद होगा तुम्हें भी वो दिन
मेरी सखियों सदा ही खुश रहना
सदा मुस्कुराते रहना ...मेरी
तरह

करती तुम भी मुझे याद
वो होस्टल का पहला दिन
ना कोई अपना , ना जाना पहचाना
इतनी सारी भीड़ में भी थी मैं
अकेली
आँखों में थे बडे बडे से आँसू
फिर मुझे तुम जैसी दोस्त मिली
जैसे कृष्ण को सुदामा मिले
धीरे धीरे दोस्ती इतनी गहरी हुई
कि इक के बिन दुजा नहीं
कभी ना टूटने वाली दोस्ती
की मिसाल हम बने

उर्मिला कुमारी पाटीदार
अरनोदा, चित्तौड़गढ़,
राजस्थान ।
www.womenexpress.in

क्या लिखूँ

मन उलझन में है क्या लिखूँ
क्या न लिखूँ किस पर लिखूँ
असर होता नहींशब्दों के तीरों का
बेशर्मी का कवच पहने दरिंदे घुमते
संवेदना कब की मर चुकी जिन की
चौराहे, गलियाँ ख़ौफ़नाक
भय से त्रस्त
मन में चिंता अस्तित्व बचाने की
नारी की दुर्दशा या रुदन या
बेमौत लिखूँ
गरीब की मजबूरी लिखूँ या
पेट की भूख लिखूँ भ्रष्टाचार
की लार लिखूँ
मँहगाई से लाचार लिखूँ
नौजवान फिरता बेरोजगार लिखूँ
मोहजाल में फँसाने वाले
भाषण लिखूँ
माननीयों के
अमर्यादित बोल गंदगी भरे लिखूँ
भाई भाई की तकरार लिखूँ
काम क्रोध लोभ मोह अहंकार लिखूँ
कंस रावण दुशासन का नंगा
नाच लिखूँ
मन उलझन में है क्या लिखूँ
क्या न लिखूँ किस पर लिखूँ

शिव सन्याल
कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ।
www.womenexpress.in

तुम में लीन

मैं फिर भी तुम में लीन रहूं।

जीवन के अंतिम छोर में
मुक्ति का पंथ मिले न मिले हैं
मैं फिर भी तुम में लीन रहूं।

जीवन संचार में लोग मेरे लिए
भटकते रहे,मटकते रहे
मैं फिर भी तुम में लीन रहूं।

दसों दिशाओं में मेरे लिए
जीवन और मृत्यु का
हर क्षण आगाज होता रहें
मैं फिर भी तुम में लीन रहूं।

जीवन व्याधियों मुझे
काट खाने को दौड़ती रहे
मैं फिर भी तुम में लीन रहूं।

सुख की अनुभूतियां मुझे
हर पल खोजती रहे
मैं फिर भी तुम में लीन रहूं।

दसों दिशाओं में मेरे लिए
मृत्यु का अट्हास होता रहे हैं

राजीव डोगरा, विमल
कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ।
www.womenexpress.in

उम्र से लंबी सड़क

ये उम्र से लंबी सड़कों पर
चलते चलते...।
बित गयी ज़िन्दगी सड़कों पर
चलते चलते ।।

होंठों पर मुस्कुराहट खाली खाली है !
कदमों की आहट खाली खाली है...!!

कदमों की खामोशी पतझड़ों पर
चलते चलते ।
बित गयी ज़िन्दगी सड़कों पर
चलते चलते...।।
जेष्ठ जले, आषाढ़ गिले, सावन बरसे !
भादों की भदवारी उमस भरी
नैना तरसे !!

ख्वाहिश अधूरी सी अधरों पर
चलते चलते ।
ये उम्र से लंबी सड़कों पर
चलते चलते..।।

बागों के गुलाब फागुन की गुलाल !
नरगिस ए शबाब गर्दिश ए सैलाब !!

जंग लगी सी परतों पर जमते जमते।
ये उम्र से लंबी सड़कों पर
चलते चलते ।।

ये उम्र से लंबी सड़कों पर
चलते चलते...।
बित गयी ज़िन्दगी सड़कों पर
चलते चलते ।।

मनोज शाह मानस
सुदर्शन पार्क मोती नगर
नई दिल्ली ।
www.womenexpress.in

चीन के नापाक मनसूबे

चौकसी कर रहा है, कर रहा
बड़े छलछदम,
ये धरती हिंद की, आ सामने है
जो तुझमें दम ।

तेरी नज़र है नापाक औ इरादे
ग़लत हैं,
ख़ामोश होगा एक वार में, जो
शांति भूले हम ।

अपनी सोच पे अभिमान
कर,ये सोचना नहीं,
हमारी सोच है शुरू वहाँ,जहाँ
तेरी सोच है ख़त्म ।

भरसक कर रहा जतन, पाने
को सारी ठोह,
सुन चेतावनी ये आख़िरी, अब
भी रोक ले कदम ।

ग़र थमा ना तेरा शीत
आक्रोश,तूफ़ाँ ग़र बना,
तुझे उड़ाने को तैयार हम, सर
पे बाँध कर कफ़न ।

भावना 'मिलन' अरोड़ा
लेखिका एवं शिक्षिका
कालकाजी, नई दिल्ली ।
www.womenexpress.in

हे स्त्री

हे स्त्री
तू कहाँ छोड़ती है साथ
जो जुड़ती है एक बार
निभाती हैं सात फेरों के
सात वचनों का साथ।
न्यौछावर करती
तन मन जीवन
हे स्त्री
तू कहाँ छोड़ती है
छोड़ती है तो
ख्वाब आ सुकून अपना
पलकों में उनींदी राते।
हे स्त्री
तू कहाँ छोड़ती है साथ
तू छोड़ती है तो
गालियां अपनी
माँ का दुलार पिता का लाड़
भाइयों की नोंक झोंक
सहेलियों का साथ।
है स्त्री
तू कहाँ छोड़ती है साथ
बधती है जो
एक बार बंधन में
आजीवन बंध जाती हैं
पुरषों के बनाएं बन्धनों में
आभूषणों के लोभ
माँ बनने के अरमान
ढालती जाती हैं
स्वयं को
बदलती जाती हैं
और बदलते बदलते
सज जाती हैं अर्थी पर
पर तू साथ नही छोड़ती
तू छोड़ती है.....?

गरिमा राकेश गौत्तम
कोटा, राजस्थान
www.womenexpress.in

चयन ...

कितना मुश्किल होता है..?
जिंदगी के सफर में जब,
दो रास्तों में से ,
एक रास्ता चुनना होता है!

जानते हुए भी कि दोनों ,
हमारे लिए बहुतजरूरी है!
मानो जैसे सुलझी हुई,
दुनिया ही उलट जाती है!
फिर भी पत्थर दिल होकर ,
हम एक रास्ता चुन लेते हैं!

न अच्छाई का पता चलता है,
न बुराई का!
बस समय का खेल जारी है,
कुछ उम्मीदें टूट जाती हैं!

कुछ नए अरमान पनपने
लगते हैं!
शायद यही है जिंदगी
यहां सब कुछ बदलता है,
और हम चयन करते हैं..!!

प्रज्ञा मिश्रा
पुणे, महाराष्ट्र ।
www.womenexpress.in

एक माँग

छन्द घनाक्षरी
राज्य पाठ्यक्रमों में जो राज्य
मनमानी करें,
देखभाल केन्द्र से उसकी
जरूरी करो।
देश में विद्यालय चाहे जितने हैं सबमें,
हिन्दी इण्टर तक पढ़ना जरूरी करो।
राष्ट्रभाषा अधिकारी हिन्दी
मेरी महतारी,
भाषा के सम्मान में कमी जो
है पूरी करो।
अनुच्छेद तीन सौ तिरालिस
लिखा एक,
राजभाषा बदल राष्ट्रभाषा पूरी करो।

नीरज कुमार द्विवेदी
बस्ती, उत्तरप्रदेश ।
www.womenexpress.in

किसी के आसरे मैं कहां जीना चाहती हूं

किसी के आसरे मैं कहां जीना
चाहती हूं
मैं तो बस आसरा किसी का
बनना चाहती हूं
दिये हैं जिन्हें अपनों ने ही
जख़्म गहरे
देकर प्यार उन्हें,ज़ख़्म उनके
भरना चाहती हूं
करते नहीं जो हिम्मत ऊंचे
ख्वाब तक देखने की
उनकी आंखों में सजाकर
ख्वाब, उन्हें पूरे करना चाहती हूं
कमी नहीं दुखियारों की इस
दुनिया में
देकर खुशी ,मैं दुःख उनके
हरना चाहती हूं
है आसरा सबसे बड़ा, बस
उस परवरदिगार का
अपना दिल, मैं उनके सामने
ही खोलना चाहती हूं

वन्दना भटनागर
मुज़फ्फरनगर ।
www.womenexpress.in

बेशर्म आदमी

बेशर्म आदमी! हो तुम,आज
यह भी दुनिया ने बोल दिया,
ऐतबार था जिन पर मुझे उन्होने
भी राज अपना खोल दिया।
नज़ाकत से कहते है कि सबकी
तरह तुम चुप क्यों नही रहते,
निज स्वार्थ मे सबकी तरह
मस्त तुम क्यूँ नही रहते?
सच्चाई का आईना तुम सबको
क्यों दिखाते हो?
जानते हो? इसलिये तुम पीठ
पीछे बहुत कोसे जाते हो।
छोड़ दो जिन्दगी की सच्चाई
और यह वसूलो पर चलना,
खाली हाथ रह जाओगे तुम्हे
कुछ भी न है फिर मिलना।
सुनता रहा,सहता रहता और
अन्त मे सबसे यह कह उठा,
राजा हो या रंक अन्त मे यह
भी मिटा और वह भी मिटा।

अभिषेक शुक्ला
सीतापुर, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

मानसिक स्वास्थ्य एक गंभीर समस्या

मानसिक विकार का ग्राफ पूरी दुनिया में बहुत ही तेजी से बढ़ रहा है, इसका प्रमुख कारण है कि लोगों में समयाभाव व संतुष्टि की बेहद कमी का होना। मानसिक विकार का सीधा संबंध व्यक्ति की निजी भावना व सामाजिक परिदृश्य से है, इसमें विषम परिस्थिति का समावेश, जो व्यक्ति के सोचने, समझने, महसूस करने व कार्य शैली को प्रभावित करने लगती है। ज्यादातर मानसिक विकार के कारण व्यक्ति में अनेक प्रकार की बुराइयों का जन्म भी हो जाता है, जिससे व्यक्ति कुढ़न व नशे का आदी बनने लगता है। मानसिक रोगों के अंतर्गत डिमेंशिया, डिस्लेक्सिया, डिप्रेशन, भूलने की बीमारी, चिंता, आटिज्म, अल्जाइमर आदि आते हैं, जो व्यक्ति की भावनाओं, विचारों व सामाजिक व्यवहारों को बहुत ही तीव्र गति से प्रभावित व परिवर्तित कर देते हैं। मानसिक विकार को जन्म देने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका समाज व परिवार ही अदा करता है, बाकी लगभग नगण्य भूमिका में प्राकृतिक बीमारी व दुर्घटना आदि आते हैं। मानसिक विकार को लेकर वैज्ञानिकों का दावा है कि जिस तीव्र गति से यह बढ़ता जा रहा है, जल्दी ही यह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी बीमारी का स्थान ले लेगी। हालांकि मानसिक विकार के तीव्र गति से बढ़ने के बावजूद भी दुनिया इस बीमारी को महज काल्पनिक कथानक के रूप में लेकर, इसकी उपेक्षा कर रही है, जबकि भावी परिस्थिति में इस बीमारी के प्रति गंभीर चिंतनमनन की आवश्यकता है। शारीरिक विकार जिस प्रकार व्यक्ति को प्रभावित करते हैं, वैसे ही मानसिक विकार भी व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं, बस यह मानसिक विकार आँखों के समक्ष परिलक्षित नहीं होते, यही कारण है कि इसकी उपेक्षा पूर्णतः की जाती रही है। मानसिक विकार का सबसे बड़ा सच आत्महत्या के रूप में पूरी दुनिया के समक्ष मौजूद है, फिर भी इस पर गहन चिंतनमनन की कमी साफ दिखाई देती है। आंकड़ों के अनुसार, दुनिया के प्रति चार व्यक्तियों में से एक व्यक्ति किसी ना किसी रूप में मानसिक विकार से प्रभावित है। हालांकि यह बीमारी व्यक्ति के मानसिक रासायनिक असंतुलन से भी उत्पन्न होती है, मगर इस असंतुलन का मुख्य कारण भी कहीं न कहीं हमारे परिवेश, परिवार व समाज से ही जुड़ा हुआ होता है। अतः मानसिक विकार से बचने के लिए सबसे पहला उपाय यह है कि हमें अपने परिवेश, परिवार व समाज में संतुलन स्थापित करना होगा। मानसिक तौर पर सकारात्मक विचारों को बढ़ावा देने से यह बीमारी काफी हद तक कम की जा सकती है। एक सुदृढ़ व स्वस्थ्य मानसिक समाज के विकास के लिए, हमारा सामाजिक ढांचा स्वस्थ्य होना बेहद जरूरी है, तभी इस विकट समस्या से निजात पाना संभव है।

मिथलेश सिंह मिलिंद
मरहट पवई आजमगढ़
(उत्तर प्रदेश) ।
www.womenexpress.in

सोशल मिडिया का दुष्प्रभाव

सोशल मिडिया में कुछ ऐसे लोग छाये हुए हैं जो अपने चेहरे पर लाचारी और बेबसी का एक मुखौटा लगाए हुए हैं।जिन्हें देख के हर कोई धोखा खा जाता हैं क्योंकि हम उन्हें सच में ही लाचार और बेबस समझ कर उनकी सहायता के लिए आगे आ जाते हैं और वो लोग हमारी इसी कमजोरी का सहारा लेकर हमें ही धोखा देते हैं।ऐसे लोग ही इंसानों के अंदर से सहायता करने का जो जज्बा होता हैं किसी को मुस्किलो में देख नहीं सकते हैं उनके अंदर की इस नेक दिली को पुरी तरह से खत्म कर देते हैं क्योंकि फिर उनको हर बेबस इंसान धोखेबाज ही नजर आता हैं। ऐसे ही इंसान आज सोशल मिडिया पर खुद को इतना महान और बड़ा खुदगरज बताते हैं खुद को बहुत बड़ा कामयाब इंसान मानते हैं जबकि ऐसा कुछ नहीं होता हैं वो अंदर से एक खोखला और शून्य इंसान होता हैं जो अपना काम निकलवाने के लिए सामने वाले के सामने खुद को इस कदर पेस करता हैं जैसे उस इंसान के सिवाये और कोई भी इस दुनिया में उसकी मद्द नहीं कर सकता हैं उसके सामने इस कदर गिरगिराता हैं कि ना चाहते हुए भी वो इंसान उसकी लाचारी को देखकर उसके झासे में आ ही जाता हैं और खुद को धोखे के जाल में फसा डालता हैं।

रंजीता सिंह
कोरबा , छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

हिंदी राष्ट्र धरोहर

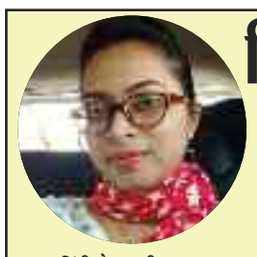

हिंदी है हमारी मातृभाषा
हिन्द की राष्ट्रभाषा भी बननी चाहिए।
हिंदी है राष्ट्र की धरोहर
धरोहर आगे बढ़नी चाहिए।।
रंगा विविध रंगों में भारतवर्ष हमारा है,
अनेक बोलीभाषाओं का संगम ये
न्यारा है,
भिन्नभिन्न स्थलों के जनमानस को
जोड़ने का हिंदी ही बनती सहारा है,
बोलो चाहें कोई भी भाषा
भारत में रहकर हिंदी आनी चाहिए।
हिंदी है राष्ट्र की धरोहर
धरोहर आगे बढ़नी चाहिए।।
हिंदी में ही बोलते सब गीत हिंदी में
ही गाते हैं,
हिंदी के मीठे बोलबोलकर करीब हो
जाते हैं,
समय जब आता है हिंदी को
स्वीकारने का,
इसको अपनाने में लोग व्यर्थ क्यों
घबराते हैं,
हिंदी है अपने देश की भाषा
इसे श्रेष्ठ स्वीकारना चाहिए।
हिंदी है राष्ट्र की धरोहर
धरोहर आगे बढ़नी चाहिए।।
देश में कभी मुगल कभी अंग्रेजों
का राज हुआ,
जिसकारण अंग्रेजी और उर्दू का
साम्राज्य हुआ,
विदेशी भाषाओं की अभ्यस्तता के चलते,
संविधान में सरकारी कार्यों में इनका
काज हुआ,
पर हिंदी है जनजन की भाषा
हिंदी में ही राजकाज होने चाहिए।
हिंदी है राष्ट्र की धरोहर
धरोहर आगे बढ़नी चाहिए।।

सोनल ओमर
कानपुर, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

दिल्ली कैपिटल्स का हाईजीन पार्टनर बना लिविंगार्ड एजी

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 15 सितंबर । कोरोना महामारी के इस दौर में जनजीवन धीरे धीरे सामान्य हो रहा है और दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित क्रिकेट लीग में से एक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 19 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में 13 वें सत्र की शुरुआत के लिए पूरी तरह तैयार है।

जेएसडब्लू और जीएमआर के सहस्वामित्व वाली फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स ने अपने सभी खिलाड़ियों और टीम के सदस्यों की सुरक्षा को सबसे ज्यादा अहमियत देते हुए लिविंगार्ड एजी के साथ साझेदारी की है और आईपीएल की इस टीम ने हाइजीन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में स्विट्जरलैंड की विश्व प्रसिद्ध कंपनी को आधिकारिक तौर पर अपना हाइजीन पार्टनर बनाया है। भारत के साथसाथ स्विट्जरलैंड, जर्मनी, अमेरिका, सिंगापुर, जापान और दक्षिण अफ्रीका में अपने कारोबार का संचालन करने वाली कंपनी लिविंगार्ड एजी ने हाल ही में मौजूदा हालात में

क्रांतिकारी बदलाव लाने वाले और अपनी तरह के पहले फेस मास्क को लॉन्च किया है जो बैक्टीरिया एवं वायरस की एक पूरी श्रृंखला को निष्क्रिय करने में सक्षम है। दिल्ली कैपिटल्स के साथ इस साझेदारी पर लिविंगार्ड टेक्नोलॉजीज के संस्थापक, इन्वेन्टर एवं सीईओ संजीव स्वामी ने कहा, 'आईपीएल लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय है और इस टूर्नामेंट की सबसे पसंदीदा टीमों में से एक यानी दिल्ली कैपिटल्स के साथ इस साझेदारी पर हमें गर्व का अहसास हो रहा है। यह टीम सही मायने में प्रतिभा, अनुभव और उत्साह का मिलाजुला रूप है। फेस मास्क के लिए इस्तेमाल की गई लिविंगार्ड की पेटेंटेड और क्रांतिकारी तकनीक दिल्ली कैपिटल्स की पूरी टीम को अपराजेय सुरक्षा प्रदान करेगी। हमारे लिए यह बड़े सम्मान की बात है कि हम खिलाड़ियों की सेहत के जोखिम को कम करके उन्हें आगे की महत्वपूर्ण प्रतियोगिता पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम बनाते हैं।' दिल्ली कैपिटल्स के सीईओ धीरज मल्होत्रा ने कहा, 'इस तरह के चुनौतीपूर्ण समय के बीचआईपीएल का आयोजन, वास्तव में बीसीसीआई के साथसाथ दुनिया के सभी खेलों में शीर्ष लीग में से एक के रूप में आईपीएल की वैश्विक स्थिति को प्रमाणित करता है। धीरेधीरे हमारी जिंदगी पटरी पर लौट आई है, लिहाजा हमें नए तरीके से जीवनयापन से जुड़ी बातों को याद रखना चाहिए। इस सीजन में हमारी टीम के खिलाड़ियों के सेहत की हिफाजत करना सबसे बड़ी प्राथमिकता है। लिविंगार्ड एजी इस कसौटी पर पूरी तरह खरा उतरता है क्योंकि उनकी तकनीक सही मायने में अभूतपूर्व है, जो हाइजीन के संदर्भ में हमें सबसे बेहतर समाधान प्रदान करता है।

जिस थाली में खाते हैं, उसी मे छेद करते हैं: जया बच्चन

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 15 सितंबर। फिल्म उद्योग की कथित आलोचना पर नाराजगी जताते हुए समाजवादी पार्टी की सदस्य जया बच्चन ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि देश में किसी भी संकट के दौरान सहायता में कभी पीछे नहीं रहने वाला यह उद्योग सराहना का हकदार है। उन्होंने शून्यकाल में यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि दुख की बात यह है कि कुछ लोग जिस थाली में खाते हैं, उसी थाली में छेद करते हैं। जया ने कहा कि केवल कुछ लोगों की वजह से आज मनोरंजन उद्योग आलोचना का शिकार हो रहा है जो हर दिन करीब पांच लाख लोगों को प्रत्यक्ष और करीब 50 लाख लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार देता है। जया ने कहा कि लाकडाउन के दौरान कुछ ऐसे हालात हुए कि मनोरंजन जगत सोशल मीडिया पर बुरी तरह आलोचना का शिकार होने लगा और उसे 'गटर' कहा जाने लगा। ''यह सही नहीं है। ऐसी भाषा पर रोक लगाई जानी चाहिए ।'' उन्होंने कहा, ''देश पर आने वाले किसी भी संकट के दौरान उसकी सहायता करने में यह उद्योग कभी पीछे नहीं रहा। राष्ट्रीय आपदा के

दौरान इस उद्योग ने हरसंभव मदद की है। यहां अत्यधिक कर देने वाले लोग रहते हैं। इस उद्योग ने अपना एक नाम और पहचान अपने बूते हासिल किया है। '' जया ने कहा कि कल दूसरे सदन में एक सदस्य ने फिल्म उद्योग के खिलाफ बोला, जो पीडादायी था। उन्होंने कहा ''इस उद्योग के खिलाफ आज जिस भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है वह पूरी तरह गलत है। उस पर रोक लगनी चाहिए।'' विभिन्न दलों के सदस्यों ने इस मुद्दे से स्वयं को संबद्ध किया। भाजपा के डा विकास महात्मे ने एक वेबसीरीज में भारतीय इतिहास की विदुषी अहिल्याबाई होल्कर को कथित तौर पर अपमानित किए जाने का मुद्दा उठाया और सरकार से मांग की कि वेबसीरीज के नियमन के लिए कानून बनाया जाए। महात्मे ने कहा '' वर्जिन भास्कर नामक इस वेबसीरीज में अहिल्याबाई होल्कर को अपमाननजक तरीके से चित्रित किया गया ।

सुशांत और ड्रग केस में एनसीबी ने दो और लोगों को गिरफ्तार किया

मुंबई । नारकोटिक्स नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में मादक पदार्थ कोण से संबंधित जांच के सिलसिले में दो और लोगों को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसी राजपूत की लिवइन पार्टनर एवं अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती को भी इस मामले में गिरफ्तार कर चुकी है। एनसीबी ने सोमवार को रिया के भाई शौविक चक्रवर्ती के स्कूल के दोस्त सूर्यदीप मल्होत्रा को मुंबई से गिरफ्तार किया। अधिकारी ने बताया कि इसके अलावा, एनसीबी ने शनिवार को गोवा से क्रिस कोस्टा को हिरासत में लिया है। उसे मुंबई लाया गया और पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। इसी के साथ एनसीबी कुल 18 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। वह राजपूत की मौत में मादक पदार्थ कोण की जांच कर रही है। चैतीस साल के अभिनेता 14 जून को मुंबई के बांद्रा इलाके में स्थित अपने फ्लैट में फंदे से लटके मिले थे। मादक पदार्थ मामले की जांच कर रही एनसीबी की विशेष जांच टीम ने रिया, उनके भाई शौविक, राजपूत के प्रबंधक सैमुयल मिरांडा, घरेलू सहायक दीपेश सावंत और अन्य को गिरफ्तार कर चुकी है।

व्यसन मुक्तिः दृढ़ इच्छाशक्ति जागृत करें

तंबाकू ने बड़ा दुर्व्यसन का धारण कर लिया है। बच्चों से लेकर वृद्ध तक इसे मुख से भरे मिल जाएंगे।

भोजन लार से पचता है तंबाकू का प्रभाव रक्त पर पड़ता है। मुख से बदबू आने लगती,इसके परिणाम स्वरूप आँख की रोशनी कम हो जाना ,छयरोग ,ह्रद्य रोग ,नपुसंगता ,पागलपन ,मुँह सड़ना,कैंसर जैसी घातक बीमारिया आ सकती है।

साथ ही तंबाकू मांगने की आदत पड जाती है। तंबाकू को पुर्तगीज लोग इसे यहाँ लेकर आये थे सर्वप्रथम कोलम्बस ने अमेरिका में वहाँ के निवासियों को तंबाकू पीते देखा था। संसार का कोई भी पशुपक्षी इसके पत्ते नहीं खाता,मुँह तक नहीं लगाता केवल एक प्रकार का कीड़ा है, जो तम्बाकू के पत्ते पर पैदा होता और पत्तों को खाता है। वैज्ञानिकों ने तंबाकू में छः प्रकार के विषों का पता लगाया है। निकोटिन, फ्सिक एसिड, पाइरीडीन, कोलीडीन, एनोमिया, कार्बनमोनो ऑक्साइड इसके अलावा और भी विष निकलने की संभावना है।

तंबाकू की खेती की जाने से अनाज की खेती का अनाज उत्पादन भी प्रभावित हुआ है। पशुओं के लिए चारे का संकट दिनों दिन गंभीर होता जा रहा है चारे का उत्पादन में कमी आने से पशुओं पर इसका प्रभाव देखा गया है।

जैसे दूध का कम होना,बाजार से महंगा चारा पशुओं को पर्याप्त मात्रा में ना खिला पाना आदि कई कारण रहे है7तम्बाकू का सेवन इंसान मुख्य रूप से इन कामों के लिए करता है.ऐसा तंबाकू सेवनकर्ताओ का मानना हैशौच जाने के पहले ,भोजन करने के बाद ,रात को जागते समय ,पेट की गैस को कम करने के लिए धूम्रपान का धुँआ पर्यावरण और इंसान की सेहत बिगाड़ रहा है। यदि व्यक्ति अपनी,अपनों की एवं सारे संसार की खुशहाली जिंदगी चाहता है तो उसे आज से ही तंबाकू का सेवन बंद कर देना चाहिए।

दृढ़ इच्छाशक्ति के बिना इसे छोड़ा नहीं जा सकता है। अपनी व अपने परिवार की खुशहाली के लिए तंबाकू ,धूम्रपान से दूर रहने का प्रयत्न करना चाहिए।

संजय वर्मा
धार (मध्य प्रदेश)।
www.womenexpress.in

पेड़ नीम का

हरितवर्ण में सजता पेड़ नीम का।
नित नभ निहारता पेड़ नीम का।।
दूषित वायु को
करता ग्रहण।
आँधी बारिश धूप
करता सहन।
मस्त मंदमं डोलता पेड़ नीम का।
हरितवर्ण में सजता पेड़ नीम का।।
कोमल हरी पत्तियाँ
ओढ़कर यह।
श्वेत पुष्पों से
सजकर यह।
पकेमीठे फल बाँटता पेड़ नीम का।
हरितवर्ण में सजता पेड़ नीम का।।
इसके नीचे सदा
ठण्डी छाया रहती।
डालडाल पर चिड़ियों की
ध्वनि गूँजती।
सज्जन सा खड़ा रहता पेड़
नीम का।
हरितवर्ण में सजता पेड़
नीम का।।

टीकेश्वर सिन्हा
घोटिया बालोद (छत्तीसगढ़)।
www.womenexpress.in

यूँ न अब आँसू बहाया कीजिए

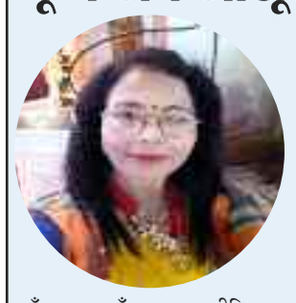

यूँ न अब आँसू बहाया कीजिए,
खुल के हर दम मुस्कुराया कीजिए।
जीत जाएँगे हर इक बाज़ी यहाँ,
हौसले मेरे बढ़ाया कीजिए।

आ नहीं सकते जो मेरे पास अब,
ख़्वाब में आया औ जाया कीजिए।
एक ही आवाज पर हाजिर हूँ मैं,
प्यार से मुझको बुलाया कीजिए।
हश्र क्या होगा न ये सोचें कभी,
फैसले अपने सुनाया कीजिए।

क्यों करें शिकवे शिकायत वक्त से,
फर्ज़ अपने सब निभाया कीजिए।
वो न लौटेगा कभी हरगिज़ यहाँ,
याद को बस गुनगुनाया कीजिए।

है अगर इंसान बनना नेक तो,
भूखे बच्चों को खिलाया कीजिए।
जब मिले फुर्सत किरण जो काम से,
आईना ख़ुद को दिखाया कीजिए।

इंदु मिश्रा किरण
वरिष्ठ कवयित्री
गृज़लगो व शिक्षिका, नई दिल्ली।
www.womenexpress.in

कर्म ही पूजा...

कर्म ही पूजा न कोई दूजा,
जिसका नित करूँ गुणगान,
अपने कर्मों से सफ़ल बनूँ,
प्रभु! हमें बना नेक इंसान।
जो कर्म न करे जीवन में,
निज धन पर रखे अभिमान,
धीरे धीरे जब घटती दौलत, न
समझ सके इसे इंसान।।

सद्कर्म करें हम तन मन से,
पूरे होंगे निश्चित अरमान,
श्री कृष्ण ने महाभारत में, कर्म
योग का दिया है ज्ञान।
दुष्कृत्य होता सदैव गुनाह,
माफ़ करें न हमें भगवान,
सद्कर्म भाग्य बदल दे, हम
बनते एक अच्छे इंसान।।

अच्छे कर्मों से सम्मान मिले,
सदुणों से खत्म हो अज्ञान,
कर्म करें, न फल की इच्छा,
गीता में कहे कृष्ण भगवान।
सद्कर्म सतत करने से ही, हमें
मिले मनुजता का ज्ञान,
जो हाथ पे हाथ धरे बैठे,
उनका न हो कोई कल्यान।।

सद्कर्मों का लक्ष्य बना लें,
समाज में लोग करें यशगान,
सुख का साधन होता कर्म, जो
देता जीवन में मुस्कान।
सद्कर्म करें हम सत्पथ पर,
बनना न पड़े हमें बेईमान,
सद्कर्मों से मिले समृद्धि, जग
में बनती हमारी पहचान।।

लाल देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
बस्ती [उत्तर प्रदेश]।
www.womenexpress.in

काल्पनिक अल्फाज

हृदय के कोने कोने में
अँखियों के झरोको से,
तेरे प्रणय निवेदन से
उलझे से अंजुमन में
प्रेम झलकता है।।
आपके किये कार्यों में
सुझावों की चाह में
आपकी वाणी में,
शीतल मन्द बयार में
गर्मी की तपिस में
मौषम के बदलाव में भी ,
अपनापन दिखता है।।
तभी तो संग आपके
मुस्कुराने का मन करता है
और आपको हृर्दयतल से
अपनाने का मन करता है।।
कौन कहता है कि आप
हृदय नहीं लगा सकते।
और किसी को भी
अपना नही बना सकते।
क्योंकि ये, हृदयरूपी प्रेम का मामला है।
जिसे पत्थर हृदय, निभा नही सकता।।
फूलों की तरह सुंदर हो।
प्रकृति का तुम वंदन हो,
मन के भीतर भी विराजित
चांदनी से भी समुन्दर हो।।
इसलिए कहती हूं की,
तुम खिलता हुआ गुलाब हो।
अनदेखा सा ख्वाब हो
ईश्वर का आशीर्वाद हो
इसलिए ही सबसे खास हो।।
मनचाहा सा एहसाह हो।
अद्भुद सा प्रेमालाप हो
तभी तो मन करता है,
कि तुम्हें देखकर ही रहूं।
और अपने हृदय को,
थोड़ा शीतल कर सकूं।।

प्रियंका द्विवेदी
मंझनपुर, कौशाम्बी ।
www.womenexpress.in

मुखौटा

ना जाने कौन सा, लगा लेते हैं
ये लोग कब, नया मुखौटा
ना जाने कब, कौन
निकल जाए खोटा

किस पर हम दुनियाँ में
भरोसा कर सकते हैं
बोलो किस को दुख
अपना सुना सकते हैं

जिससे करें हाल ऐ ब्यान
जिस पर करें हैं भरोसा
वो ही मार भागता है
हमारी, पीठ पर सोटा

देख परख कर, करना
दिल की बातें ब्यान
पता नहीं कौन सच्चा निकले
किसके मूँह पर है मुखौटा

करमजीत कौर, शहर मलोट
श्री मुक्तसर साहिब, पंजाब ।
www.womenexpress.in

अरमान अभी बाकी है

अरमान अभी बाकी है कुछ
कर दिखाने का, उचाईयों छू के सब
को दिखाने का,अरमान अभी बाकी
है कुछ कर दिखाने का,सच्चाई के
रास्ते पर चल के ,जीवन को संघर्ष
पूण बनाने का,अरमान अभी बाकी
है कुछ कर दिखाने का,माता पिता
का नाम ऊचाइयों को ले जाने का,
अरमान अभी बाकी है ,अपने वतन
के लिए कुछ कर दिखाने का
,दुनिया मे हमे बहुत ने कुछ ठोकरें
दी ,ओर बहुत कुछ ने निचा दिखाया
,अब अरमान है उन सब को गलत
साबित करने का ,अरमान अभी
बाकी है कुछ कर दिखाने का ,अब
हम हार नही मानेगे ,अब अरमान है
कुछ कर दिखाने का।

राकेश पाटीदार,
चित्तोड़गढ़, राजस्थान।
www.womenexpress.in

प्रेम की गाथा

सियाराम जी के रिश्ते की
पूर्णता को
अंतर्मन से महसूस करती हूं
और यह
सोचती हूं कि,मन के हर भाव
को समझने से,
एक दूसरे के प्रति कर्तव्यों को
निभाने में,
अयोध्या को छोड़कर फिर
वनवास के संघर्ष में,
जो साथ साथ चलते रहे जीवन
के हर पहलू पे।।
थी संघर्ष की वो यात्रा कितनी
अद्भुत ही,
जो इन आदर्श स्वरूपों को प्रेम
में जोड़ी रही,
है यदी दो आदर्शों के जुड़ने का
आधार संघर्ष ही,
नमन करती हूं मैं सच्चे ह्रदय
से ऐसे संघर्ष को भी।।
बिछड़ी जब सीता राम से लक्ष्मण
रेखा को पार करके,भटके तब
वन वन राम ने,
और भेदा था चक्रव्यू तब राम ने,
जो रावण ने रचा था अपने
छल और अहम से।
स्वर्ण नगरी जीत के त्यागी थी,
और रखी ना तृष्णा जरा सी भी,
पुरुषार्थ की परीक्षा जब खत्म हुई,
तब सतीत्व की परीक्षा प्रारंभ हुई।।
अग्नि परीक्षा देकर सिद्ध की,वो
नारी है
एक नर की ही,ना पता था
किसी को कि क्या होगा?
यदि अलगाव ही अंजाम था
लौटने पर संघर्ष से,
तो फिर उत्तम है बना रहना
जीवन में संघर्ष के,
क्योंकी सुख भी तब विष सा
लगता है,
दो आदर्शों के मध्य जब वह
वियोग ला देता है।।
क्या त्याग के शिखर पर ही
व्यक्तित्व सँवरता है?
और आभाव चाहे कितना भी
जीवन में सहना हो,
आदर्शों का पालन करते रहना
फिर भी,
हैं अर्थ , धर्म का भी यही,
जिससे दो आदर्शों को गुजरना
पड़ता ही हैं
जीवन के कई पहलूओं पर
अपना मन मार के ही

दिव्या सक्सैना
श्रीकृष्ण कालोनी, सकंदर
ग्वालियर (मध्य प्रदेश)।
www.womenexpress.in

प्रेम पाप

प्रेम अगर पाप है तो पुण्य
किसका नाम है
प्रेम ही मीरा और प्रेम ही
घनश्याम है
विश्वास नहीं हो तो मन के
मंदिर में देखो
प्रेम ही सीता और प्रेम ही राम है
मगर कुछ पापियों के पाप से
आज प्रेम भी बदनाम है
सदियों बीत गई प्रेम की
परिभाषा समझने में
जिंदगी गुजर गई प्रेम को पाने में
लेकिन समझ ना आया किसी
जमाने में
प्रेम की जब नईया डूबी
खेबन को जब दुनिया की
दुनिया में नादान समाया
वो भी अनजान प्रेम से था
नफरत में थी जिंदगी गुजरी
प्रेम की प्यासी दुनिया सारे
फिर भी सब तकदीर निहारे
सब कोसे भगवान को
जोर से, हाथ जोड़कर मंदिर में पुकारे
हाय, तूने क्या तकदीर बनाई
प्रेम की तूने चिंता जलाई
भगवान भी सून के नीर बहाई
हाय, मैंने क्या इंसान बनाई
जो उसी के पास अनमोल धन है
उसी के लिए सर पटक के
पुकार लगाऐ
प्रेम तूम्हारे अंदर है

डॉली अनूपिया
पूर्णिया, बिहार ।
www.womenexpress.in

हम बदचलन हो गये

अर्द्धांगिनी ना सही पर
तुम अगर जीवनसंगिनी ही
बन जाती
जीवन के इन टेढ़ेमेढ़े रास्तों पर
तुम मेरा हौसला बढ़ाती।
जब भी जीवन के दोराहों पर
खड़ा होता
तुम चुपके से हाथ पकड़कर
सही दिशा मुझे दिखलाती
तुम सौभाग्य मेरा, मेरी प्रेरणा
बन जाती।
लक्ष्मी ना सही पर तुम
शांतशीतल मलय बन जाती
जब कभी थककर रूक जाता मैं
तुम स्नेह की शीतलता से मुझे
रोमांचित कर जाती।
दो पग तुम साथ बढ़ाती
मन की गहराइयों को जो तुम
समझ पाती
तो बस तुम्हारा और तुम्हारा ही
रहता मैं
फिर ना मेरी आत्मा मुझे यूं
बदचलन बुलाती।।
प्यार बेइंतहा था, शायद है भी
पर मुझे पाकर तुम यूं बेपरवाह
हो गई
कि साथ रहकर भी अकेला रह
गया हूँ मैं
तुम सावित्री और प्रेमपूजारी
बन गया हूँ मैं।।
जानता हूँ कि तुम बस मेरी हो
और मेरे सिवा तुम्हारे जीवन में
न कोई था न किसी की दस्तक है
पर यह भी सच है कि
तुम्हारी अनदेखी से अब
बिल्कुल टूट गया हूँ मैं।।
प्रिये फिर से एक जीवन जीना
है मुझे
प्रेम का घट पीना है मुझे
चलो अब हमें आजाद कर दो
तुम और
लौटा दो हमें वो सुखचैन जो
हमसे छीना है तुमने।।
मेरी भी कुछ इच्छाएं हैं
मेरे भी कुछ अधिकार हैं
और कुछ ख्वाब भी हैं मेरे
उन्हें पा लूँ मैं तुम इतना सा
करम कर दो
मेरी सारी खुशियां लौटाकर तुम
मुझपर रहम कर दो।।

मुकेश सिंह
सिलापथार, असम।
www.womenexpress.in

नव प्रसूता

सविता लेटी हुयी थी अपने
नवजात शिशु के पास। घर में काम
करने वाली बाई गरम दूध एवं भुने
हुये मेवे रख गयी थी उसके लिये।

नवजात शिशु सहित मात्र ये ढाई
प्राणी ही तो थे घर में सो, 10 दिन की
सद्यः प्रसूता सविता ने स्वयं ही बड़ी
मुश्किल से बैठने की कोशिश की।
दूध पीते हुये सविता की आँखो के
आगे पिछले महिने का पूरा मंजर घूम
गया। वह प्रणव से जिद कर रही थी
कि ऐसे समय में उसके पास किसी
अनुभवी स्त्री का होना बहुत जरूरी
है। इसलिये या तो सासूमाँ को यहीं
बुला लो या मुझे वहीं उनके पास गाँव
भेज दो।

किन्तु सासूमाँ ने शहर में आने
से मना कर दिया कि माचिस जैसे
फ्लैट्स में मेरा दम घुटता है, तुम यहीं
आ जाओ। गाँव जाने के लिये प्रणव
ने मना कर दिया यह सोचकर कि
प्रसव में कोई दिक्कत हुयी तो वहाँ गाँव
में कौन संभालेगा। इन सब में परेशान
सविता थी कि अपने आप को और
अपने पहले बच्चे को वह अकेली
कैसे सम्भालेगी।

इन्हीं विचारों में सविता खोयी थी
कि प्रणव की आवाज आयी मैं
ऑफ़िस जा रहा हूँ। प्रणव को देखने
वह बालकनी में सहारा लेकर खड़ी
हो गयी। सहसा सविता ने देखा कि
सामने सड़क पर एक गाय का प्रसव
हो रहा था। सविता ने देखा वही
तड़पन, वही बेहिसाब दर्द जो प्रसव
के दौरान उसने सहा था यहाँ गाय को
लेकिन सम्भालने के लिये कोई नही
था। न जाने क्यों वह उससे अपनी
एकरूपता स्थापित करने लगी थी।

गाय ने शीघ्र ही एक बछिया को
जन्म दे दिया था और निढ़ाल हो कर
वहीं पड़ गयी थी। तभी गाय का
मालिक मोटरसाइकिल पर आया।
उसने न तो गाय को सहलाया न उसे
कुछ खाने को दिया। सद्यः प्रसूत
बछिया को मोटरसाइकिल पर डाला
और गाय की तरफ बिना देखे चल
दिया। किन्तु माँ का हृदय तो टूटे हुये
तन में भी बोलता है। सो जैसे ही
उसने बछिया को ले जाते देखा तो
बिल्कुल टूटे एवं रक्तसने शरीर से भी
उसने उसके पीछे दोड़ना शुरू कर
दिया। सविता देखकर भौंचक्की थी।
उसका भी वही सद्यः प्रसूत तन था
और गाय का भी वही सधः प्रसूत
शरीर था।

वह भी उसी तरह तड़पी थी
प्रसव में जैसे सविता तड़पी थी।
वह अब अपना दुख भूल चली
थी गाय के इस दुख के आगे।

अंजना गर्ग
मनोज गर्ग
कोटा, राजस्थान।
www.womenexpress.in

गुरु भजन

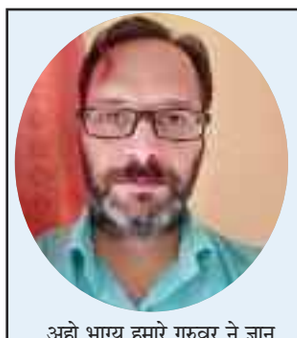

अहो भाग्य हमारे गुरुवर ने ज्ञान
पुष्प दीन्हा
गुरु कृपा पाकर के जीवन में
सफल कीन्हां

चिंता मन में बसाए
भवसागर में फंसा हुआ था
पथ रहित भटकता जीवन
काल चक्र में कसा हुआ था
एसी युक्ति बताई गुरुवर सब
भ्रम मुक्त कीन्हां

चरणों में गुरुवर के
सब तीरथ से बड़ा स्थान है पायो
खोजत राम रसायन सब जग भटके
गुरुवर ने घट भीतर ही
सुलभ करायो
आत्मदर्शन कराकर जीवन ये
अमर कीन्हां

अहो भाग्य हमारे गुरुवर ने ज्ञान
पुष्प दीन्हा
गुरु कृपा पाकर के जीवन में
सफल कीन्हां

स्वामी दास
नई दिल्ली ।
www.womenexpress.in

क्यूं भेजा इस जग में

जन्म हुआ इस जग में आई,
ना कोई ढोल और शहनाई।
क्यूंकि दूजी लड़की मां ने है जाई,
जो हो जायेगी पराई।।

कोई बतादो मुझको जरा,
उस नन्हीं जान का दोष है क्या?
दामन में खुशियां भरने का,
क्या कोई अधिकार नहीं है उसका?
जो जन्म लिया होता यदि भाई,
मुहल्ले पड़ोस में बंटती मिठाई।
दादा दादी का वंश चलाने,
आ गया सबका प्यारा भाई।।

नन्हीं सी जान ये समझ ना पाई,
क्यूं उसके साथ ये भेद हुआ?
दूजी लक्ष्मी भी घर है आई,
क्यूं ये दुनियां समझ ना पाई?

जन्म से ही उस मासूम ने,
अधिकारों की बलि चढ़ाई।
क्यूं भेजा इस धरती पर भगवन,
रब को देती बस ये दुहाई ।।

नीता तायल
कासगंज, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

एक नजर

कर्ज में 5.49 प्रतिशत की वृद्धि- आरबीआई

मुंबई। बैंक कर्ज 28 अगस्त को समाप्त पखवाड़े में सालाना आधार पर 5.49 प्रतिशत बढ़कर 102.11 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया बकि बैंक जमा 10.92 प्रतिशत बढ़कर 141.76 लाख करोड़ रुपए रही। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार ×0 अगस्त, 2019 को समाप्त पखवाड़े में बैंकों का कर्ज 96.80 लाख करोड़ रुपए जमा 127.80 लाख करोड़ रुपए था। इससे पहले 14 अगस्त, 2020 को समाप्त पखवाड़े में बैंक कर्ज 5.52 प्रतिशत बढ़कर 102.19 लाख करोड़ रुपए और जमा 11.04 प्रतिशत बढ़कर 140.80 लाख करोड़ रुपए था। रिजर्व बैंक के जुलाई 2020 के बैंक के कर्ज के आंकड़े के अनुसार सालाना आधार पर गैरखाद्य कर्ज में जुलाई माह में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि पिछले साल के इसी माह में इसमें 11.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। उद्योग को कर्ज में वृद्धि आलो'य महीने में 0.8 प्रतिशत बढ़ा जबकि इससे पूर्व 2019 के इसी माह में इसमें 6.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी। कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों को जुलाई महीने में दिए गए कर्ज में 5.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि एक साल पहले इसी माह में इसमें 6.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। आंकड़े के अनुसार सेवा क्षेत्र को कर्ज जुलाई 2020 में 10.1 प्रतिशत बढ़ा जबकि एक साल पहले इसी महीने में 15.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। व्यक्तिगत कर्ज के मामले में आलो'य महीने में 11.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि जुलाई 2019 में इसमें 17 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

आदिम जनजातियों के सदस्यों के संक्रमित होने पर रिपोर्ट तलब

नई दिल्ली। ओडिशा में दो आदिम जनजातियों के छह सदस्यों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद राष्ट्रीय जनजाति आयोग ने राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगी है। मीडिया में आई खबरों के मुताबिक, अगस्त के अंत में बोंडा जनजाति के एक और दिदायी जनजाति के पांच सदस्यों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। आयोग ने कहा कि यह एक गंभीर मामला है और ओडिशा के मुख्य सचिव तथ्यात्मक और कार्रवाई रिपोर्ट 25 सितंबर तक पेश करें। बोंडा और दिदायी के अलावा ओडिशा में ऐसे और 11 विशेष संवेदनशील आदिवासी समूह हैं जिनकी आबादी घट रही है या स्थिर है, साक्षरता दर कम है और आर्थिक रूप से पिछड़े हुए हैं। मल्कानगिरी जिले के पूर्वी घाट की पहाड़ियों पर 32 दूरस्थ गांवों में रहते हैं। वे करीब 60,000 साल पहले अफ्रीका से भारत आए थे। इससे पहले आयोग ने अंडमान निकोबार में ग्रेट अंडमानीज जनजाति के 10 सदस्यों के कोरोना से संक्रमित होने के बाद प्रशासन से रिपोर्ट मांगी थी। अधिकारियों के मुताबिक, 10 में से नौ आदिवासी संक्रमण से ठीक हो गए हैं। हालांकि प्रशासन ने अभी रिपोर्ट नहीं सौंपी है। ग्रेट अंडमानीज जनजाति के केवल 59 सदस्य जीवित हैं।

हरियाणा के किसानों एवं सरकार को मिला केंद्र का समर्थन

कृषि क्षेत्र से संबंधित तीन अध्यादेशों को लेकर संशय बना

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 15 सितम्बर। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जय प्रकाश दलाल ने कहा कि कृषि क्षेत्र से संबंधित तीन अध्यादेशों को लेकर विभिन्न किसान संगठनों द्वारा की गई विभिन्न मांगों को स्वीकृत करने का केन्द्र द्वारा आश्वासन दिया गया है। इसको लेकर दलाल के साथ विभिन्न किसान संगठनों ने केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर से मुलाकात की।

केन्द्रीय कृषि मंत्री से मुलाकात के बाद दलाल ने हरियाणा भवन में विभिन्न किसान संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ पत्रकारों से बातचीत की। साथ ही कहा कि तीन अध्यादेशों को लेकर विभिन्न किसान संगठनों द्वारा की गई विभिन्न मांगों को स्वीकृत करने का केंद्र सरकार ने आश्वासन दिया है। किसान संगठनों

के विभिन्न प्रतिनिधियों ने भी कहा कि सरकार की ओर से विभिन्न मांगों को पूर्ण करने का आश्वासन मिला है। दलाल ने कहा कि कृषि क्षेत्र से संबंधित अध्यादेशों को लेकर विपक्षी राजनैतिक दलों द्वारा भ्रांतियां फैलाई गई हैं । किसानों के हित पूर्णतया सुरक्षित हैं। अध्यादेशों से कृषि क्षेत्र सुदृढ़ हो सकेगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि कृषि मंडिया पूर्णतया कायम रहेंगी और फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद होगी। किसानों को उनकी फसलों का सीधा भुगतान होगा। किसानों को उनके कृषि उत्पादों के भुगतान को पूर्णतया सुरक्षित व संरक्षित करने की दिशा में प्रावधानों की व्यवस्था किये जाने तथा विवादों के निपटान की दिशा में उपमण्डलीय स्तर पर समिति बनाने तथा इसमें एक किसान सदस्य शामिल किये जाने का आश्वासन दिया गया है। इसके अतिरिक्त किसान संगठनों द्वारा की गई विभिन्न अन्य मांगों को भी पूर्ण करने का केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री द्वारा आश्वासन दिया गया है।

कृषि मंत्री दलाल ने कहा कि कृषि क्षेत्र को सुदृढ़ करने व किसानों की आय दोगुणा करने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विभिन्न कृषि योजनाओं को क्रमबद्ध रूप से कार्यान्वित किया गया है। इसी क्रम में हरियाणा सरकार द्वारा भी विभिन्न योजनाओं को कार्यान्वित किया गया है। प्रदेश में कृषि उत्पादों के विपणन को नई दिशा देने के लिए 05 हजार करोड़ रूपये लागत से कृषि मंडियां विकसित की जा रही है।

वर्ष 2016 से वर्ष 2019 तक फसल बीमा योजना के अन्तर्गत हरियाणा में किसानों को 2546 करोड़ 96 लाख रूपये का भुगतान किया गया जब की किसानों से 825 करोड़ 69 लाख रूपये प्रीमियम लिया गया। हरियाणा में 5 हजार किसानों को पशु किसान क्रेडिट कार्ड दिये गये और 52 हजार किसानों को पशु क्रेडिट कार्डों की बैंकों द्वारा स्वीकृति दी गई। हरियाणा में 86 लाख मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनाये गये।

एनडीआरएफ ने किया सयुंक्त मॉक ड्रिल, कर्मचारियों को किया सतर्क्

पटना, 15 सितम्बर। एनडीआरएफ की 9वीं बटालियन तथा भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा मुजफ्फरपुर में स्थित आयल डिपो में ऑयल रिसाव और अग्नि दुर्घटना आपदा पर आधारित एक संयुक्त मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।

इस मॉक ड्रिल में एनडीआरएफ और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के साथ अग्निशमन सेवा, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, रेलवे सुरक्षा बल तथा जिला स्वास्थ्य सेवा के कार्मिकों ने बढचढकर हिस्सा लिया तथा इसे सफल बनाया। मॉक ड्रिल के दौरान मुजफ्फरपुर में स्थित बीपीसीएल ऑयल डिपो में ऑयल रिसाव के बाद अग्नि दुर्घटना का दृश्य चित्रित किया गया था। प्रतिभागी सभी एजेंसियों ने बेहतर समन्वय स्थापित कर इस आपदा से निपटने का कुशल अभ्यास किया। 9वीं बटालियन एनडीआरएफ टीम का नेतृत्व इंसपेक्टर मालिक कुमार ने किया। एनडीआरएफ टीम ने ऑयल रिसाव वाले पाइप लाइन को शील्ड करने तथा घटनास्थल पर फँसे लोगों को सुरक्षित निकालकर अस्पतालपूर्व चिकित्सा देने का अभ्यास किया।

इस अभ्यास के दौरान कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के पहलूओं का भी पूरा ध्यान रखा गया। 9वीं बटालियन एनडीआरएफ के कमान्डेंट विजय सिन्हा ने बताया कि आपदा पर आधारित इस प्रकार के संयुक्त मॉक ड्रिल में हमारी टीम बढ़चढ़कर भाग लेती है तथा आपदा प्रबंधन उपकरणों के साथ अपने कार्यकुशलता का अभ्यास करती है।

संयुक्त मॉक ड्रिल का उद्देश्य आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में काम कर रही विभिन्न एजेन्सियों के बीच परस्पर समन्वय तथा कार्यक्षमता को और बढाना है ।

रत्नेश जायसवाल बने सपा के बड़ागाव ब्लाक अध्यक्ष

(सुरेश गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वाराणसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर वाराणसी में पार्टी को मजबूत बनाने के लिए कार्यकर्ता युद्धस्तर पर जुट गए है। बूथ से लेकर ब्लाक व शहर तक में पदाधिकारियों को नियुक्ति कर जिम्मेदारियां सौंपी जा रही है। इसी कड़ी में सपा जिलाध्यक्ष सुजीत यादव ने रत्नेश जायसवाल को बड़ागाव का ब्लाक अध्यक्ष मनोनीत किया है। रत्नेश बड़ागाव कालेज छात्रसंघ के अध्यक्ष भी रह चुके है। उनकी कर्मठता को देखते हुए ही सुजीत यादव ने यह जिम्मेदारी सौंपी है। रत्नेश के मनोनयन पर समर्थकों में खुशी की लहर है। जायसवाल ने कहाकि सपा संगठन की मजबूती के लिए हर संभव प्रयास किया जायेगा। भाजपा के कथनी ओर करनी को जनता के बीच पहुंचाया जायेगा। रत्नेश जायसवाल ने कहा कि सपा के नौजवान साथियों ने बेरोजगारी जैसे गंभीर सवाल पर बहादुरी से आवाज बुलंद की तो उनके साथ अपराधियों जैसा सलूक किया गया जो बिलकुल उचित नहीं है। लाठी और जेल से युवाओं के हौसले पस्त नहीं होंगे। हिंसात्मक तरीके से बेरोजगारी के सवाल के पीछे कानूनव्यवस्था का हवाला देकर अन्याय कहां तक उचित है।

प्रधानमंत्री के जन्मदिवस के उपलक्ष में कोंडली क्षेत्र में किया गया वृक्षारोपण

(नीरज पांडे/वूमेन एक्सप्रेस)

नई दिल्ली । दिल्ली के कोंडली विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत देश के यशस्वी प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी के आगामी जन्म दिवस के उपलक्ष में पुरे भारत में सेवा सप्ताह मनाया जा रहा हैं ।

इसी कड़ी में सेवा सप्ताह के दूसरे दिन कोण्डली विधान सभा के चारो मण्डलों में सेवा सप्ताह मनाया गया । कल्याणपुरी मण्डल , दल्लूपुरा मण्डल, और घडोली मण्डल में वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया जबकि कोण्डली मण्डल में छोटे बच्चो को स्टेशनरी भी वितरण किया गया । कोण्डली विधान सभा प्रभारी एवं कोण्डली भा0 ज0 पा0 विधान सभा पूर्व प्रत्याशी राजकुमार ढिल्लो ने बताया कि मोदी के 70 वे जन्म दिवस पर सभी मण्डलों में 7070 पौधे लगवाए गये और कोण्डली मण्डल में 70 बच्चो को स्टेशनरी वितरण का कार्य किया गया । ढिल्लो ने बताया कि इस मौके पर मयूर विहार जिला अध्यक्ष विनोद बछेती ने घडोली मण्डल में आकर पौधे लगाये तथा

लगवाए ।

उन्होने कार्यकर्ताओं को पौधे गोद लेकर उनकी देखभाल की जिम्मेदारी भी सोपी उन्होने कहा कि पौधे हमारे जीवन में अच्छे स्वास्थ और सकारात्मकता को विस्वसनीयता दिलाते है। इस मौके पर विधान सभा के सह प्रभारी सुनील चौहान, कोण्डली मण्डल अध्यक्ष संजीव भदौरिया, निगम पार्षद अतुल गुप्ता, कल्याणपुरी मण्डल के अध्यक्ष राजेंद्र धवन, दल्लूपुरा मण्डल के अध्यक्ष अमरपाल व निगम पार्षद राजीव चौधरी, घड़ोली मण्डल के अध्यक्ष राजीव शर्मा, प्रसन्ना पिल्लई, चित्रा नायर, सर्वेश तोमर, अजय गुप्ता, अमरीश त्यागी, सुनील सिंह, विनय सिंघल, लाला राम, बृजेश, सचिन, राजू पहलवान, मोहित, सनोज गिरि, किरण सिंह आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यूपीः नाबालिग से सामूहिक बलात्कार मामले में 1 गिरफ्तार

सीतापुर (उत्तर प्रदेश)। उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले में एक सप्ताह पहले नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

वहीं मामले के अन्य आरोपियों में से 4 अभी भी फरार हैं। इमलिया सुल्तानपुर गांव का ये मामला सोमवार को तब सामने आया जब इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। लड़की ने पुलिस को बताया कि आरोपियों ने इस कुकृत्य का वीडियो मोबाइल पर बनाया था और धमकी दी थी कि यदि इस घटना के बारे में किसी को बताया तो वे उसे जान से मार देंगे। पुलिस ने कहा कि घटना 7 सितंबर को हुई थी। लड़की जब बाजार से घर लौट रही थी, तब पास के गांव के दो युवक शीबू और नाजिम उसे घसीटते हुए एक गन्ने के खेत में ले गए। वहां तीन और लोग इंतजार कर रहे थे। इन पांचों ने नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। घटना को लेकर मामला दर्ज किया गया और सोमवार को शीबू को गिरफ्तार कर लिया गया। सीतापुर के पुलिस अधीक्षक आर.पी. सिंह और

एडिशनल एसपी (दक्षिण) राजीव दीक्षित ने एहतियात के तौर पर गांव का दौरा किया। घटना के कारण उपजे तनाव के चलते गांव में पुलिस बल भी तैनात किया गया है। एसपी ने कहा, हम बाकी आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें कड़ी सजा मिले। लड़की को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया गया है।

भगवान को श्रेष्ठ सामग्री चढ़ाने से श्रेष्ठ फल की प्राप्तिः आचार्य विनयधर्म

बेंगलुरु। अजीतनाथ जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में आचार्यश्री कुंदकुंदसुरीजी महाराज साहेब के शिष्य आचार्य विनयधर्म साहब के 15 दिन की सूरी मंत्र की आराधना 16000 जाप की पूर्णाहुति मंगलवार को संपन्न हुई। इस आयोजन के निमित्त त्रिभुवन स्वामीनी देवी का हवन रखा गया। यह करीब 1600 आहुतियों के द्वारा हर्षोल्लास के साथ परिपूर्ण हुआ। अजीतनाथ जैन संघ में आचार्यश्री की यह साधना हुई। इस दौरान उन्होंने कहा अपने उद्बोधन में कि भगवान की पूजा करते समय श्रेष्ठ सामग्री ही अर्पित करनी चाहिए तभी हमें अच्छे फल व श्रेष्ठ पुण्य की प्राप्ति होगी। उन्होंने कहा कि हमें अपने आराध्य की पूजा करते समय सामग्री का उपयोग बहुत सोच समझ कर ही करना चाहिए। डूंगरमल चोपड़ा ने बताया कि आसोज सुदी तृतीय से महालक्ष्मी माता जी की 25 दिवसीय आराधना हेतु साधना में बैठने वाले एवं विधि कारक

तुषारगुरुजी व जयपालगुरु ने विधिपूर्वक हवन करवाया। संघ के अध्यक्ष विमलचंद खाँटेड, मैनेजिंग ट्रस्टी मदनलाल एवं प्रमोद कुमार श्रीश्रीमाल, चम्पालाल निमानी, गौतम चोपड़ा तथा अनेक भक्त जनों ने आयोजन में पुण्य लाभ कमाया।

चपंत राय के बयान पर संतों ने जताया विरोध

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

अयोध्या, 15 सितंबर । श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के विवादास्पद बयान को लेकर अयोध्या के संतों ने प्रतिक्रिया दी है। निर्वाणी अखाड़ा के महंत धर्मदास व हनुमानगढ़ी के संत राजूदास ने जहां चंपत राय के बयान का कड़ा विरोध किया है।

ज्ञात हो कि अयोध्या के संतों ने अभिनेत्री कंगना रनौत व पालघर में साधुओं की हत्या के मामले में उद्धव ठाकरे को निशाने पर लेते हुए उनके अयोध्या आगमन पर विरोध करने की बात कही थी। इस पर राममंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा था कि किसकी मां ने दूध पिलाया है जो शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे को अयोध्या आने से रोक पाए। उनके इस बयान पर अब विवाद बढ़ता नजर आ रहा है और इसके विरोध में हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास खुलकर के सामने आए हैं। निर्वाणी अनी अखाड़ा के महंत धर्मदास ने चंपत राय के बयान पर

कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि चपंत राय ने गलत भाषा का प्रयोग किया है। इन्होंने अयोध्या के लोगों को अपमान किया है। राय फर्जी महासचिव बने हैं। इन्हें तत्काल हटाया जाना चाहिए। हनुमानगढ़ी के संत राजूदास का कहना है कि वह बाला साहब ठाकरे का कोई विरोध नहीं करते हैं, लेकिन उद्धव ठाकरे ने सनातन धर्म संस्कृति को दबाने का प्रयास किया है। ऐसे में हमने कहा है कि यदि उद्धव ठाकरे अयोध्या आते हैं तो उन्हें नगर में घुसने नहीं देंगे।

महंत राजू दास ने चंपत राय को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि वे जिस तरीके का बयान दे रहे हैं, वह ईस्ट इंडिया कंपनी की भाषा है। इसको कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साधु संतों के विरोध पर जिस तरीके का बयान चंपत राय ने दिया है, यह साधुसंतों का अपमान है। महंत ने कहा कि अयोध्या ने चंपत राय को छत दी, मगर उन्होंने बिगड़ी भाषा बोलकर अयोध्या को गाली दी है। ऐसे लोगों को अयोध्या में रहने का कोई अधिकार नहीं है, वे कोई साधु संत नहीं हैं। राजूदास ने कहा कि महाराष्ट्र में संतों की हत्या पर चंपत राय चुप्पी साधे रहे।

कलेक्टर मेहता ने किया बीएसएफ के कोविड केयर सेंटर का दौरा

बीकानेर, 15 सितम्बर। कलेक्टर नमित मेहता ने बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) के कोविड केयर सेंटर का दौरा किया। मेहता के क्षेत्रीय मुख्यालय पहुंचने पर डीआईजी बीएसएफ बीकानेर सैक्टर पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ ने वेलकम किया। बताया गया कि वर्तमान में बीएसएफ में विभिन्न प्रांतों के जवान कार्य कर रहे हैं अत- कोरोना महामारी बीएसएफकर्मियों में भी फैल रही है। पिछले कुछ दिनों में बीएसएफ के सीमा प्रहरी इस बीमारी से ग्रसित हुए है। बीएसएफ के सभी सीमांत मुख्यालयों व कम्पोजिट अस्पतालों में कोविड केयर सेंटर कार्य कर रहा है लेकिन किसी भी क्षेत्रीय मुख्यालय में इस प्रकार का पहला कोविड केयर सेंटर सर्वप्रथम क्षेत्रीय मुख्यालय बीएसएफ बीकानेर में बनाया गया है। इस सेंटर में सभी चिकित्सा सुविधा सहित कुल 45 बेड कोविड मरीजों की देखभाल

हेतू उपलब्ध है व अभी तक यहां से कुल 47 जवान सफल इलाज पश्चात् स्वस्थ्य होकर जा चुके हैं व वर्तमान में कुल 15 जवानों का इलाज चल रहा है। मेहता व सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के प्रिंसीपल डॉ. एस.एस.राठौड़ ने सेंटर में इलाज करा रहे जवानों के साथ सीसीटीवी के माध्यम से वार्तालाप कर उनका कुशलक्षेम जाना व जवानों की हौसला अफजाई की। मेहता ने कहा कि बीएसएफ के जवान कठिन परिस्थितियों में भी देश सेवा करते हैं ।

भारत के जंगी जहाज ने अमेरिकी टैंकर से लिया अरब सागर में ईंधन

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 15 सितंबर। भारत और अमेरिका के बीच बढ़ते रक्षा संबंधों का फायदा अरब सागर में उस समय मिला, जब भारतीय जंगी जहाज आईएनएस तलवार को उत्तरी अरब सागर में तैनाती के दौरान अमेरिकी नौसेना के टैंकर से ईंधन लेना पड़ा। दोनों देशों के बीच (लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ अग्रीमेंट लेमोआ) रक्षा समझौता हुआ है। इसी के तहत अब भारत और अमेरिका एक दूसरे के बेस का भी इस्तेमाल करेंगे।

भारतीय नौसेना के प्रवक्ता ने बताया कि 2016 में भारत और अमेरिका के बीच पर समझौता हुआ था। इसके तहत दोनों देश की तीनों सेनाएं मरम्मत और सेवा से जुड़ी अन्य जरूरतों के लिए एक दूसरे के अड्डे का इस्तेमाल कर सकेंगी। भारत इससे पहले इसी तरह के समझौते फ्रांस, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया के साथ कर चुका है। अभी हाल ही में जापान के साथ भी इसी तरह का रक्षा करार हुआ है। अमेरिका के साथ 2018 में भी एक रक्षा समझौता कम्यूनिकेशन कॉम्पैटिबिलिटी एंड सिक्यॉरिटी को लेकर हुआ था, जिसके तहत दोनों देशों की सेनाओं के बीच सहयोग और भारत को अमेरिका से उत्कृष्ट तकनीक दिए जाने की व्यवस्था है। दरअसल, पिछले कुछ सालों से भारत और अमेरिका के बीच रक्षा संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं।

इसी का फायदा सोमवार को उत्तरी अरब सागर में मिला। भारत का जंगी जहाज आईएनएस तलवार मिशन पर तैनात था और उसे ईंधन की जरूरत पड़ी तो लेमोआ समझौते के तहत अमेरिकी नौसेना के टैंकर यूएसएनए यूकोन से ईंधन लिया। इसी साल जुलाई में अंडमाननिकोबार द्वीप समूह में भारतीय नौसेना के युद्धाभ्यास में अमेरिका नौसेना भी शामिल हुई थी।

भारतीय नौसेना ने यूएस नेवी के साथ इस युद्धाभ्यास को पासेक्स यानी पासिंग एक्सरसाइज नाम दिया था। पूर्वी लद्दाख की सीमा एलएसी पर चीन के साथ चल रहे सैन्य टकराव के बीच भारतीय नौसेना ने जुलाई के दूसरे हफ्ते में अंडमान निकोबार द्वीप समूह में युद्धाभ्यास शुरू किया। इसमें अमेरिका की तरफ से परमाणु ताकत से लैस एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस निमित्ज ने भी हिस्सा लिया था। यूएसएस निमित्ज दुनिया का सबसे बड़ा जंगी जहाज है। इस सैन्य अभ्यास में भारतीय नौसेना के फ्रिगेट शहयादर एफ49 और शिवालिक एफ47 समेत 4 जंगी जहाजों ने भी हिस्सा लिया था। भारत और अमेरिकी नौसेना का यह संयुक्त युद्धाभ्यास इसलिए महत्वपूर्ण था।

कांग्रेस ने लगाया हवाईअड्डों पर एकाधिकार का आरोप, भाजपा ने कहा, पारदर्शिता सुनिश्चित की

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 15 सितंबर। कांग्रेस ने देश में छह हवाईअड्डों के निजीकरण की जांच की मांग करते हुए राज्यसभा में मंगलवार को आरोप लगाया कि ऐसा नियम व कानूनों की धज्जियां उड़ाकर किया जा रहा है। वहीं भाजपा ने इस आरोप को खारिज करते हुए कहा कि मोदी शासनकाल में पूर्ण पारदर्शिता बरती जा रही है। वायुयान (संशोधन) विधेयक, 2020 पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कांग्रेस सदस्य के सी वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि सरकार हवाईअड्डों के विकास करने के नाम पर उनका निजीकरण करके 'भाई भतीजावाद वाले पूंजीवाद' को प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया, 'भारतीय हवाई अड्डों पर एकाधिकार कायम करने का प्रयास किया जा रहा है। भविष्य में, सभी भारतीय हवाईअड्डों पर केवल एक कंपनी का स्वामित्व होगा... आप इसे कैसे अनुमति दे सकते हैं ... हवाई अड्डों को किसी एक निजी कंपनी को सौंपने के लिए नियमों और कानूनों का स्पष्ट उल्लंघन हो रहा है। यह सार्वजनिक धन का स्पष्ट रूप से घोटाला है।' उन्होंने कहा, 'हम इस मामले में जांच की मांग करते हैं। यह भ्रष्टाचार का स्पष्ट मामला है।' वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि

सरकार एक निजी संस्था का पक्ष लेने के लिए मानदंडों और दिशानिर्देशों को दरकिनार कर रही है और अपने स्वयं के मंत्रालयों द्वारा दी गई सलाह को नजरअंदाज कर दिया है। उन्होंने कहा कि तकनीकी, वित्तीय और कानूनी पहलुओं के बारे में आर्थिक मामलों के विभाग और नीति आयोग की सिफारिशों को सरकार ने नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने कहा, '...अंतरराष्ट्रीय स्तर से भाई भतीजावाद वाले पूंजीवाद को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। देश में हवाई अड्डों के एकाधिकार के लिए सरकार लाल कालीन बिछा रही है।'

उन्होंने कहा कि अब तक अदानी समूह ने अहमदाबाद, लखनऊ, बेंगलुरु, जयपुर, गुवाहाटी और तिरुवनंतपुरम जैसे छह हवाई अड्डों के संचालन और विकास के लिए बोलियां जीती हैं। उन्होंने कहा कि जब विधेयक संसद में लंबित था, तब भी सरकार ने 18 दिसंबर, 2018 को छह हवाई अड्डों के निजीकरण के लिए बोलियां मंगायी और बोली लगाने वाली कई कंपनियों ने आरोप लगाया कि बोलियों की समय सीमा काफी कम थी और बोली प्रस्ताव में कई विसंगतियां थीं। कांग्रेस सदस्य ने यह भी कहा कि राजस्थान और केरल की राज्य सरकारों की चिंताओं पर सरकार द्वारा ध्यान नहीं दिया गया। राजस्थान और केरल दोनों ने जयपुर और तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डों के निजीकरण के प्रस्ताव पर आपत्ति जताई है, जिसके लिए राज्यों द्वारा जमीन दी गई थी। केरल विधानसभा ने तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे के निजीकरण के खिलाफ एक प्रस्ताव भी पारित किया है। उनके आरोप को खारिज करते हुए भाजपा सदस्य जीवीएल नरसिंह राव ने दावा किया कि हवाई अड्डों के विकास में पूरी पारदर्शिता है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती कांग्रेस नीत संप्रग शासन के दौरान 'क्रोनी' पूंजीवाद को बढ़ावा दिया गया था। उन्होंने अपने तर्क के पक्ष में 2जी और कोयला नीलामी जैसे मुद्दों का हवाला दिया

नैनी (प्रयागराज) कार्यालय
नैनी स्टेशन के सामने
प्रभारीः
सुजीत चौरसिया
Mo- 9451251066

वूमेन एक्सप्रेस
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक **सुनील पाण्डेय** ने आदित्य ग्राफिक्स **INC**, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–1 से मुद्रित व **ई–4/168,** गली नंबर–6, सागर मार्केट, साढे 4 पुस्ता, सोनिया विहार दिल्ली–94 से प्रकाशित किया।
RNI.DELHIN / 2013/ 48606
मो.– 07042999974
टेली– 09013 518 518
www.womenexpress.in
thewomenexpress@gmail.com

एक नजर

त्यौहारी सीजन में 70 हजार सीधी भर्तियां करेगा फ्लिपकार्ट

बेंगलुरू । ईकॉमर्स जाएंट फ्लिपकार्ट ने आज कहा कि वह इस त्यौहारी सीजन में 70 सीधी और लाखों अपरोक्ष नौकरियां पाने में लोगों की मदद करेगा। सीधी नौकरियां सप्लाई चेन के तहत होंगी और इसके लिए डिलिवरी एक्जक्यूटिव, पिकर्स, पैकर्स और शॉटर्स की भर्ती की जाएगी।

इसके अलावा अपरोक्ष तौर पर फ्लिपकार्ट के सेलर पार्टनर लोकेशन और किराना दुकानों पर रोजगार उत्पन्न किए जाएंगे। ईकार्ट एवं मार्केटप्लेस, फ्लिपकार्ट के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट अमितेश झा ने कहा, 'हम अपने बिग बिलियन डे पर हर किसी के लिए मौके बनाएंगे। हम पूरे इकोसिस्टम को प्रभावित करने का प्रयास करेंगे। हमारा लक्ष्य ग्राहकों को शानदार अनुभव देना होगा और इसके तहत हमारे साथ कई लोग परोक्ष और अपरोक्ष तौर पर जुड़ेंगे। लास्ट माइल डिलिवरी के लिए फ्लिपकार्ट 50 हजार से अधिक किराना दुकानों को अपने साथ जोड़ेगा और इसके तहत किराना सामनों की डिलिवरी के लिए हजारों नौकरियों का सृजन होगा।

जनांकिक पृष्ठभूमि में परिवर्तन की वजह से वकीलों के लिए बढ़ाई गई बीमा राशि

नई दिल्ली। न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने दिल्ली उच्च न्यायालय को मंगलवार को बताया कि मुख्यमंत्री की अधिवक्ता कल्याण योजना के तहत वकीलों की मेडिक्लेम पॉलिसी के लिए प्रीमियम राशि में वृद्धि कोविड19 महामारी और नवंबर 2019 से आवेदकों की जनांकिक पृष्ठभूमि में बदलाव की वजह से की गई। कंपनी ने कहा कि उसे मिली जनांकिक पृष्ठभूमि के अनुसार युवा वकीलों के प्रतिशत में कमी आई है तथा अधिक उम्र के वकीलों की संख्या में वृद्धि हुई है। इसने अदालत से यह भी कहा कि कोविड19 महामारी जैसी मौजूदा परिस्थितियां प्रीमियम राशि को प्रभावित करेंगी। यह अभिवेदन न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह के समक्ष किया गया जिन्होंने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा वकीलों से संबंधित बीमा तथा मेडिक्लेम पॉलिसी के लिए प्रीमियम राशि बढ़ाए जाने पर गत 28 अगस्त को चिंता जताई थी। अदालत ने यह चिंता दिल्ली सरकार की स्थिति रिपोर्ट को देखने के बाद जताई थी जिसमें कहा गया था कि बीमा कंपनियों ने प्रीमियम राशि में काफी वृद्धि की है। दिल्ली सरकार ने अपने अतिरिक्त स्थायी अधिवक्ता सत्यकाम के जरिए 14 सितंबर को एक अन्य स्थिति रिपोर्ट दायर की है जिसमें कहा गया है कि इसके द्वारा 40,115 वकीलों के सामूहिक टर्म जीवन बीमा के लिए 10.07 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था तय की गई है, लेकिन एलआईसी इसमें केवल 28,774 वकीलों को ही शामिल करना चाहता है।

ओटीटी सेवाओं को लेकर ट्राई का फैसला ग्राहकों के लिये लाभकारी: बीआईएफ

नई दिल्ली। दूरसंचार नियामक ट्राई का ओटीटी संचार सेवाओं के नियमन नहीं करने का निर्णय ग्राहकों के हित में और आगे की सोच रखने वाला है। ब्रॉडबैंड इंडिया फोरम (बीआईएफ) ने मंगलवार को इसका स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र की प्रगति में मदद करने वाला बताया। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने तत्काल आधार पर व्हाट्सएप, गूगल डुओ, मैसेंजर और वाइबर जैसे ओवर द टॉप (ओटीटी) सेवाओं का नियमन करने की संभावनाओं को खारिज किया है। ओटीटी मंच इंटरनेट का उपयोग कर कॉलिंग, मेसेजिंग, वीडियो कॉलिंग और मनोरंजन सामग्री उपलब्ध कराते हैं। लंबे समय से दूरसंचार कंपनियां इनके नियमन की मांग करती रही हैं। ट्राई ने कहा कि यह ओटीटी मंच के समग्र नियामकीय व्यवस्था की अनुशंसा करने का सही वक्त नहीं है। इससे दूरसंचार कंपनियों को बड़ा झटका लगा है। ट्राई के इस निर्णय को बीआईएफ ने एक बयान में आर्थिक विकास और ग्राहकों के हित में 'साहसिक और प्रगतिशील' बताया है। उसने कहा कि 'इस क्षेत्र का नियमन नहीं करने को लेकर ट्राई ने भविष्योन्मुखी सोच को अपनाया है, क्योंकि इन सेवाओं से बाजार को नुकसान पहुंचने का कोई प्रत्यक्ष कारण नहीं दिखता है।''इस तरह की सेवाओं की क्षमता और प्रभाव लॉकडाउन और कोविड19 संकट के दौरान दिखा है।

हरियाणा के लाखों लोगों को रेलवे लाइन का बड़ा तोहफा

हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर परियोजना को मंजूरी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 15 सितम्बर । केंद्र सरकार ने आज हरियाणा के निवासियों को एक बड़ा रेलवे नेटवर्क का तोहफा दिया है। सरकार ने पलवल से सोहनामानेसरखरखौदा होते हुए सोनीपत तक हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर परियोजना को अपनी मंजूरी दी है।

यह फैसला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने लिया है। यह रेल लाइन पलवल से शुरू होगी और मौजूदा हरसाना कलां स्टेशन (दिल्लीअंबाला खंड पर) पर समाप्त होगी। यह मौजूदा पातली स्टेशन (दिल्लीरेवाड़ी लाइन पर), सुल्तानपुर स्टेशन (गढ़ी हरसरू फारुख नगर लाइन पर) और असौध स्टेशन (दिल्लीरोहतक लाइन पर) को मार्गस्थ कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। इस परियोजना से हरियाणा के पलवल, नूह, गुरुग्राम, झज्जर और सोनीपत जिले इस रेल लाइन से लाभान्वित होंगे।

इस लाइन के माध्यम से प्रत्येक दिन लगभग 20,000 यात्री यात्रा करेंगे और हर साल 50 मिलियन टन माल यातायात की भी आवाजाही होगी। परियोजना की कुल लंबाई 121.7 किलोमीटर है। यह परियोजना हरियाणा रेल बुनियादी ढांचा विकास निगम लिमिटेड (एचआरआईडीसी) द्वारा लागू की जाएगी, जो रेल मंत्रालय द्वारा हरियाणा सरकार के साथ मिलकर

पलवल से सोहना-मानेसर-खरखौदा होते हुए सोनीपत तक नई रेल लाइन बनेगी

स्थापित की गई संयुक्त उद्यम कंपनी है। इस परियोजना में रेल मंत्रालय, हरियाणा सरकार और निजी हितधारकों की संयुक्त भागीदारी होगी। इस परियोजना की अनुमानित कार्य समापन लागत 5,617 करोड़ रुपये है। इस परियोजना के पांच साल में पूरा होने की संभावना है।

दिल्ली का यातायात डायवर्ट होगा, एनसीआर में भीड़ कम होगी

यह रेल लाइन दिल्ली न आने वाले यातायात का डायवर्जन करेगी इससे एनसीआर में भीड़ कम होगी। इससे एनसीआर के हरियाणा राज्य उपक्षेत्र में मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स केन्द्रों के विकास में सहायता मिलेगी।

यह इस क्षेत्र से डेडिकेटिड फ्रेट कॉरिडोर नेटवर्क तक सहज और उच्च गति की कनेक्टिविटी उपलब्ध कराएगी, जिससे एनसीआर से भारत के बंदरगाहों को होने वाले आयात निर्यात (एग्जिम) यातायात की परिवहन लागत और समय में कमी आएगी और माल का निर्यात अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएगा।

ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर है यह

दिल्ली से गुजरते हुए पलवल से सोनीपत तक का यह ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के सतत विकास के लिए एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना है जो दिल्ली क्षेत्र में मौजूदा रेलवे नेटवर्क पर भीड़भाड़ भी कम करेगा। इस परियोजना की मागरिखा (अलाइन्मेन्ट) वेस्टर्न पेरिफेरल (कुंडलीमानेसरपलवल) एक्सप्रेसवे के निकट है, जो कुछ समय से विचाराधीन है। इस परियोजना की दिल्ली से निकलने वाले और हरियाणा से गुजरने वाले सभी मौजूदा रेलवे मार्गों के साथसाथ डेडिकेटिड फ्रेट कॉरिडोर नेटवर्क के साथ भी कनेक्टिविटी होगी।

हरियाणा के वंचित क्षेत्रों को जोड़ेगी रेल लाइन

यह कुशल परिवहन कॉरिडोर अन्य पहलों के साथ मेक इन इंडिया' मिशन को पूरा करने के लिए विनिर्माण इकाइयों को स्थापित करने के लिए बहुराष्ट्रीय उद्योगों को आकर्षित करने के उद्देश्य से बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराएगा। यह परियोजना हरियाणा राज्य के सुविधा से वंचित क्षेत्रों को जोड़ेगी, जिससे हरियाणा राज्य में आर्थिक और सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। यह बहुउद्देशीय परिवहन परियोजना गुरुग्राम और मानेसर, सोहना, फारुख नगर, खरखौदा और सोनीपत के औद्योगिक क्षेत्रों से विभिन्न दिशाओं में सस्ती, तेज नियमित यात्रा और लंबी दूरी की यात्रा भी उपलब्ध कराएगी।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा, कोरोना संकट के बीच देश में नहीं है ऑक्सीजन की कोई कमी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । देश में कोरोना की स्थिति पर स्वास्थ्य मंत्रालय पूरी नजर रखे हुए है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देश में ऑक्सीजन उत्पादन की क्षमता 6,900 मीट्रिक टन है। लगभग 6 फीसदी कोरोना मरीज फिलहाल ऑक्सीजन बेड पर हैं।

इसका मतलब है कि 2,800 मीट्रिक टन ऑक्सीजन कोरोना और अन्य मरीज इस्तेमाल कर रहे हैं। राष्ट्रीय स्तर पर ऑक्सीजन की कोई कमी नहीं है। राज्य यह सुनिश्चित करें कि अस्पतालों में ऑक्सीजन की मैनेजमेंट सही से हो। राज्यों के अनुसार कोरोना की स्थिति बताते हुए राजेश भूषण ने बताया कि 14 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कोरोना के 5000 से कम एक्टिव केस हैं। 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 5000 से 50,000 के बीच कोरोना के एक्टिव केस हैं। देश के शीर्ष पांच राज्यों में महाराष्ट्र में सबसे अधिक दैनिक मृत्यु दर है। इसके साथ ही स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिव राजेश भूषण ने बताया कि देश में कोरोना की एवरेज पॉजिटिविटी रेट 8.4 फीसद है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि रूस काफी समय से वैक्सीन बना रहा है। उम्मीद है कि कोरोना की वैक्सीन भी अच्छी होगी। वैक्सीन को लेकर भारत की उच्च स्तरीय कमिटी रूस के संपर्क में है और इसे लेकर मेकनिज्म पर बात चल रही है। आइसीएमआर के महानिदेशक बलराम भार्गव ने बताया कि देश में तीन कोरोना वैक्सीन क्लीनिकल ट्रायल में हैं। कैडिला और भारत बायोटेक ने फेज1 का ट्रायल पूरा कर लिया है। सीरम इंस्टीट्यूट ने फेज **II-Bx** का ट्रायल पूरा कर लिया है, जो कि अब फेज **III** की मंजूरी के बाद इसका ट्रायल किया जाएगा।

इस ट्रायल में 14 स्थानों पर 1500 लोगों पर परीक्षण किया जाएगा। इसके साथ ही प्रोफेसर बलराम भार्गव ने बताया कि प्लाज्मा थेरेपी का उपयोग 100 वर्षों से अधिक समय से किसी न किसी रूप में किया जा रहा है और विभिन्न वायरस संक्रमणओं के लिए किया जाता है। वहीं, अब इसका उपयोग कोरोना संक्रमण में किया जा रहा है। यह कोरोना के इलाज में कितना मदद करता है या नहीं इस पर अभी अध्ययन किया जा रहा है।

टेस्टिंग किट की उपलब्धता सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश

अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों तथा चिकित्सा संस्थानों में टेस्टिंग किट का बैकअप रखा जाए

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ/दिल्ली, 15 सितम्बर। उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव सूचना एवं गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने आज यहां लोक भवन में प्रेस प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री जी ने पर्याप्त संख्या में टेस्टिंग किट की उपलब्धता सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा है कि अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों तथा चिकित्सा संस्थानों में टेस्टिंग किट का बैकअप रखा जाए, ताकि जांच कार्य सुगमतापूर्वक सम्पन्न होता रहे। उन्होंने कोविड19 के संक्रमण के नियंत्रण में टेस्टिंग की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल देते हुए कहा कि यह कार्य पूरी सक्रियता से संचालित किया जाए उन्होंने अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य को जिला चिकित्सालयों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा है कि अपर मुख्य सचिव चिकित्सा शिक्षा, मेडिकल कॉलेजों और चिकित्सा संस्थानों की स्वास्थ्य सुविधाओं को और सुदृढ करें।

अवस्थी ने बताया कि मुख्यमंत्री जी ने जनपद लखनऊ, मेरठ, गोरखपुर, प्रयागराज, सहारनपुर तथा

मुजफ्फरनगर पर विशेष ध्यान दिये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि इन जनपदों में कोरोना के रोगियों की उपचार व्यवस्था को सुदृढ करते हुए कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग में तेजी लायी जाए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिये है कि सभी चिकित्सालयों तथा मेडिकल कॉलेजों में ऑक्सीजन सुगमतापूर्वक उपलब्ध रहे। यह सुनिश्चित किया जाए कि ऑक्सीजन निर्धारित मूल्य पर ही मिले। किसी भी दशा में ऑक्सीजन की कालाबाजारी न होने पाए. उन्होंने कहा कि कालाबाजारी होने पर एफ0आई0आर0 दर्ज कर कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव कार्यालय द्वारा जिला प्रशासन से संवाद बनाकर कोविड19 के दृष्टिगत उपचार सुविधाओं एवं अन्य व्यवस्थाओं का निरन्तर प्रभावी अनुश्रवण किया जाए।

अवस्थी ने बताया कि कोविड 19 से बचाव व सुरक्षा के सम्बन्ध में आमजन को लगातार जागरूक किये जाने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि इसके लिए विभिन्न माध्यमों का प्रयोग किया जाए। स्वास्थ्य विभाग, परिवहन विभाग तथा पुलिस द्वारा आपसी समन्वय से पब्लिक एड्रेस सिस्टम को संचालित किया जाए कोविड19 से बचाव तथा यातायात सुरक्षा सम्बन्धी जानकारी पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से चौराहों तथा बाजार आदि में प्रसारित की जाए। उन्होंने कोविड हेल्प डेस्क को पूरी सक्रियता से संचालित करने के निर्देश भी दिये। उन्होंने बताया कि बाजारों एवं चौराहों पर कोविड19 के संबंध में आम जनमानस को जागरूक किया जाये। उन्होने बताया कि जिलाधिकारियों को निर्देश दिये गये है कि प्रचारप्रसार के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाए। इसके साथ ही दो गज की दूरी, मास्क है जरूरी की जानकारी भी आम जनमानस को दी जाये।

कोविड संक्रमित लोगों के संपर्क का पता लगाने के लिए 40 लाख लोग निगरानी में

नई दिल्ली, 15 सितंबर (वेबवार्ता)। केंद्रीय मंत्री अश्विनी चैबे ने मंगलवार को राज्यसभा को बताया कि कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए देश में कोविड संक्रमित लोगों के संपर्क का पता लगाने के तहत 40 लाख लोगों को निगरानी में रखा गया है और 10 सितंबर तक 5.4 करोड़ नमूनों की जांच की जा चुकी है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री चैबे ने बताया कि 10 सितंबर तक देश में 15,290 केंद्रों में कोविड19 का इलाज किया जा रहा हैं जिनमे मरीजों के लिए 13,14,171 पृथक बेड की व्यवस्था है। उन्होंने बताया कि ऑक्सीजन की सुविधा वाले कुल 2,31,269 पृथक बेड और 62,694 आईसीयू बेड भी हैं जिनमें 32,241 वेंटीलेटर वाले बेड हैं। चैबे ने बताया कि कोविड19 के क्लीनिकल प्रबंधन संबंधी दिशानिर्देश जाारी किए जा चुके हैं और उन्हें नियमित अद्यतन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राज्यों को हर तरह के साजोसामन की आपूर्ति के संदर्भ में पूरा सहयोग दिया जा रहा है। मंत्री ने बताया कि अब तक राज्य और केंद्र सरकार के अस्पतालों को 10 सितंबर तक 1.39 करोड़ पीपीई किट, 3.42 करोड़ एन95 मास्क, 10.84 करोड़

हाईड्रॉक्सीक्लोरोक्वि न टैबलेट, 29,779 वेंटीलेटर और 1,02,400 ऑक्सीजन सिलिंडरों की आपूर्ति की जी चुकी है। उन्होंने बताया कि टीकों के परीक्षण के लिए आगे आए 30 से अधिक स्वयंसेवियों को सहयोग दिया जा रहा है। इन लोगों पर टीकों का विभिन्न चरणों में परीक्षण किया जा रहा है। मंत्री ने बताया कि सात अगस्त को कोविड19 के लिए टीका प्रबंधन पर एक राष्ट्रीय विशेषज्ञ समूह नीति आयोग के अंतर्गत बनाया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने सुदर्शन टीवी के 'बिंदास बोल' कार्यक्रम के 2 एपिसोड पर लगाई रोक

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने सुदर्शन टेलीविजन के बिंदास बोल कार्यक्रम के दो 2 एपिसोड के प्रसारित करने पर रोक लगा दी है। ये एपिसोड आज यानी मंगलवार और कल यानी बुधवार को प्रसारित किया जाना है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि यह मुस्लिम समुदाय को अपमानित करने वाला है।

नौकरशाही में मुसलमानों की घुसपैठ के आरोपों पर 2 एपिसोड के प्रसारण पर लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा, इस समय, प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि यह कार्यक्रम मुसलमान समुदाय के अपमानित करने वाला है। कार्यक्रम पर उठाई गई आपत्तियों की याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस डीवीआई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय बेंच ने कहा कि वह इस मामले की सुनवाई 17 सितंबर को करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने सुदर्शन टीवी के कार्यक्रम पर सवाल उठाते हुए मंगलवार को कहा कि मीडिया में स्वनियंत्रण की व्यवस्था होनी चाहिए। इस टीवी कार्यक्रम के प्रोमो में दावा किया गया था कि सरकारी सेवा में मुस्लिम समुदाय के सदस्यों की

घुसपैठ की साजिश का पर्दाफाश किया जा रहा है।

शीर्ष अदालत ने इस कार्यक्रम के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा कि कुछ मीडिया हाउस के कार्यक्रमों में आयोजित होने वाली बहस चिंता का विषय है क्योंकि इसमें हर तरह की मानहानिकारक बातें कहीं जा रही हैं। न्यायमूर्ति धनन्जय वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति इन्दु मल्होत्रा और न्यायमूर्ति के एम जोसफ की पीठ ने कहा, इस कार्यक्रम को देखिए, कैसा उन्माद पैदा करने वाला यह कार्यक्रम है कि एक समुदाय प्रशासनिक सेवाओं में प्रवेश कर रहा है।

पीठ ने कहा, देखिए इस कार्यक्रम का विषय कितना उकसाने वाला है कि मुस्लिमों ने सेवाओं में घुसपैठ कर ली है और तथ्यों के बगैर ही यह संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं को संदेह के दायरे में ले आता है। सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ से कहा कि पत्रकारों की स्वतंत्रता सर्वोच्च है और प्रेस को नियंत्रित करना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिये घातक होगा। सुदर्शन टीवी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने पीठ से कहा कि चैनल इसे राष्ट्रहित में एक खोजी खबर मानता है। इस पर पीठ ने दीवान से कहा, आपका मुवक्किल देश का अहित कर रहा है ।

सपा, कांग्रेस ने बेरोजगारी के चलते लोगों के आत्महत्या करने का मुद्दा उठाया

नई दिल्ली, 15 सितंबर (वेबवार्ता)। समाजवादी पार्टी के सांसद रामगोपाल यादव और कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने मंगलवार को राज्यसभा में बेरोजगारी के कारण लोगों के आत्महत्या करने का मुद्दा उठाया। यादव ने मांग की कि नौकरी गंवाने वाले लोगों को प्रति माह 15,000 रुपये दिए जाएं।

यादव की मांग का समर्थन करते हुए, कांग्रेस सांसद आनंद शर्मा ने कहा कि केंद्र को इस मामले को देखना चाहिए और ऐसे लोगों को वित्तीय सहायता प्रदान करनी चाहिए। कांग्रेस लॉकडाउन के दौरान प्रवासियों की मौतों का कोई आंकड़ा नहीं होने के लिए पहले ही सरकार की आलोचना कर चुकी है। कांग्रेस नेता पी.एल. पुनिया ने भी मनरेगा मजदूरों के मामले को उठाया और मांग की कि मजदूरी को बढ़ाकर 300 रुपये प्रतिदिन किया जाए, जबकि कांग्रेस की एक अन्य सदस्य छाया वर्मा ने मनरेगा में एक साल में काम के दिनों की संख्या बढ़ाकर 200 करने की मांग की। कांग्रेस ने पिछले हफ्ते एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की रिपोर्ट के हवाले से सरकार पर निशाना साधा था, जिसमें अनुमान लगाया गया है कि कोरोनावायरस के प्रसार के छह महीने में देश में बेरोजगारी की दर 32.5 प्रतिशत होने की आशंका है। इसके आगे, एक रिपोर्ट में कहा गया है कि तीन महीनों में युवा बेरोजगारी की दर 29.5 प्रतिशत होगी। 2019 में यह दर 23.3 प्रतिशत थी। वहीं, सरकार ने दावा किया कि मनरेगा योजना के तहत, जून में देश भर में औसतन 3.42 करोड़ लोगों को रोजाना काम मिला, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 83.87 प्रतिशत अधिक है। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, मई में मनरेगा के तहत औसतन 2.51 करोड़ लोगों को काम मिला, जो पिछले साल की इसी अवधि के 1.45 करोड़ के औसत आंकड़े से 73 प्रतिशत अधिक है। इसलिए, इस योजना के तहत मई में रोजगार में 73.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

पीएम मोदी ने नमामि गंगे मिशन के तहत बिहार को दी बड़ी सौगात

पीएम मोदी ने नमामि गंगे से जुड़े 2 सीवरेज प्लांट का किया उदघाटन, मुजफ्फरपुर रिवर फ्रंट का भी शिलान्यास

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली 15 सितंबर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज बिहार में नमामि गंगे अभियान के अंतर्गत अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर से 3 महत्वपूर्ण परियोजनाओं का डिजिटल माध्यम से उद्घाटन और शिलान्यास करते हुए राज्य को एक बड़ी सौगात दी है।

इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पटना नगर निगम के अंतर्गत आने वाले बेऊर क्षेत्र में नमामि गंगे प्रोजेक्ट के तहत बनाए गए 43 **MLD** सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के उदघाटन के साथ ही करमलीचक में नमामि गंगे योजना के अंतर्गत बनाए गए एक अन्य 37**MLD** के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का भी उद्घाटन किया। पूरे पटना नगर की सीवरेज व्यवस्था के लिए नमामि गंगे मिशन के द्वारा 11 परियोजनाओं को मंजूरी दी गयी हैं। इन दोनों एसटीपी बेऊर और करमलीचक के समेत दो अन्य परियोजनाओं का शिलान्यास प्रधानमंत्री ने अक्टूबर 2017 में किया था। इन दोनों के पूरा होने के साथसाथ 60 **MLD** सैदपुर एसटीपी का कार्य भी समापन की ओर है।

इसके अलावा, नमामि गंगे योजना के तहत प्रधानमंत्री मोदी ने मुजफ्फरपुर रिवर फ्रंट डेवलपमेंट योजना का भी शिलान्यास किया। इस योजना के तहत मुजफ्फरपुर शहर के तीन घाटों (पूर्वी अखाड़ा घाट, सीढ़ी घाट, चन्दवारा घाट) का विकास किया जायेगा। रिवर फ्रंट पर कई प्रकार की मूलभूत सुविधायें उपलब्ध होगी, जैसेः चेंजिंग रूम, पाथवे, वाच टावर, इनफार्मेशन कियोस्क, शौचालय आदि. घाटों पर आकर्षक साईनेज, सुरक्षा व्यवस्था और पर्याप्त लाइटिंग भी उपलब्ध होगी। वहीं, नमामि गंगे के अतिरिक्त प्रधानमंत्री मोदी ने अमृत योजना के अंतर्गत सीवान नगर परिषद में और छपरा

नगर निगम के क्षेत्र में अमृत योजना के जरिए वॉटर सप्लाई प्रोजेक्ट लांच होगा। इन दोनों योजनाओं के तहत स्थानीय नागरिकों को चौबीसों घंटे पीने का साफ पानी मिलेगा। कार्यक्रम में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखवात, केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री रविशंकर प्रसाद और केन्द्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी मौजूद रहे। इस दौरान कार्यक्रम में नमामि गंगे द्वारा परियोजनाओं के विकास के रोडमैप पर बनाई गई फिल्म को भी प्रदर्शित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा राष्ट्रनिर्माण के इस काम में बहुत बड़ा योगदान बिहार का भी है। उन्होने कहा कि बिहार देश के विकास को नई ऊंचाई देने वाले लाखों इंजीनियर दे रहा है। बिहार की धरती हमेशा से आविष्कार और इनोवेशन की पर्याय रही है। मोदी ने कहा कि अब केंद्र और बिहार सरकार के साझा प्रयासों से बिहार के शहरों में पीने के पानी और सीवर जैसी मूल सुविधाओं में निरंतर सुधार हो रहा है।

नमामि गंगे को लेकर उन्होने बताया कि गंगा से सटे गांवों को गंगा ग्राम बनाया जाएगा, साथ ही नाले के जरिए जाने वाले गंदे पानी को रोका जाएगा। मोदी ने कहा कि बिहार ऐतिहासिक नगरों की धरती है। यहां हजारों सालों से नगरों की एक समृद्ध विरासत रही है। प्रचीन भारत में गंगा घाटी के इर्दगिर्द आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक रूप से समृद्ध और सम्पन्न नगरों का विकास हुआ। गंगा जल की स्वच्छता का सीधा प्रभाव करोड़ों लोगों पर पड़ता है। अपनी बात को विस्तार देते हुए उन्होने बताया कि आने वाले दिनों मुजफ्फरपुर रिवर फ्रंट को पटना रिवर फ्रंट की तर्ज़ पर ही विकसित किया जाएगा। आज जो बेऊर और करमलीचक की योजना का उद्घाटन हुआ है, उससे इस क्षेत्र के लाखों लोगों को लाभ होगा नमामि गंगे मिशन के तहत बिहार सहित पूरे देश में 180 से अधिक घाटों के निर्माण का काम चल रहा है, जिसमें 130 को पूर्ण किया जा चुका है। उन्होने बताया कि अभी हाल ही में सरकार ने एक प्रोजेक्ट डॉल्फिन की घोषणा भी की है। इस मिशन का बहुत बड़ा लाभ गंगा डॉल्फिन को भी होगा। गंगा नदी के संरक्षण के लिए गांगेय डॉल्फिनए का संरक्षण बहुत ज़रूरी है। पटना से लेकर भागलपुर तक का गंगा जी का पूरा विस्तार डॉल्फिन का निवास स्थान है। इसलिए प्रोजेक्ट डॉल्फिन से न सिर्फ बिहार को लाभ होगा बल्कि गंगा नदी में बायोडायवर्सिटी के साथसाथ पर्यटन को भी बल मिलेगा। बिहार के मुख्यमंत्री नितीश कुमार ने कहा लोगों को शुद्ध जल मिलना बड़ी बात है। उन्होने अपने बारे में बात करते हुये बताया कि बख्तियारपुर जहां मेरा जन्म हुआ वहाँ केवल एक या दो कुंओं का पानी ही स्वच्छ था। साफ पानी के लिए हम सभी ने काफी संघर्ष किया है, इसलिए ये हमारी जिम्मेवारी है कि गंगा नदी के पानी को स्वच्छ रखें। इसके लिए नमामि गंगे सीवरेज प्लांट की स्थापना होनी बहुत जरुरी थी। उन्होने बताया कि नमामि गंगे मिशन बिहार में कई सीवेज ट्रीटमेंट प्लान पर कार्य कर रहा है, और हम इसे शीघ्र ही पूरा करेंगे।